● वर्ष-3
● अंक-86
रायपुर, शनिवार
18 नवंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› प्राकृतिक सौंदर्य से ...

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया में तीन राज्यों के चुनाव संपन्न

प्रदेश के दूसरे चरण में 70.59% मतदान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण में कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल (पाटन), विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत (सक्ती), उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव (अंबिकापुर), गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू (दुर्ग ग्रामीण) और रवींद्र चौबे (साजा) सहित राज्य के आठ मंत्रियों के भाग्य का फैसला हुआ।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों के लिए शुक्रवार को मतदान समाप्त हो गया। छत्तीसगढ़ में दो चरणों में चुनाव हुए थे। इसके अलावा मिजोरम में एक चरण में सात नवंबर को ही मतदान हो चुका है। इस तरह पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया में तीन राज्यों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में 70 सीटों के लिए हुए दूसरे और अंतिम चरण के मतदान में मतदाताओं की अच्छी खासी भागीदारी देखी गयी। प्रदेश में दूसरे चरण के मतदान के लिये 1,63,14,479 मतदाता हैं। इस चरण में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, आठ मंत्रियों और चार सांसदों समेत 958 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआत में मतदान धीमा रहा, लेकिन समय बीतने के साथ ही मतदाता बड़ी संख्या में मतदान के लिए अपने घरों से निकलने लगे। अधिकारियों ने बताया कि दूसरे चरण में 827 पुरुष, 130 महिलाएं और लैंगिक रूप से तृतीय वर्ग के एक उम्मीदवार समेत कुल 958 प्रत्याशी हैं। उन्होंने बताया कि रायपुर शहर पश्चिम सीट पर सबसे अधिक 26 उम्मीदवार हैं, जबकि डौंडीलोहारा निर्वाचन क्षेत्र में सबसे कम चार उम्मीदवार मैदान में हैं।

दूसरे चरण में कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल (पाटन), विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत (सक्ती), उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव (अंबिकापुर), गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू (दुर्ग ग्रामीण) और रवींद्र चौबे (साजा) सहित राज्य के आठ मंत्रियों के भाग्य का फैसला हुआ। भाजपा की ओर से प्रदेश अध्यक्ष और सांसद अरुण साव (लोरमी), नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल (जांजगीर-चांपा), केंद्रीय जनजातीय मामलों की राज्य मंत्री रेणुका सिंह (भरतपुर-सोनहत-एसटी), सांसद गोमती साय (पत्थलगांव-एसटी), वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर दक्षिण), अजय चंद्राकर (कुरुद) और पुन्नूलाल मोहिले (मुंगेली) दूसरे चरण में प्रमुख उम्मीदवार हैं।

हम आपको बता दें कि सूबे में 20 सीट पर पहले चरण का चुनाव सात नवंबर को हुआ था, जिसमें 78 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले चुनाव में कांग्रेस को राज्य में 68 सीट मिली थीं तथा भाजपा 15 सीट पर सिमट गई थी। उस चुनाव में जेसीसी (जे) को पांच और बसपा को दो सीट मिली थी। कांग्रेस के पास फिलहाल 71 विधायक हैं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर सभी सीटों पर शुक्रवार को मतदान खत्म हो गया है। दूसरे चरण के लिए 17 नवंबर को 70 विधानसभा सीटों पर रात 10 बजे तक कुल 70.59त्न मतदान हुआ है। सबसे ज्यादा मतदान बालोद जिले की संजारी बालोद विधानसभा सीट पर 84.57 प्रतिशत हुआ है। वहीं सबसे कम मतदान रायपुर जिले की रायपुर दक्षिण विधानसभा में 52.11 प्रतिशत हुआ है।

दूसरी ओर मध्य प्रदेश की बात करें तो नक्सल प्रभावित बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जिले के मतदान केंद्रों पर मतदान दोपहर तीन बजे ही समाप्त हो गया था। मध्य प्रदेश के चुनावी मैदान में 2,533 उम्मीदवार हैं, जिनमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनके पूर्ववर्ती और प्रतिद्वंद्वी कमलनाथ जैसे राजनीतिक दिग्गज शामिल हैं।

5 बड़े जिलों में मतदान का प्रतिशत

जिला	सुबह 9 बजे तक	11 बजे तक	दोपहर 1 बजे तक	दोपहर 3 बजे तक	रात 7 बजे तक के आंकड़े
रायपुर	6.54	19.07	32.37	46.89	58.83
दुर्ग	5.49	18.88	37.04	52.07	68.00
बिलासपुर	4.44	14.01	29.64	46.81	62.77
रायगढ़	5.13	22.87	42.86	60.18	75.16
सरगुजा	5.56	19.98	41.03	57.24	67.71

नक्सलियों विस्फोट एक जवान शहीद

गरियाबंद जिले में नक्सलियों की ओर हुए आईईडी विस्फोट में भारत तिब्बत सीमा पुलिस का एक जवान शहीद हो गया। घटना मैनपुर थाना क्षेत्र के तहत बड़े गोबरा गांव के पास घटित हुई। नक्सलियों ने पोलिंग पार्टी पर हमला किया। टीम सुरक्षाकर्मियों के साथ वापस लौट रही थी। इस दौरान घात लगाए नक्सलियों ने हमला किया। दूसरी ओर बलौदाबाजार में वोटिंग के लिए लाइन में लगी एक महिला की हार्ट अटैक से मौत हो गई। इसके अलावा धमतरी में भी वोटिंग के बीच नक्सली हमला हुआ। नक्सलियों ने सीआरपीएफ की टीम पर आईईडी ब्लास्ट किया। बीते दिनों नक्सलियों ने मतदान के बहिष्कार का एलान किया था। बाइक पर जा रहे जवानों को टारगेट किया गया।

धमतरी में पोलिंग बूथ पर आदिवासी मतदाता तीर-धनुष लेकर वोटिंग के लिए पहुंचे।

एआई से डीपफेक बनाना चिंताजनक: मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल 'डीप फेक' बनाने के लिए किया जाना चिंताजनक है। साथ ही उन्होंने मीडिया से इसके दुरुपयोग और प्रभाव के बारे में जागरूकता फैलाने का आग्रह किया। यहां पार्टी मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी के दिवाली मिलन कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने गरबा महोत्सव में गाते हुए अपना एक वीडियो देखा, जबकि उन्होंने स्कूल के दिनों से ऐसा नहीं किया है। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, यहां तक कि जो लोग उन्हें प्यार करते हैं, वे भी वीडियो को एक दूसरे से साझा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे जैसे विविधतापूर्ण समाज में 'डीप फेक' एक बड़ा संकट पैदा कर सकते हैं और यहां तक कि समाज में असंतोष की आग भी भड़का सकते हैं क्योंकि लोग मीडिया से जुड़ी किसी भी चीज पर उसी तरह भरोसा करते हैं जैसे आम तौर पर गेरुआ वस्त्र पहने व्यक्ति को सम्मान देते हैं।''

''कृत्रिम मेधा के माध्यम से उत्पादित 'डीप फेक' के कारण एक नया संकट उभर रहा है। समाज का एक बहुत बड़ा वर्ग है जिसके पास समानांतर सत्यापन प्रणाली नहीं है।''

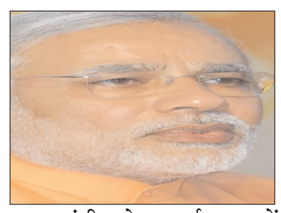

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में पत्रकारों से कहा कि जहां उन्होंने कुछ चीजों के बारे में विचार व्यक्त किए हैं वहीं उन्हें इस बारे में जागरुकता फैलाने के लिए मीडिया का सहयोग चाहिए। 'डीप फेक' तकनीक शक्तिशाली कंप्यूटर और शिक्षा का उपयोग करके वीडियो, छवियों, ऑडियो में हेरफेर करने की एक विधि है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले कुछ विवादास्पद टिप्पणियों वाली फिल्म आती थी और चली जाती थीं, लेकिन अब यह एक बड़ा मुद्दा बन गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी फिल्मों का प्रदर्शन भी इस आधार पर मुश्किल हो जाता है कि उन्होंने समाज के कुछ तबकों का अपमान किया है, भले ही उन्हें बनाने में भारी राशि खर्च की गई हो।मोदी ने सुझाव दिया कि जिस तरह सिगरेट जैसे उत्पाद स्वास्थ्य संबंधी चेतावनियों के साथ आते हैं, उसी तरह 'डीप फेक' के मामलों में भी होना चाहिए। वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के अपने संकल्प का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये केवल शब्द नहीं हैं बल्कि जमीनी हकीकत हैं।

'वोकल फॉर लोकल' अभियान को लोगों का समर्थन मिला है। साथ ही उन्होंने कहा कि गत एक सप्ताह में लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है, जिसमें दिवाली और छठ से संबंधित खरीददारी शामिल है। मोदी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत की उपलब्धियों ने लोगों में विश्वास पैदा किया कि देश अब रुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि लगभग 130 देशों ने भारत द्वारा आयोजित एक 'ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन' में भाग लिया।

प्रमुख समाचार

नूंह में पूजन के लिए जा रही महिलाओं पर पथराव

नईदिल्ली। नूंह जिले में एक बार फिर से तनाव देखने को मिला है। स्थानीय व्यापारियों ने शुक्रवार को बाजार बंद रखे, क्योंकि गुरुवार को शहर के पांडु राम चौक इलाके में एक परिवार द्वारा आयोजित धार्मिक जुलूस पर अज्ञात संदिग्धों, जो बच्चे बताए गए थे, ने कथित तौर पर पथराव किया, जिसमें तीन महिलाएं घायल हो गईं, जिसके बाद गुरुग्राम के नूंह जिले में ताजा तनाव फैल गया। पुलिस ने बताया कि महिलाओं की शिकायत पर स्नङ्घक्र दर्ज कर ली गई है...मदरसे से फुटेज आए थे जिसमें तीन लड़के खड़े दिख रहे थे। उसके आधार पर तीन लड़कों की पहचान की गई है। इन तीनों को राउंडअप कर लिया गया है और अब इन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। नूंह एसपी नरेंद्र सिंह बिजारनिया ने बताया कि आठ महिलाओं ने एफआईआर दर्ज कराई है और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। हम तीनों लड़कों से पूछताछ कर रहे हैं कि यह घटना क्यों हुई। तीनों बच्चे नाबालिग हैं। हम महिलाओं द्वारा लगाए गए सभी आरोपों की जांच करेंगे। स्थिति नियंत्रण में है और दोनों समुदायों के नेताओं को सुबह बुलाया गया था। व्यापारियों, जिनमें बड़ी संख्या में हिंदू शामिल हैं, ने घटना के विरोध में शुक्रवार को दुकानें और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान नहीं खोले और पथराव करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की मांग की।

तेलंगाना: कांग्रेस के घोषणापत्र में छात्रों के लिए मुफ्त इंटरनेट

नईदिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिये पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें राज्य के

वास्ते छह गारंटी और अनेक घोषणाएं हैं। इन छह गारंटी में चार हजार रुपये वृद्धावस्था पेंशन देना और 500 रुपये में गैस सिलेंडर मुहैया कराना शामिल है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने 42 पन्नों वाला घोषणापत्र ''अभय हस्तम' जारी करने के बाद कहा कि तेलंगाना के लोगों का मूड है कि 'चाहे जो हो जाए', कांग्रेस को सत्ता में लाना है। कांग्रेस की छह गारंटी में 30 नवंबर के चुनाव के बाद राज्य की सत्ता में पार्टी के आने पर महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह और 500 रुपये में गैस सिलेंडर के साथ ही सभी घरों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा शामिल है। कांग्रेस पार्टी ने एकीकृत भूमि प्रशासन पोर्टल 'धरणी' को खत्म करने और इसकी जगह एक नयी राजस्व प्रणाली लाने का भी वादा किया है। पार्टी ने अपने घोषणापत्र में 'रायतू भरोसा' के तहत प्रत्येक वर्ष किसानों को 15,000 रुपये की निवेश सहायता देने का वादा किया है, वहीं खेतों में काम करने वाले मजदूरों को 12,000 रुपये दिए जाएंगे।

हरियाणा में निजी क्षेत्र में 75 फीसदी आरक्षण असंवैधानिक

नईदिल्ली। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को निजी क्षेत्र में हरियाणा

अधिवासियों के लिए 75 प्रतिशत कोटा को असंवैधानिक घोषित कर दिया। न्यायमूर्ति जीएस संधवालिया और न्यायमूर्ति हरप्रीत कौर जीवन की खंडपीठ ने कहा कि हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों का रोजगार अधिनियम, 2020 संविधान के भाग 3 का उल्लंघन और उल्लंघन है। हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों का रोजगार अधिनियम, जिसे 2021 में राज्य विधानसभा द्वारा पारित किया गया था, ने हरियाणा राज्य में निजी क्षेत्र के नियोक्ताओं को राज्य में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए 75 प्रतिशत नई नौकरी के अवसर आरक्षित करने का आदेश दिया।निजी तौर पर प्रबंधित कंपनियां, सोसायटी, ट्रस्ट, सीमित देयता भागीदारी फर्म, साझेदारी फर्म और राज्य में स्थित अन्य वाणिज्यिक संस्थाएं, जिनमें 10 या अधिक व्यक्ति कार्यरत हैं, 30,000 रुपये से कम मासिक वेतन वाली नौकरी की भूमिकाओं में आरक्षण की आवश्यकता के अंतर्गत आती हैं।

केसीआर जिस स्कूल में पढ़े, कांग्रेस ने बनवाया था: राहुल

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव

से कहा कि जिस स्कूल में सीएम ने पढ़ाई की, वह पिछले 60 वर्षों में कांग्रेस द्वारा बनाया गया था। इसके अलावा, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर एक दशक तक संसाधनों को हड़पने का आरोप लगाते हुए, गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने हैदराबाद को वैश्विक आईटी केंद्र में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने चुनाव को %दोराला तेलंगाना% और %प्रजाला तेलंगाना% के बीच एक विकल्प के रूप में चुना। नरसंपेट में एक सार्वजनिक रैली में, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, केसीआर ने कांग्रेस से पूछा - %कांग्रेस ने पिछले 60 वर्षों में क्या किया है?% केसीआर, जिस स्कूल में आपने पढ़ाई की वह कांग्रेस द्वारा बनाया गया था। राहुल ने कहा कि तेलंगाना के किसानों को मुफ्त बिजली देगी कांग्रेस सरकार। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में केसीआर ने एक परिवार का राज कायम कर दिया है, लेकिन हम यहां पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों का राज चाहते हैं।

आबकारी नीति: अमित अरोड़ा को अंतरिम जमानत से इनकार

नईदिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले

में व्यवसायी अमित अरोड़ा को अंतरिम जमानत देने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। शराब कंपनी बडी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अरोड़ा ने अपनी बेटी के खराब स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत दिये जाने का अनुरोध किया था। अदालत ने एक अलग आदेश में आबकारी नीति से संबंधित मामलों में व्यवसायी अमनदीप सिंह ढल की यहां 'इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर' में चिकित्सा जांच और इलाज की अवधि बढ़ाने से भी इनकार कर दिया। इन मामलों की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जा रही है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि ब्रिंडको सेल्स के निदेशक ढल की वर्तमान चिकित्सा स्थिति स्थिर है और उन्हें अस्पताल में और भर्ती रहने की आवश्यकता नहीं है। ढल को पिछले महीने तीन सप्ताह के लिए अस्पताल में भर्ती रखने निर्देश दिया गया था। अरोड़ा की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश ने कहा कि अदालत उनके द्वारा मांगी गई राहत देने के लिए इच्छुक नहीं है।

पांच डॉलर वाला कनाडा का जनमत संग्रह पन्नू का प्लान

आशीष तिवारी

कनाडा में अभी तक कुछ दिनों के दौरान जनमत संग्रह के नाम पर सिख फॉर जस्टिस ने बहुत बड़ा खेल कर डाला। कहने को तो खालिस्तान समर्थकों और सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने लोगों को जनमत संग्रह के लिए बुलाया। लेकिन इस दौरान उनसे धन उगाही की जाने लगी। यही नहीं जनमत संग्रह के नाम पर चल रहे खेल का खुलासा तब हुआ जब लोगों ने सिख फॉर जस्टिस से अब तक हुए मतदान का प्रतिशत और भाग लेने वालों की संख्या का खुलासा करने को कहा। केंद्रीय खुफिया एजेंसी को मिली जानकारी के मुताबिक इस जनमत संग्रह में शामिल लोगों ने स्पष्ट किया कि दरअसल इसके पीछे खालिस्तान की मांग का मकसद आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के वित्तीय संसाधनों को मजबूत करने का है। हालात इस तरह हो गए हैं कि कुछ गुरुद्वारों में मत्था टेकने पहुंच रहे लोगों से खालिस्तानी समर्थकों की ओर से जोर जबरदस्ती धन उगाही की जा रही है।

केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक बीते कुछ महीनों से अलग-अलग तरीखों पर किए जाने वाले खालिस्तान जनमत संग्रह के दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि सबसे महत्वपूर्ण जानकारी यही निकल कर आई है कि सिख फॉर जस्टिस जनमत संग्रह के नाम पर सिर्फ खुद को वित्तीय रूप से मजबूत करने का धंधा शुरू कर चुका है। इसका खुलासा जनमत संग्रह में भाग लेने वाले कुछ सिख समुदाय के लोगों ने तब किया जब उन्होंने सिख फॉर जस्टिस के गुरुपतवंत सिंह पन्नू और उनके सहयोगियों को मेल कर अब तक हुए जनमत संग्रह में शामिल लोगों की संख्या का खुलासा करने को कहा। लेकिन अब तक इसमें शामिल लोगों की संख्या का खुलासा करने की जगह उनसे कुछ और ही डिमांड कर दी गई। जानकारी के मुताबिक इस तरीके की कोई भी संख्या जारी नहीं की गई। बल्कि इन लोगों से पांच-पांच डॉलर की रकम वसूल कर कुछ लोगों के पास जमा करने को कहा गया। यही नहीं जनमत संग्रह के नाम पर एक बार और नई तारीख की घोषणा भी कर दी गई।

खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सिख फॉर जस्टिस और तमाम अन्य खालिस्तान समर्थकों की ओर से जो जनमत संग्रह की बात की जा रही है, दरअसल वह पूरी तरीके से छलावा और दिखावा है। क्योंकि सिख फॉर जस्टिस और खालिस्तान समर्थक तर्क यही देते हैं कि अब तक सिर्फ ब्रिटिश कोलंबिया के सरे इलाके में ही डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों ने जनमत संग्रह में भाग लिया है। जबकि हकीकत यह है कि ब्रिटिश कोलंबिया के सरे इलाके में सिखों की कुल आबादी ही डेढ़ लाख के करीब है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि अगर सरे की कुल आबादी के बराबर की संख्या ने इस जनमत संग्रह में हिस्सा ले लिया है, तो बार-बार एक इलाके में ही जनमत संग्रह की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक दरअसल खालिस्तान समर्थकों की ओर से किए जाने वाले इस जनमत संग्रह में न तो सफलता मिल पा रही है और न ही लोग इसमें हिस्सा ले रहे हैं।इसके अलावा केंद्रीय खुफिया एजेंसी को मिली जानकारी के मुताबिक जनमत संग्रह में हिस्सा लेने वाले या रूटीन में गुरुद्वारा जाने वालों से जनमत संग्रह के नाम पर जमकर धनवाही उगाही भी आतंकी संगठनों और खालिस्तानी समर्थकों की ओर से की जा रही है। जनमत संग्रह वाले दिन पहुंचने वाले लोगों से न्यूनतम पांच डॉलर सिख फॉर जस्टिस समेत खालिस्तान समर्थन करने वाली संस्थाओं को जबरदस्ती देने के लिए दबाव डाला जाता है। इस तरह की शिकायतें कई लोगों ने कनाडा के अलग-अलग गुरुद्वारों और वहां के अन्य जिम्मेदारों से भी की हैं। खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि दरअसल इस पूरे जनमत संग्रह के नाम पर पैसा इकट्ठा कर और भारत के खिलाफ माहौल बनाने की तैयारी को अमली जामा पहनाया जाता है। इसके अलावा जो पैसा आता है, उसे भारत के खिलाफ आगे की रणनीति बनाने के लिए आतंकी संगठन उसका इस्तेमाल करते हैं।खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक खालिस्तान के नाम पर किए जाने वाले जनमत संग्रह के दौरान उन भटके हुए सिख युवाओं को इसमें शामिल किया जाता है जो उनके अपने नेटवर्क के माध्यम से भारत से कनाडा पहुंचे हैं। इनमें से बहुतों की संख्या गुरुद्वारे में काम करने वाले कारिंदों के तौर पर चिह्नित की गई है।

समाचार पचीसा
रायपुर, शनिवार 18 नवंबर 2023

चुनाव झलकियां

राजस्व मंत्री जयसिंह, महापौर राजकिशोर और कलेक्टर सौरभ कुमार ने किया मतदान

कोरबा। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, महापौर राजकिशोर प्रसाद और कलेक्टर सौरभ कुमार ने मतदान केन्द्र पर पहुंचकर वोट डाला। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने शुक्रवार को सुबह प्राथमिक शाला रामपुर पी डब्ल्यूडी रामपुर स्कूल कोरबा में आम मतदाताओ के साथ लाइन में लगकर मतदान किया।

टंकराम व त्रिवेदी ने किया मतदान

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी टंक राम वर्मा ने जहां अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं इसी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी शैलेश नितिन त्रिवेदी ने सुबह 8.30 बजे अपने गृह ग्राम पहुंदा में मतदान किया। आम जनता के बीच दोनों ही प्रत्याशियों ने कतार में लगकर वोट डाले। कांग्रेस प्रत्याशी ने मतदान करने के बाद सेल्फी भी लिया।

वोट देने लाइन में लगे भगत व ओपी

रायगढ़ । रायगढ़ के भाजपा प्रत्याशी ओपी चौधरी ने केलो विहार पहुंचकर लाइन में लगकर मतदान किया। मतदान करने के बाद उन्होंने रायगढ़ के विकास और सुशासन के लिए लोगों से ज्यादा से ज्यादा वोट करने की अपील की। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के अमरजीत भगत ने भी अपने मतदान का प्रयोग करते हुए मतदान किया।

मतदान कर्मियों ने किया प्रथम मतदाता का तिलक लगाकर स्वागत

बालोद। जिला मुख्यालय बालोद के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल आमापारा बालोद मतदान केंद्र क्रमांक 36 में पहली मतदाता के रूप में पेमेश्वरी साहू ने मतदान किया। इसी तरह मतदान केंद्र क्रमांक 38 में नवीन युवा मतदाता आर्यन यदु ने मतदान किया तथा सेल्फी पॉइंट में सेल्फी भी लिया। मतदान केंद्र में इन दोनो मतदाताओ का तिलक लगाकर स्वागत भी किया गया।

अफसरों ने किया मतदान

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण, पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह, निगम कमिश्नर कुणाल दूदावत, सीईओ अजय अग्रवाल और श्रीमती वंदना संतोष सिंह बिलासपुर में में स्थित मतदान केंद्र में पहुंचकर मतदान किया। मतदान करने के बाद सभी अफसरों ने एक साथ फोटो खींचवाया।

105 साल की पुन्नी बाई ने बूथ क्रमांक 202 में डाला वोट

जशपुरनगर। जशपुर जिले के तीन विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 8 बजे से मतदान शुरु हो गया है और पत्थलगांव विकाखण्ड के गोढ़ीकला निवासी 105 साल की बुजुर्ग महिला पुनी बाई इन्दवार ने अपनी बेटी पुष्पा इंदवार के साथ मतदान केन्द्र पत्थलगांव केन्द्र क्रमांक 202 में पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसी प्रकार जशपुर विधानसभा क्रमांक 12 में 91 वर्षीय वयोवृद्ध मतदाता गुलाबचंद जैन ने वोट डालकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कॉलेज रोड वार्ड क्रमांक 8 निवासी जैन ने स्वामी आत्मानंद विद्यालय स्थित मतदान केंद्र में अपने परिवार के साथ अपना वोट डाला। उन्होंने कहा कि मैं जब से मत देने के लिए योग्य हुआ हूं तब अपने मताधिकार का उपयोग कर रहा हू। उन्होंने कहा कि मतदान से लोकतंत्र मजबूत होता है, सभी लोगों को अपने मत का प्रयोग अवश्य चाहिए। कुछ ऐसी ही तस्वीर मतदान केन्द्र क्रमांक- 83 जशपुर से भी सामने आई है, जहां 81 वर्षीय हेलेना अपने परिजनों के सहारे मतदान करने पहुंचीं। कई मतदान केन्द्रों से ऐसी ही तस्वीरें आ रही है। दिलचस्प बात यह है कि इनमें कई बुजुर्ग ठीक से चलने की स्थिति में भी नहीं है, लेकिन लोकतंत्र के इस महापर्व में प्रबल इच्छाशक्ति के दम पर अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

101 साल की बुजुर्ग पहुंची मतदान करने नाती के साथ

महासमुंद। 101 साल की उम्र होने के बाद भी केशर कंवर जैन की न तो उनका हौसला कम हुआ और न ही उत्साह, अपने नाती व्हील चेयर में बैठकर खल्लारी स्थित मतदान केंद्र पहुंची और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि सुबह होते ही पहला सवाल उसने अपने नाती से किया कि कितने बजे जाना है मतदान करने, फिर तैयार हो कर चलें क्या मतदान केन्द्र..। पिछली बार खुद चलकर गई थीं। इस बार स्वास्थ खराब होने के कारण हुए ऑपरेशन के चलते व्हील चेयर का सहारा लेना पड़ा, पर वोट डालने का उत्साह वही। हर चुनाव में, नगरपालिका, विधानसभा हो या लोकसभा उन्होंने हमेशा मतदान किया है और जब तक जिएंगी अपने मताधिकार का प्रयोग करते रहेंगी।

तीन पीढ़ियों ने एक साथ किया मतदान

बालोद। बालोद जिले के मतदान केन्द्र विधानसभा गुंडरदेही के ग्राम कोसागोंदी में आज एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों ने एक साथ मतदान किया गया। उल्लेखनीय है कि ग्राम कोसांगोंदी में स्थित मतदान केन्द्र में श्री जयंत गुरु उम्र 77 वर्ष अपने पुत्र श्री तन्जू कुमार उम्र 48 वर्ष तथा नाती अमित कुमार उम्र 20 वर्ष के साथ मतदान करने हेतु मतदान केन्द्र पहुंचे। सर्वप्रथम नाती अमित ने मतदान करने की इच्छा जताई। उसकी इच्छा का सम्मान करते हुये परिवार के वरिष्ठ सदस्य श्री जयंत गुरु ने उसे पहले मतदान करने हेतु प्रोत्साहित किया। इसके उपरान्त पिता एवं दादा ने भी मतदान किया।

झलमला में सास बहु संग गई मतदान करने

बालोद। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत ग्राम झलमला के मतदान केन्द्र में श्रीमती रानू साहू ने अपनी नव विवाहिता बहु श्रीमती कौशल्या साहू के साथ मतदान केन्द्र 79 में उपस्थित होकर मतदान किया। श्रीमती कौशल्या साहू ने बताया कि आज अपनी सास के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंची है तथा अन्य लोगों को भी मताधिकार का उपयोग करने के लिये भी प्रेरित कर रही हैं। इस दौरान सास बहू ने सेल्फी पाइंट में सेल्फी भी ली।

आदर्श मतदान केंद्र आमापारा में नव विवाहित जोड़े ने किया मतदान

बालोद। बालोद जिले में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम की सफलता देखने को मिल रही है। जिसके अन्तर्गत आज बालोद निकाय के मतदान केन्द्र क्रमांक 38 में वार्ड क्र. 15 के श्री रज्जाक खान ने अपनी नव विवाहिता पत्नी श्रीमती प्रीति के साथ सर्वप्रथम मतदान कर मतदान केंद्र में उपस्थित होकर मतदान किया। श्री रज्जाक ने बताया कि आज उनकी धर्मपत्नी ने पहली बार मतदान कर लोगों से भी मतदान करने की अपील की। मतदान करने बाद नवविवाहितो ने सेल्फी जोन में तस्वीरें भी ली।

मुंगेली के लोरमी मतदान केंद्र पर हंगामा जेसीसीजे और भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प

मुंगेली। लोरमी में शांतिपूर्ण मतदान के बीच बीजेपी और कांग्रेस के कार्यकर्ता मतदान केंद्र पर ही बहस में उलझ पड़े। जेसीसीजे के प्रत्याशी सागर सिंह का कहना था कि मतदान केंद्र के पास बीजेपी की पर्ची लेकर बीजेपी कार्यकर्ता बैठे थे। मौके पर पहुंचे बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और लोरमी से बीजेपी प्रत्याशी अरुण साव से भी जेसीसीजे प्रत्याशी सागर सिंह उलझ पड़े। दोनों दलों के कार्यकर्ता इस बीच मतदान केंद्र के बाहर एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी कर शोर मचाने लगे। नारेबाजी के दौरान मतदान केंद्र पर थोड़ी देर के लिए अफरा तफरी मच गई।

विवाद को लेकर जोगी कांग्रेस की ओर से ये आरोप था कि, बीजेपी के लोग मतदान केंद्र के पास पंपप्लेट लेकर बैठे थे। जेसीसीजे प्रत्याशी सागर ने आरोप लगाया कि मतदाताओं को प्रभावित कर अपने पक्ष में वोटिंग कराने की बीजेपी कोशिश कर रही थी। मतदान दल ने दोनों के बीच चल रही बहस को खत्म कराने की कोशिश की लेकिन दोनों काफी देर तक एक दूसरे से उलझते रहे। बाद में वोटरों ने ही दोनों दलों के कार्यकर्ताओं को वहां से हटाया जिसके बाद हंगामा शांत हुआ। वोटरों का कहना है कि सियासी दलों को इस तरह से मतदान केंद्र के पास नारेबाजी नहीं करनी चाहिए। नारेबाजी से वोटरों को परेशानी होती है।

3 दिसंबर को आने वाले नतीजे से पहले ही सियासी

दल एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाने शुरु कर चुके हैं। मुंगेली सीट पर इस बार मुख्य रुप से बीजेपी और कांग्रेस के बीच मुकाबला न होकर त्रिकोणीय लड़ाई हो गई है। जेसीसीजे ने भी इस बार काफी आक्रामक अंदाज में प्रचार किया था। जीत किसकी होगी ये तो नतीजे बताएंगे पर जो नजारा आज लोरमी सीट पर हंगामे के दौरान दिखा वो तो बस ट्रेलर है। असली सियासी फाइट तो 3 दिसंबर को होगी जिस दिन नतीजे आएंगे।

भरतपुर सोनहत विधानसभा के शेराडांड, कांटो, रवला मतदान केंद्र में 100 प्रतिशत मतदान

कोरिया। भरतपुर सोनहत के तीन मतदान केंद्रों में शत प्रतिशत मतदान हुआ है। ये तीन मतदान केंद्र है शेराडांड, कांटो और रवला मतदान केंद्र। इन तीनों जगह बनाए गए मतदान केंद्र में हर साल 100 प्रतिशत मतदान होता है।

भरतपुर सोनहत विधानसभा में तीन मतदान केंद्र शेराडांड कांटो रवला छत्तीसगढ़ के सबसे छोटे मतदान केंद्र है। शेराडांड में 5 वोटर्स है तो कांटो में 12 और रेवला में 23 मतदाता है। शेराडांड में साल 2008 में पहली बार मतदान केंद्र बनाया गया था। उस दौरान यहां एक झोपड़ी में पोलिंग बूथ बनाया गया था। लेकिन उस दौरान भी 100 प्रतिशत मतदान हुआ। साल 2023 में देवगुड़ी यानी कुल देवता के मंदिर में मतदान केंद्र बनाया गया। शेराडांड़ में साल 2008 में एक झोपड़ी में मतदान केंद्न बनाया गया। लेकिन अब साल 2023 में आदिवासियों के कुल देवता का मंदिर यानी देवगुड़ी में मतदान केंद्र बनाया गया है।

शेराडांड में 2 महिलाएं और 3 पुरुष है। विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद ग्रामीणों ने गांव में सड़क, पुल पुलिया ना होने के लेकर नाराजगी जताई थी। ग्रामीणों का कहना था कि हर 5 साल में वे वोट करते हैं लेकिन इसका फायदा उन्हें कभी नहीं मिला। ग्रामीणों में नाराजगी भले ही हो लेकिन ग्रामीण अपने वोट का इस्तेमाल जरूर करते हैं।

इन तीनों मतदान केंद्रों में चुनाव करवाना भी आसान काम नहीं है। यहां पहुंचने के लिए मतदान दलों को मुड़की नदी पार करने के बाद 5 किलोमीटर जंगल पार करना होता है। उसके बाद मतदान दल गांव पहुंचते हैं।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नियुक्ति पाने वाला शिक्षक हुआ बर्खास्त

जगदलपुर। जिले में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर शासकीय नौकरी पाने की शिकायत पर जांच के दौरान गोंड जाति का प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने एवं फर्जी जाति प्रमाण पत्र की पुष्टि होने पर बड़े मुरमा शासकीय हाई स्कूल में पदस्थ अंग्रेजी विषय के व्याख्याता एलबी, चंद्रकांत प्रसाद को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजाक्स के प्रांत अध्यक्ष व्हीपी शोरी ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र की शिकायत उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन जांच समिति कार्यालय आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास रायपुर को 23 जनवरी 2019 को किया था। इस पर कार्यवाही किए जाने के लिए सामाजिक प्रास्थिति के अनुसार संचालक लोक शिक्षण संचनालय रायपुर को प्राधिकृत किया गया। चंद्रकांत प्रसाद पिता रामसेवक प्रसाद के द्वारा जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण जिला दुर्ग मध्य प्रदेश से 26 नवंबर 1984 को एवं कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा प्रमाणीकृत तथा जगदलपुर जिला बस्तर से 07 फरवरी 2004 को अनुसूचित जनजाति का जाति प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाना पाया गया है। विजिलेंस सेल के द्वारा प्रकरण में प्रस्तुत अन्वेषण प्रतिवेदन के अनुसार धारक की जाति गोंड अनुसूचित जनजाति होना प्रमाणित नहीं पाई गई। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी परिपत्र 31 जुलाई 2015 एवं उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति द्वारा पारित आदेश

21जुलाई 2022 के अनुक्रम में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन करते हुए चंद्रकांत प्रसाद को 7 अगस्त 2023, 21 अगस्त 2023 एवं 14 सितंबर 2023 को प्रत्यक्ष सुनवाई का अवसर प्रदान करते हुए अपने पक्ष के समर्थन में प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत करने निर्देशित किया गया था।

शोरी ने बताया कि चंद्रकांत प्रसाद ने सुनवाई की तिथियों में उपस्थित हुए, लेकिन उनके द्वारा जाति गोंड अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र की पुष्टि एवं समर्थन में साक्ष्य तथा सुसंगत दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी परिपत्र 31 जुलाई 2015 एवं उच्च स्तरीय छानबीन समिति द्वारा पारित आदेश 21 जुलाई 2022 के परिपालन में चंद्रकांत प्रसाद व्याख्याता अंग्रेजी एलबी जो शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़े मुरमा विकासखंड जगदलपुर जिला बस्तर में पदस्थ है। उनकी जाति गोंड अनुसूचित जनजाति का जाति प्रमाण पत्र फर्जी पाए जाने के कारण तत्काल प्रभाव से शासकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

बेमेतरा में दो सीटों पर कड़ा मुकाबला रविंद्र चौबे और ईश्वर साहू ने डाला वोट

बेमेतरा। दूसरे चरण के मतदान को लेकर बेमेतरा जिले में वोटिंग जारी है। बेमेतरा जिले की सबसे हाईप्रोफाइल सीट साजा है।जहां कैबिनेट मंत्री रविंद्र चौबे के सामने बीजेपी के ईश्वर साहू हैं। हाई प्रोफाइल सीट साजा में कांग्रेस प्रत्याशी रविंद्र चौबे ने अपने गृह ग्राम मौहाभाठा में

परिवार सहित मतदान किया। वहीं साजा के बीजेपी प्रत्याशी ईश्वर साहू ने अपने परिवार सहित बिरनपुर में मतदान किया। जहां दोनों ही प्रत्याशियों ने लोगों से मतदान की अपील की है। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और साजा के कांग्रेस प्रत्याशी रविंद्र चौबे ने मौहाभाठा में मतदान के बाद बातचीत के दौरान कहा कि %%मतदान लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है। नौजवान मतदाता बेहद उत्साहित हैं। जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है। किसानों का आशीर्वाद हमारे साथ है। हम भूपेश जी के नेतृत्व में 75 पार की सरकार बना रहे हैं। वहीं कैबिनेट मंत्री रविन्द्र चौबे ने लोगों से मतदान पर्व में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की है। जिले की तीनों विधानसभा के 867 मतदान केन्द्रों पर 7 लाख 64 हजार 614 मतदाता हैं। बेमेतरा जिले के 744 मतदान केन्द्रों की बात करें तो यहां 6 लाख 59 हजार 653 मतदाता हैं।

तहसीलदार की समझाईश के बाद शुरु हुआ ग्राम मुडियाडीह में मतदान

महासमुंद। ग्राम मुडियाडीह के ग्रामीणों ने रोड नहीं तो वोट नहीं का बैनर लगाकर मतदान का बहिष्कार कर दिया था। जैसे हर इसकी खबर जिला कलेक्टर को हुआ तो उन्होंने तहसीलदार महासमुंद को मुडि़याडीह भेजा। गांव पहुंचकर तहसीलदार ने ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें मतदान के राजी कर लिया और ग्रामीणों ने दोपहर पौने तीन बजे मतदान शुरू किया। उल्लेखनीय हैं कि वोटिंग मशीन के साथ मतदान दल रात में ही मुडि़याडीह पहुंच गए थे लेकिन ग्रामीणों ने रोड नहीं तो वोट नहीं का बैनर लेकर मतदान करने से मना कर दिया था।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

आज से 30 तक केशकाल घाट में आवाजाही पूरी तरह से बंद

कोंडागांव। केशकाल घाट में सड़क मरम्मत के चलते 18 से 30 नवंबर तक आवाजाही पूरी तरह से बंद रहेगी, वहीं गाडि़यों के आवागमन के लिए परिर्वतित मार्ग तय किया गया है। जिसके तहत जगदलपुर से रायपुर की तरफ जाने वाली गाडि़यां केशकाल से विश्रामपुरी होते हुए बोराई से नगरी के रास्ते धमतरी भेजा जाएगा। रायपुर से जगदलपुर की तरफ आने वाली गाडि़यां दुधावा से विश्रामपुरी के रास्ते केशकाल पहुंचेंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बस्तर को प्रदेश की राजधानी से जोडऩे वाली एक मात्र सड़क के राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर केशकाल घाट पर बीते 6 महीनों में करीब 100 से ज्यादा बार केशकाल घाट पर जाम लग चुका है। हर 6 से 8 महीने के अंतराल में सड़क की मरम्मत की जाती है, लेकिन फिर हालात जस की तस बनी रहती है। इसी बीच फिर से 13 दिनों के लिए केशकाल घाट पर आवाजाही को बंद किए जाने का फरमान एसडीएम के हस्ताक्षर से विज्ञप्ति जारी कर अवगत करवाया गया है। केशकाल घाट में सड़क के जर्जर हो जाने के कारण घंटों तक जाम की स्थिति बनी रहती है।

नक्सलियों ने मोबाइल टावर जनरेटर में लगाई आग

कांकेर। कांकेर में नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में भी उत्पात मचाया है। दूसरे चरण के चुनाव के दौरान एक बार फिर नक्सलियों ने आगजनी की घटना को अंजाम दिया है। इससे पहले विधानसभा चुनाव के पहले चरण 7 नवंबर को भी नक्सलियों ने बस्तर संभाग के अलग अलग जिलों में कई नक्सली घटनाओं को अंजाम दिया था। नक्सलियों ने छोटेबेटिया थाना क्षेत्र में अचिनपुर गांव में निजी मोबाइल कंपनी के मोबाइल टावर में आगजनी की घटना को अंजाम दिया। कांकेर एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों और घटते जनाधार से बोखलाहट में आकर नक्सलियों इस प्रकार घटना को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। मोबाइल टावर के जनरेटर में आग लगाने से क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क बंद हो गया है। मोबाइल टावर कम्युनिकेशन कंपनी मोबाइल टावर के सुधार में लगी हुई है। कांकेर में नक्सली आए दिन मोबाइल टावर को नुकसान पहुंचाने की घटना को अंजाम देते हैं।

दुर्ग के दंगल में दिग्गजों ने किया मतदान

दुर्ग। 6 विधानसभा सीटों पर वोटिंग चल रही है। मतदाता सुबह से ही लंबी लंबी कतारों में खड़े होकर वोटिंग का इतंजार रहे हैं। युवाओ में मतदान को लेकर ज्यादा उत्साह देखा जा रहा है। बुजुर्ग और दिव्यांग जन भी बड़ी संख्या में परिवार जनों से साथ वोट करने पहुंच रहे हैं। युवा वोटरों का कहना है कि वो इस बार विकास के नाम पर वोट डाल रहे हैं। सबसे पहले छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने दुर्ग के पाऊवारा मतदान केंद्र पर वोट किया। भिलाई से कांग्रेस विधायक और प्रत्याशी देवेंद्र यादव और महापौर ने परिवार सहित मतदान किया। पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडे ने भी लाइन में खड़े होकर अपना वोट कास्ट किया। दोपहर 12 बजे सीएम भूपेश बघेल की फैमिली ने पाटन में मतदान किया जबकी सरोज पांडेय ने भिलाई में अपना वोट किया। पाटन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के परिवार ने अपना वोट डाला। भिलाई में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रेम प्रकाश पांडेय और बीजेपी की वरिष्ठ नेता सरोज पांडेय ने मतदान किया। भिलाई में कांग्रेस विधायक और प्रत्याशी देवेंद्र यादव ने अपना वोट कास्ट किया।

बैकुंठपुर में दिखा वोटरों में उत्साह, जमकर हुई वोटिंग

बैकुंठपुर, कोरिया। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण का मतदान हो रहा है। सेकेंड फेज में मतदाताओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। बूथ पर हर वर्ग के मतदाता पहुंच रहे हैं। सभी अपने मताधिकार को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। सभी मतदाता विकास के लिए वोट करने की बात कह रहे हैं। बैकुंठपुर विधानसभा के रण में कूदे प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो रही है। मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। सुबह के 10 बजे तक अगर मतदान प्रतिशत की बात करें तो ये 5 ।56 प्रतिशत रहा। बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के साथ युवा वोटर भी काफी संख्या में बूथ तक पहुंच रहे हैं।सभी गर्मजोशी से लोकतंत्र के इस महापर्व का हिस्सा बन रहे हैं। जिला निर्वाचन की टीम ने सुलभ और शांतिपूर्ण मतदान के लिए चाक चौबंद व्यवस्था की है। हर आने जाने वालों पर पुलिस की पैनी निगाह है। लोगों से जिला निर्वाचन की टीम भयमुक्त माहौल में मतदान करने की अपील कर रहा है।कड़ी सुरक्षा के बीचर मतदाताओं की लंबी लंबी कतार देखने को मिल रही है।

जशपुर में फर्स्ट टाइम वोटरों में दिखा वोटिंग के लिए उत्साह

जशपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के लिए जशपुर के युवा मतदाताओं में मतदान के प्रति भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। विशेष रूप युवतियों में जबरदस्त उत्साह के साथ वोट कर रहे है। युवा अपने मतदान का उपयोग कर लोकतंत्र को मजबूत करने में भागीदार बन रहे हैं। जशपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक-12 शासकीय आत्मानंद हिंदी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय में युवा मतदाता साध्वी वियोगी ने पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान साध्वी वैरागी ने बताया कि उन्हें अपने जीवन में पहली बार मतदान करने का अवसर मिला है और वे इसे लेकर काफ़ी उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि वे सुबह 7.30 बजे ही मतदान केंद्र पहुंच गए थे। ताकि पहली बार वे अपनी पसंद के उम्मीदवार को वोट कर सकें। दूसरे चरण के मतदान के लिए 18800 से अधिक मतदान केंद्र बनाए गए हैं। आज प्रदेश की 70 सीटों पर 958 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो जाएगी।

धमतरी में वोटिंग को लेकर उत्साह, भाजपा प्रत्याशी रंजना और कांग्रेस प्रत्याशी ओंकार ने डाला वोट

धमतरी। मतदान को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। बड़ी संख्या में वोटर कतारों में खड़े होकर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। मतदान के शुरु होते ही सबसे पहले बीजेपी की प्रत्याशी रंजना साहू अपने बूथ नंबर 20 पर पहुंचीं और अपना वोट डाला। रंजना साहू के साथ उनके परिवार के लोग भी वोट डालने पहुंचे थे। इस सीट बीजेपी का सीधा मुकाबला कांग्रेस के ओंकार साहू से है। मतदाता भी इस बार मान रहे हैं कि दोनों के बीच मुकाबला काफी जोरदार होगा। कांग्रेस प्रत्याशी ओंकार साहू ने अपने गृह ग्राम आमदी में अपना मतदान किया। सिहावा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका मरकाम ने गट्टासिल्ली में अपन वोट डाला तो कुरुद में बीजेपी प्रत्याशी अजय चंद्राकर ने वोट किया। सभी नेताओं ने लोगों से मतदान की अपील भी की।

आयोग ने डॉ शोभाराम देवांगन मतदान केंद्र को धनहा धमतरी की थीम पर सजाया है, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र है। धमतरी में कुल वोटरों की संख्या 6 लाख 21 हजार 991 है। वोटरों के लिए इस बार 753

मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान को सफल बनाने के लिए 3 हजार से ज्यादा कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। मतदान केंद्र पर वोट करने पहुंच रहे वोटर्स का कहना है कि वो विकास के मुद्दे पर अपना मत दे रहे हैं। मतदान केंद्रों पर बड़ी संख्या में महिलाएं संगवारी बूथ पर पहुंचकर अपना वोट दे रही हैं। दिव्यांग और बुजुर्ग वोटरो के लिए इस बार आयोग ने खास इंतजाम बूथों पर किए हैं।

753 मतदान केंद्रों पर इस बार वोट डाले जा रहे हैं। वोटिंग को लेकर सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम हैं। आयोग की ओर से सभी मतदान दलों को ये कहा गया है कि वो मतदान खत्म होने के बाद सीथे कंट्रोल रुम पहुंचे और अपना ईवीएम जमा कराएं। चुनाव आयोग के मुताबिक वोटिंग खत्म होने के बाद जिस गाड़ी से ईवीएम को ले जाया जाएगा उसकी जीपीएस से मॉनिटिरिंग की जाएगी। चुनाव आयोग वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाताओं से भी लगातार अपील कर रहा है।

धमतरी में जहां हुआ आईईडी ब्लास्ट वहां जमकर हो रही वोटिंग

छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण का मतदान हो रहा है। इस बीच धमतरी में जहां आईईडी ब्लास्ट हुआ था, उस क्षेत्र में जमकर वोटिंग हो रही है। जिले के सिहावा विधानसभा क्षेत्र के नक्सल प्रभावित मतदान केंद्र खल्लारी में मतदान को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। सुबह से ही महिला, पुरुष, बुजुर्ग पोलिंग बूथ पहुंच मतदान कर रहे हैं। चुनाव के ठीक एक दिन पहले गुरुवार को खल्लारी थाना क्षेत्र के मांदागिरी गाताबाहरा तिराहा के पास नक्सलियों का लगाया आईईडी ब्लास्ट हो गया था। इसके बाद से ही इलाके में सर्चिंग अभियान जारी है। इसके साथ ही नक्सल प्रभावित मतदान केंद्रों में सुरक्षा के लिहाज से भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। इस क्षेत्र में जमकर वोटिंग हो रही है।क्या कहते हैं वोटर- पोलिंग बूथ पहुंचे मतदाताओं से ईटीवी भारत ने बातचीत की। बातचीत के दौरान मतदाताओं ने कहा कि, हम सब मतदान करने खल्लारी मतदान केंद्र आए हैं। यहां नक्सली घटना हुई थी। लेकिन हमको अपने मतदान का प्रयोग करना है। यहां पोलिंग बूथों पर भारी संख्या में मतदाता मतदान के लिए पहुंच रहे हैं।

धमतरी में वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम की थीम पर बना पोलिंग बूथ

छत्तीसगढ़ में 70 सीटों पर शुक्रवार को दूसरे चरण का मतदान हुआ। इस बीच हर पोलिंग बूथ को यूनिक तरीके से सजाया गया था। ताकि मतदाता आकर्षित होकर वोट करने पोलिंग बूथ पहुंच सके। यहां का श्रृंगी ऋषि नगरी पोलिंग बूथ आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। यहां पर संगवारी मतदान केंद्र के साथ-साथ सिहावा विधानसभा के सीता नदी उदंती अभ्यारण को आकर्षक रूप से सजाया गया है। इसे वन्य प्राणी की थीम पर सजाया गया है। इस बारे में वन विभाग के एसडीओ ने बताया कि, संगवारी मतदान केंद्र आदर्श मतदान केंद्र है। उसे सजाने का काम वन विभाग को मिला था। इस मतदान केंद्र को वन्य प्राणी संरक्षण की थीम पर सजाया है। हमने एक झोपड़ी बनाई है,यहां कमर जनजाति की ओर से तीरंदाजी का प्रदर्शन किया जा रहा है। इसके साथ सेल्फी जोन भी बनाया गया है। डेवलपमेंट ऑफ़ पर्यटन के विकास को भी यहां दिखाया गया है। वन्य प्राणियों के पारिस्थितिक तंत्र को ठीक-ठाक समझ सके, इसके लिए संतुलन बना सके। वह फोटोग्राफ फ्लेक्स के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इस पोलिंग बूथ में शेर और भालू के गेटअप में मतदान कर्मी भी तैनात हैं। इस वोटिंग सेंटर को ट्राइबल मतदान केन्द्र का निर्माण किया गया है, जिसमें कुल मतदाताओं की संख्या 1039 है। इसमें कमार मतदाता की संख्या 37 है। यह मतदान केन्द्र चुनई तिहार के आधार पर तैयार किया गया है। कमार जनजाति के लिए झोपड़ी नुमा सेल्फी जोन बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ में तीन बजे तक 55.31 फीसदी वोटिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पांचवें विधानसभा चुनाव के दूसरे और आखिरी चरण में प्रदेश की शेष 7 सीटों के लिए शुक्रवार को मतदान जारी है। वहीं बिंद्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के नौ संवेदनशील मतदान केंद्रों पर वोटिंग शुरू हो गई। इन मतदान केंद्रों पर दोपहर तीन बजे तक मतदान होगा। वहीं छत्तीसगढ़ में एक करोड़ 63 लाख 14 हजार 479 मतदाता अपनी सरकार चुनेंगे। कुल 18,833 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 4,25 शहरी, 14,556 ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। इनके अतिरिक्त 27 सहायक मतदान केंद्र भी बनाए गए हैं। 9,424 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग के माध्यम से नजर रखी जाएगी। मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार की 1 से अधिक कंपनियां तैनात की गई हैं। स्थानीय पुलिस के साथ छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स (सीएएफ) के कुल एक लाख से अधिक जवान मोर्चे पर तैनात रहेंगे। मतदान से पहले सुबह साढ़े पांच बजे सभी मतदान केंद्रों पर माकपोल होगा। तीन दिसंबर

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया मतदान

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के चरण-2 के लिए मतदान जारी हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कुरुदडीह गांव में मतदान केंद्र संख्या 57 से अपना वोट डाला।

सीएम बघेल बोले- भाजपा बुरी तरह से हार रही- छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, भाजपा लगातार हिंसा पर उतारू है ये संकेत है कि भाजपा बुरी तरह से हार रही है। निश्चित तौर पर हम पर राम की कृपया बनी हुई है। छत्तीसगढ़ कौशल्या माता की भूमि है और राम तो हमारे भांजा लगते हैं।

सीएम बघेल के बेटे का दावा- इस बार 75 पार- छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेष बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल ने कहा, कांग्रेस की सरकार बन रही है जैसे हमारे मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोल रहे हैं कि 75 पार होगा तो बिल्कुल 75 ही पार होगा। चैतन्य बघेल अपने पिता मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ, मां मुक्तेश्वरी बघेल, बहन स्मिता बघेल, दीप्ति बघेल, एवं पत्नी के साथ मतदान करने पाटन के प्राथमिक शाला कुरूदडीह में मतदान करने पहुंचे।

वोट डालने से पहले बोले सीएम- यहां लड़ाई एकतरफा है- छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में अपना वोट डालने से पहले छत्तीसगढ़ के सीएम और दुर्ग विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार भूपेश बघेल ने कहा, हमारे पास 75 से ज्यादा सीटें हैं। यहां लड़ाई एकतरफा है, कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पाटन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला कुरूदडीह में मतदान करने पहुंचे। सीएम बघेल के साथ उनकी पत्नी मुक्तेश्वरी बघेल, बेटी स्मिता बघेल, दीप्ति बघेल, पुत्र चैतन्य बघेल एवं बहू भी मतदान करने पहुंची हैं।

मतदान के बाद सीएम की बेटी ने कहा- कांग्रेस सरकार ने भरोसा कमाया- छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की बेटी स्मिता बघेल ने कहा, लोग काफी उत्साहित हैं और सरकार के काम से खुश हैं और इसीलिए मैं बहुत आश्वस्त हूं। आज छत्तीसगढ़ में किसान खुशहाल हैं, उन्हें धान का अच्छा दाम मिल रहा है। कांग्रेस सरकार ने भरोसा कमाया है। उन्होंने जो वादा किया है वो पूरा किया है।

आस्ट्रेलिया से मतदान करने रायपुर पहुंचा व्यवसायी

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डा किरणमयी नायक ने भी पूरे परिवार सहित उत्तर विधानसभा क्षेत्र के पोलिंग बूथ क्रमांक 136 में मतदान किया। साथ में पति एडवोकेट विनोद नायक और आस्ट्रेलिया से पहुंचे ०?यवसायी बेटे विक्रम नायक ने भी मतदान किया। खास बात यह रही की डा किरणमयी नायक के बेटे को पोलिंग बूथ क्रमांक 136 में सबसे पहले मतदान करने का अवसर प्राप्त हुआ।

मतदान का अनोखा अंदाज

रायपुर में मतदाताओं में मतदान को लेकर खासा उत्साह देखा गया। रायपुर की कई पोलिंग बूथ पर वोटर्स की लाइन लाइन देखी गई। इसी बीच रायपुर उत्तर विधानसभा में एक मतदाता अनोखे अंदाज में मतदान करने मतदान केंद्र पहुंचा। मतदाता ऊंट पर सवार होकर मतदान करने पहुंचा। उसके साथ उसकी पत्नी भी मौजूद थी। इससे पहले पिछले विधानसभा चुनाव में यह मतदाता घोड़ी पर सवार होकर पोलिंग बूथ पहुंचा था। बतादें कि यह मतदाता हर बार मतदान जागरूकता के लिये नई-नई पहल करते हैं।

मतदान के बीच विरोधियों के साथ नजर आए अरुण साव

मतदान के बीच मुंगेली जिले के लोरमी विधानसभा क्षेत्र से एक अच्छी तस्वीर सामने आई है, जिसमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद, भाजपा प्रत्याशी अरुण साव, कांग्रेस प्रत्याशी थानेश्वर साहू, जकांछ के प्रत्याशी सागर सिंह बैंस एक साथ नजर आ रहे हैं। दरअसल, तीनों मतदान केंद्र पहुंचे। इस दौरान सभी ने एक दूसरे से बातचीत किया। मतदान केंद्र में कतार में खड़े लोग भी उन लोगों तक पहुंच गए।

वोट के लाइन में खड़ी महिला वोटर की मौत

कसडोल विधानसभा क्षेत्र

से एक बुरी खबर आ रही है। यहां मतदान क्रमांक 76 मल्दा में वोट देने लाइन में खड़ी महिला की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। मृतिका का नाम सहोदरा है, जिसकी 58 वर्ष उम्र है। रिटर्निंग अधिकारी भूपेंद्र अग्रवाल ने इसकी पुष्टि की है।

जबरदस्ती वोट डलवाने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने तहसीलदार को घेरा- बिलासपुर के बिल्हा विधानसभा के बोदरी के ग्राम ददहा बूथ क्रमांक 210 में मतदाताओं ने मतदान का बहिष्कार किया। इसे लेकर अधिकारी और ग्रामीणों में विवाद शुरू हो गया। अधिकारियों ने जबरदस्ती वोट डलवाने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने तहसीलदार को घेरा।

कलेक्टर-एसपी की घरों से निकल शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील- बलौदाबाजार कलेक्टर चंदन कुमार अपने पत्नी अंकिता सुमन के साथ आज सुबह जिला मुख्यालय स्थित मतदान केंद्र क्रमांक 119 स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम पंडित चक्रपाणि शुक्ल स्कूल पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान उन्होंने समस्त जिले वासियों से लोकतंत्र के इस उत्सव में शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने एवं अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की है।

चार घंटे में कुल 38.22 प्रतिशत मतदान- छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के लिए आज शुक्रवार को दूसरे चरण के लिए वोटिंग जारी है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 70 सीटों पर हो रहे मतदान में पहले चार घंटे में 38.22 प्रतिशत मतदान हुआ। पहले दो घंटे में जहां 5.67 प्रतिशत वोट पड़े थे, वहीं अगले दो घंटे में मतदान प्रतिशत तीन दोगुने से अधिक बढ़ गया है। 11 बजे तक 20 प्रतिशत मतदान हुआ। सूरजपुर में सर्वाधिक 52.69 प्रतिशत वोट पड़े हैं तो सबसे कम 29.64 प्रतिशत मतदान बिलासपुर में हुआ है।

रायपुर के अभनपुर में सबसे ज्यादा 24 प्रतिशत मतदान- विधानसभा निर्वाचन-23 के लिए रायपुर जिले के सातों विधानसभा क्षेत्रों में शुक्रवार को सुबह 8 बजे से मतदान जारी है। सुबह 11 बजे तक 19.07 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अभनपुर में सबसे ज्यादा 24 प्रतिशत तथा सबसे कम पश्चिम 17.14 मतदान हुआ। आरंग में 21, धरसींवा में 18.63, उत्तर में 18.60, दक्षिण में 17.30 और ग्रामीण में 18.25 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। गौरतलब है कि जिले में 18 लाख 84 हजार 926 मतदाता हैं।

11 बजे तक सबसे ज्यादा गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में वोटिंग- छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के 70 सीटों पर हो रहे मतदान में 11 बजे तक 19.65 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्?तेमाल किया है। इसमें सबसे ज्?यादा गौरेला-पेंडा-मरवाही में 26.13 प्रतिशत मतदान हुआ। जबकि सक्ती में सबसे कम 13.33 प्रतिशत है।

भाजपा प्रत्याशी राजेश मूणत परिवार संग डाला वोट- रायपुर पश्चिम के भाजपा प्रत्याशी राजेश मूणत ने अपने परिवार के साथ वोट डाला। भाजपा प्रत्याशी राजेश मूणत सपरिवार मतदान करने पहुंचे। मूणत ने मायाराम सुरजन उत्कृष्ट पूर्व माध्यमिक विद्यालय मतदान केंद्र चौबे कालोनी में माता, पत्नी, पुत्र-पुत्री और बहू के साथ मताधिकार का प्रयोग किया। पूर्ण बहुमत के साथ प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने का दावा किया।

परिवार की तीन पीढ़ियों ने किया मतदान- लोकतंत्र के महापर्व में मतदाता बढ़-चढ़कर मतदान कर रहे हैं। इसी क्रम में रायपुर जिले के रायपुर उत्तर विधानसभा में एमजीएम स्कूल मतदान केंद्र पर तीन पीढ़ियां मतदान के लिए पहुंची। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के डिप्टी सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया रमाकांत मिश्रा अपनी पत्नी प्रीति मिश्रा, माताजी 77 वर्षीय दिलस्वा मिश्रा और दो बच्चों सौरभ और सचिन मिश्रा के साथ वोट देने के लिए पहुंचे हुए थे। उनके दोनों बच्चे भी एडवोकेट हैं।

पीठासीन अधिकारी ने भाजपा प्रत्याशी को मतदान केंद्र में जाने से रोका- गरियाबंद में पीठासीन अधिकारी ने भाजपा प्रत्याशी गोवर्धन मांझी को मतदान केंद्र के बाहर रोक दिया। अधिकारी ने भाजपा प्रत्याशी से वोटर कार्ड की मांग की। लेकिन वोटर कार्ड की जगह दूसरा परिचय पत्र दिखाने के बाद ही भाजपा प्रत्याशी को मतदान केंद्र के अंदर जाने दिया। मतदान केंद्र से बाहर निकलने के बाद भाजपा प्रत्याशी ने अपनी जीत का दावा किया।

मरवाही विधानसभा में ईवीएम खराब, वोटिंग रुका- बिलासपुर के मरवाही विधानसभा के सेखवा पोलिंग बूथ क्रमांक 157 के वोटिंग मशीन में खराबी आने के कारण एक घंटे से अधिक समय से मतदान रूका हुआ है। इसके कारण मतदाता परेशान हो रहे हैं। एक अन्य वोटिंग मशीन से शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है।

मतदान के बाद राज्यपाल ने सेल्फी जोन में खिंचाई फोटो

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन एवं प्रथम महिला सुप्रभा हरिचंदन ने आज सिहावा भवन सिविल लाईन्स स्थित आदर्श मतदान केंद्र पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्यपाल हरिचंदन ने प्रदेश के सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों का कर्तव्य है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करें। मतदान के बाद राज्यपाल ने सेल्फी जोन में फोटो भी खिंचाई।

मतदान के बाद कांग्रेस प्रत्याशी चरण दास महंत ने किया जीत का दावा

छत्तीसगढ़ के सक्ती से कांग्रेस प्रत्याशी डा. चरण दास महंत ने अपनी पत्नी और सांसद ज्योत्सना महंत के साथ सारागांव स्थित मतदान केंद्र में मतदान किया। इस दौरान उन्होंने बिलासपुर संभाग में कांग्रेस की जीत का दावा करते हुए कहा कि भाजपा के घोषणा पत्र का नहीं जादू चलेगा।

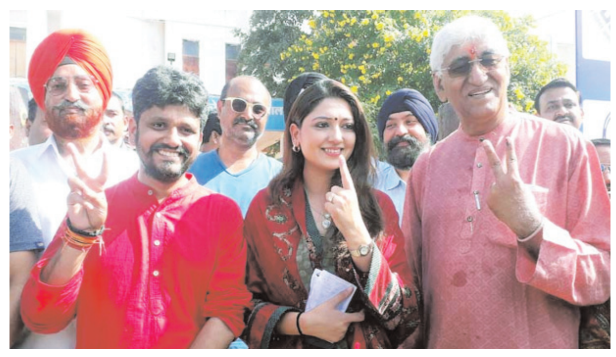

डिप्टी सीएम सिंहदेव बोले- भलाई के लिए जो काम करेगी लोग उसे करेंगे वोट

छत्तीसगढ़ के दूसरे चरण के लिए 70 सीटों पर मतदान जारी है। मतदान के बाद उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा, लोग उस पार्टी को वोट करेंगे जिससे उनको लगेगा कि वे उनकी भलाई के लिए काम करेगी। लोग ऑपरेशन लोटस के बारे में पूछ रहे हैं। ईडी का राजनीति के लिए ग़लत इस्तेमाल किया जा रहा है। ईडी ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है।

खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने पत्नी संग किया मतदान- खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने सीतापुर विधानसभा के नगर पंचायत सीतापुर के मतदान केंद्र में पत्नी कौशल्या भगत के साथ मतदान किया। इस दौरान उन्होंने सुसज्जित मतदान केंद्र में सेल्फी भी ली। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से छत्तीसगढ़ की तरक्की,खुशहाली व समृद्धि के लिए हर किसी से मतदान की अपील भी की।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी रीना बाबा साहेब ने किया मताधिकार का प्रयोग- रीना बाबा साहेब कंगाले मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ ने धरमपुरा मतदान केंद्र में परिवारजनों के साथ किया अपने मताधिकार का प्रयोग। साथ ही राज्य के समस्त मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की।

9 बजे तक बिंद्रानवागढ़ में सबसे ज्यादा वोटिंग- छत्तीसगढ़ में सुबह 9 बजे तक वोटिंग के आंकड़े आ गए हैं। सुबह 9 बजे तक 5.51 फीसदी मतदाताओं ने अपने मत का इस्तेमाल किया। अब तक सबसे ज्यादा वोटिंग बिंद्रानवागढ़ विधानसभा सीट में हुई है, यहां 11.3 फीसदी लोगों ने 9 बजे तक वोट डाल दिए। वहीं सबसे कम वोटिंग चंद्रपुर विधानसभा सीट में हुई है। सुबह 9 बजे तक चंद्रपुर विधानसभा सीट के 2 फीसदी मतदाताओं ने ही वोट डाले हैं।

मतदान के बाद बोले कांग्रेस प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू- वोट अवश्य करें- विधानसभा चुनाव 2023 के दूसरे चरण के 70 सीटों पर मतदान जारी है। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू अपने गृहग्राम के शासकीय उच्चतर माध्यामिक स्कूल ग्राम पंचायत पाऊवारा में सुबह 8 बजे बूथ क्रमांक 206 में अपना मतदान किया। ताम्रध्वज साहू ने सबसे अपील कि है मतदान अवश्य करें और अपना आशीर्वाद प्रदान करें। उन्?होंने कहा कि किसानों, मजदूरों, महिलाओं और आम जनता के लिए कांग्रेस हमेशा खड़ी रही है। कांग्रेस ने जो वादा किया था उसे निभाया। और इस बार भी जो आपसे वादा किया है कि उन्हें निश्चित ही पूरा करेंगे। इसलिए आप सभी लोग मतदान अवश्य करें और पूर्ण बहुमत से छत्तीसगढ़ में भरोसे की सरकार पुनः बनाये।

पाटन हॉट सीट पर मतदाताओं में उत्साह, वोटरों की लगी लंबी कतार- पाटन विधानसभा को सबसे हॉट सीट माना जा रहा है। यहां पर आज सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतार देखने को मिली। मतदाताओं में मतदान को लेकर काफी उत्साह भी देखने को मिल रहा है। पाटन के लगभग सभी केंद्रों पर शांतिपूर्वक मतदान शुरू हो चुका है। इसके अलावा सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पोलिंग बूथ के पास ही बीएलओ की ड्यूटी लगाई गई है, जोकि मतदाताओं का सहयोग कर रहे हैं।

अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में ईवीएम में खराबी वोटिंग रुका- दुर्ग जिले के अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 194 में ईवीएम में तकनीकी खराबी की खबर सामने आई है। ईवीएम में खराबी की वजह से करीब 20 मिनट तक मतदान प्रभावित रहा। इसके बाद मतदान दल अतिरिक्त मशीन लेकर मतदान केंद्र पहुंचा। इस दौरान मतदान केंद्र के बाहर लगी रही लंबी कतार।

बिलासपुर संभागीय ने कतार में लगकर डाला वोट- बिलासपुर संभागीय आयुक्त केडी कुंजाम ने शहर के मिशन स्कूल मतदान केंद्र में मतदान किया। संभागीय आयुक्त ने आम जनता के बीच कतार में लगकर अपनी बारी का इंतजार किया और मतदान किया। उन्होंने वोटिंग के बाद सेल्फी भी ली।

रायपुर संभागायुक्त ने लाइन में लगकर किया मतदान- रायपुर संभागायुक्त डा संजय अलंग ने आज पुरैना के मतदान केंद्र पहुंच कर सपत्नीक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। डा अलंग के साथ उनकी धर्मपत्नी सुमिता अलंग ने भी वोट डाला। अलंग दंपति ने पुरैना के प्राथमिक शाला में बने मतदान केंद्र पहुंचकर लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतज़ार किया और क्रम से वोट डाला और पीठासीन अधिकारी से मतदान प्रक्रिया की जानकारी ली। संभागायुक्त ने मतदान कर्मियों को स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन के लिए शुभकामनाएं दी और उनकी हौसला अफजाई की। डा अलंग ने शाला परिसर में बने दूसरे मतदान केंद्रों का भी अवलोकन किया और मतदाताओं से अनिवार्य रूप से वोट डालने की अपील की।

बालोद में कांग्रेस प्रत्याशी अनिला भेड़िया ने किया मतदान- बालोद जिले के तीनों विधानसभा संजारी बालोद, गुंडरदेही, डौंडीलोहारा में मतदान शुरू हो गया है। डौंडी लोहारा विधायक व महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया ने मतदान किया। बालोद जिले के कुल 6 लाख 88 हजार 281 मतदाता आज अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

ॉरायपुर में दिव्यांग मतदाता मतदान करने पहुंचे- रायपुर में एक मतदान केंद्र पर एक दिव्यांग मतदाता मतदान करने पहुंचे। मतदान शुरू होते ही रायपुर में वोटरों में भारी उत्साह है। रायपुर के सेजबहार बस्ती के स्कूल में महिला, पुरुष और युवा मतदाताओं की कतार देखी गई।

तीन पीढ़ियों ने एक साथ किया मतदान

बालोद। बालोद जिले के मतदान केन्द्र विधानसभा गुंडरदेही के ग्राम कोसागोंदी में आज एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों ने एक साथ मतदान किया गया। उल्लेखनीय है कि ग्राम कोसांगोंदी में स्थित मतदान केन्द्र में श्री जयंत गुरु उम्र 77 वर्ष अपने पुत्र श्री तन्जू कुमार उम्र 48 वर्ष तथा नाती अमित कुमार उम्र 20 वर्ष के साथ मतदान करने हेतु मतदान केन्द्र पहुंचे। सर्वप्रथम नाती अमित ने मतदान करने की इच्छा जताई। उसकी इच्छा का सम्मान करते हुये परिवार के वरिष्ठ सदस्य श्री जयंत गुरु ने उसे पहले मतदान करने हेतु प्रोत्साहित किया। इसके उपरान्त पिता एवं दादा ने भी मतदान किया।

आदर्श मतदान केंद्र आमापारा में नव विवाहित जोड़े ने किया मतदान

बालोद। बालोद जिले में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम की सफलता देखने को मिल रही है। जिसके अन्तर्गत आज बालोद निकाय के मतदान केन्द्र क्रमांक 38 में वार्ड क्र. 15 के श्री रज्जाक खान ने अपनी नव विवाहिता पत्नी श्रीमती प्रीति के साथ सर्वप्रथम मतदान कर मतदान केंद्र में उपस्थित होकर मतदान किया। श्री रज्जाक ने बताया कि आज उनकी धर्मपत्नी ने पहली बार मतदान कर लोगों से भी मतदान करने की अपील की। मतदान करने बाद नवविवाहितो ने सेल्फी जोन में तस्वीरें भी ली।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने वोटरों से की मतदान की अपील

दूसरे चरण के मतदान को लेकर कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मतदाताओं से मतदान की अपील की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा है, छत्तीसगढ़ के सभी मतदाताओं से विनम्र निवेदन है कि दूसरे चरण के चुनाव में अपना बहुमूल्य वोट का प्रयोग ज़रूर करें। आपने न्याय युक्त शासन को क़ायम रखना है, यही छत्तीसगढ़ को विकास, प्रगति और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है। हमारे युवा वोटर जो पहली बार मतदान कर रहें हैं उनका विशेष स्वागत व अभिनंदन। लोकतंत्र को मज़बूत बनाइये, भरोसा बरक़रार रखिये। क्योंकि बात हे अभिमान के छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान के!

जनता ने परिवर्तन का मन बनाया: साव

छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष और लोरमी विधानसभा सीट से बीजेपी के प्रत्याशी अरुण साव ने मतदान के बाद कहा, लोकतंत्र में मतदान का अधिकार सबसे बड़ा अधिकार है। मैंने सहपरिवार मतदान किया है। मैं छत्तीसगढ़ की जनता से भी अनुरोध करता हूं कि सपरिवार मतदान केंद्र आकर वोट डालें। छत्तीसगढ़ की जनता ने परिवर्तन का मन बनाया है और परिवर्तन के लिए छत्तीसगढ़ की जनता मतदान करने वाली है।

भाजपा प्रत्याशी अरुण साव ने डाला वोट- छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने वोट डाला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव छत्तीसगढ़ लोरमी विधानसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी हैं। इस सीट पर अरुण साव के सामने कांग्रेस प्रत्याशी थानेश्वर साहू मैदान में हैं।

स्कूली बच्चों को मिला विशेष पहचान पत्र कार्ड

राजधानी रायपुर में स्कूल छात्राओं की मतदान कार्य में ड्यूटी लगाई गई है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से छात्राओं का पहचान पत्र कार्ड जारी किया गया है। इन विद्यार्थियों को कहना है कि वह चुनाव में बुजुर्गों की मदद कर रहे हैं।

क्या तेलंगाना भी जा रहा है मोदी की झोली में?

अजय सेतिया

2014 का लोकसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा का रंग रूप बदल गया है। लोकसभा चुनावों में तो वह कई राज्यों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ़ करने वाली पार्टी बन गई है। राष्ट्रीय पार्टी के रूप में उसका राष्ट्रव्यापी विस्तार हुआ है। लेकिन क्षेत्रीय दलों के मुकाबले वह उत्तर प्रदेश के अलावा किसी भी राज्य में कामयाब नहीं हुई। 2014 के बाद उड़ीसा, बंगाल, आंध्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, झारखंड में दो-दो बार चुनाव हो चुके। लेकिन किसी भी राज्य में भाजपा की दाल नहीं गली। कर्नाटक में कांग्रेस लौट आई और केरल में हिन्दू अभी भी सीपीएम के साथ बने हुए हैं। इस बार तेलंगाना में चांस बन रहा था, तो भाजपा ने पिछड़ी जाति के बंडी संजय को अध्यक्ष पद से हटा कर खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली। तेलंगाना में लोग कह रहे हैं कि मोदी ने के. चन्द्रशेखर राव से सौदा कर लिया। वह लोकसभा चुनावों के बाद रिस्क लेने को तैयार नहीं थे। भाजपा के कड़ी टक्कर देने बाद भी मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव की पार्टी बीआरएस हावी थी। चुनाव में भाजपा दूसरी ताकत के रूप में उभर आती, तो भाजपा की राष्ट्रीय स्तर की भविष्य की राजनीति खराब होती। लोकसभा चुनावों के बाद केसीआर को राज्य में तीसरे नंबर पर पहुंची कांग्रेस के साथ जाने में कोई प्राब्लम नहीं होती। इसलिए मोदी ने कांग्रेस के दूसरे नंबर पर आने का रास्ता खोला। ताकि लोकसभा चुनावों के बाद केसीआर की बीआरएस या तो एनडीए का हिस्सा बने या आड़े वक्त पर समर्थन दे। जैसे 2014 से बीजेडी और वाईआरएस कांग्रेस दे रही हैं। मोदी की इस रणनीति के कारण तेलंगाना की राजनीति का रंग रूप ही बदल गया है। जो लोग यह सोच कर भाजपा में आए थे कि भाजपा बीआरएस का विकल्प बनेगी, वे भाजपा छोड़ कर कांग्रेस में जा रहे हैं। ताज़ा उदाहरण विजया शान्ति का है। वह मशहूर फिल्म अभिनेत्री के साथ साथ 2009 से 14 तक बीआरएस (तब टीआरएस) की लोकसभा सदस्य भी रही हैं। उससे पहले 1998 से 2005 तक वह भाजपा में थी, तेलंगाना राष्ट्र समिति और कांग्रेस से होते हुए 2020 में वह भाजपा में लौटी थी। स्वाभाविक है कि एक बार सांसद रह चुकी विजय शान्ति की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं और भाजपा से अपेक्षाएं थीं। भाजपा तेलंगाना में जब खुद ही रेस से बाहर हो गई, तो विजया शान्ति ने भी अपना अलग रास्ता चुन लिया। कांग्रेस ज्वाइन करने के लिए उन्होंने भाजपा छोड़ दी। कांग्रेस ने उन्हें न्योता दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। वैसे उन्होंने खुद भी अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारी है। क्योंकि कांग्रेस भले ही बीआरएस को कड़ी टक्कर दे रही है, लेकिन बीआरएस का सत्ता में लौटना तय माना जा रहा है। संभवत राज्य में कांग्रेस की बढती ताकत के कारण विजया शान्ति का इरादा कांग्रेस की टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने का हो। विजया शान्ति के अलावा हाल ही में पूर्व सांसद विवेक वेंकटस्वामी और पूर्व विधायक के. राजगोपाल रेड्डी ने भी हाल ही में भाजपा छोड़ी है। ये दोनों भी दुबारा कांग्रेस में चले गए हैं। छह महीने पहले तक भाजपा केसीआर को टक्कर देती दिखाई दे रही थी। अब कांग्रेस टक्कर में है, और भाजपा तीसरे नंबर पर चली गई है। कांग्रेस दूसरे नंबर की पार्टी बन कर भी बहुत कुछ हासिल कर लेगी। लोकसभा चुनावों में उसकी संभावनाएं बढ़ जाएँगी। पिछले लोकसभा चुनावों में तेलंगाना से बीआरएस 9, गठबंधन में उसका सहयोगी ओवैसी-1, भाजपा 4 और कांग्रेस तीन सीटें जीती थी। अब केसीआर की राजनीति साफ़ है। जो लोग यह मानते हैं कि मोदी ने के. चन्द्रशेखर राव से सौदा कर लिया, वे यह भी दावा करते हैं कि 2024 के चुनावों में भाजपा और बीआरएस का चुनावी गठबंधन न भी हुआ, तो भी चुनावों के बाद वह मोदी सरकार से दूरी बनाकर नहीं रखेंगे। हालांकि यह एक टेढा सवाल है कि असदुद्दीन ओवेसी की आल इंडिया मजलिस ए मुसलमीन के साथ गठबंधन के बाद वह मोदी सरकार को समर्थन कैसे देगी।

पायलट समर्थक और गहलोत

निरंजन परिहार

राजनीति बहुत अजब खेल है। कुछ भी तय नहीं कहा जा सकता। अगर, तय होता, तो कल तक जो सचिन पायलट नाकारा और निकम्मा था, जिसे गद्दार की शब्दावली से नवाजा गया हो और जिसे अपनी ही पार्टी की सरकार गिराने के असफल प्रयास करने के लिए सार्वजनिक रूप से अपमानित करके कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया हो, उसी नेता को पार्टी अब अपने पोस्टर बॉय के रूप में आगे करने के लिए मजबूर है।

राजस्थान की राजनीति में इसीलिए यह कहा जा रहा है कि सचिन पायलट कांग्रेस की मजबूरी साबित हो रहे हैं और अब आखिरी दांव के रूप में उन्हें फिर से महत्व दिया जाने लगा है। क्योंकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की नई राजनीतिक पहचान बन चुके गुलाबी प्रचार अभियान के पोस्टर्स में गहलोत के साथ पायलट भी कांग्रेस के बड़े चेहरे के रूप में चमकने लग गए हैं। कायदे से तो गहलोत की बराबरी में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पोस्टर्स में चमकने चाहिए थे, लेकिन उनको दरकिनार करके पार्टी पोस्टर्स पर पायलट का चेहरा खिलने लगा है और गहलोत के गुलाबी प्रचार अभियान की महक भी बढ़ने लगी है। हालांकि, राजनीतिक हलकों में इसे अपनी खोती जमीन को सहेजने का एक नया कांग्रेसी दांव माना जा रहा है, लेकिन राजस्थान विधानसभा चुनाव में प्रचार के आखिरी दौर में पायलट का पिक्चर में आना सबकी जुबान पर है।

राजस्थान कांग्रेस के प्रचार अभियान के पोस्टर्स में पायलट को जगह मिलना, विधानसभा के चुनाव में पायलट की अधिकारिक एंट्री के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक हलकों में पायलट के चेहरे को पोस्टर में दिखाना कांग्रेस का एक भावनात्मक और रणनीतिक दांव कहा जा रहा है। लेकिन यह रणनीति कितनी कामयाब होगी, कोई नहीं जानता। क्योंकि न तो पोस्टर में अपनी एंट्री पर पायलट ने कोई सार्वजनिक खुशी व्यक्त की है और न ही उनके समर्थकों ने इस पर अपनी नाराजगी कम करते हुए कांग्रेस को समर्थन दिया है।

पोस्टर्स में पायलट के छा जाने के बावजूद उनके युवा समर्थकों में कांग्रेस के प्रति नाराजगी जस की तस है और वे अभी भी कांग्रेस को मजा चखाने के मूड से पलटे नहीं हैं। परिणाम कुछ भी हो, मगर राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की गारंटी योजनाओं के पोस्टर्स में अशोक गहलोत और सचिन पायलट की तस्वीर ने राजस्थान का राजनीतिक पारा बढ़ा दिया है। माना जा रहा है कि इस बार के चुनाव के बारे में आए तीन ओपिनियन पोल में कांग्रेस को कमजोर होता और बीजेपी को भारी पड़ता देख कांग्रेस ने अपना यह आखिरी दांव चल दिया है।

कांग्रेस की अंदरूनी रिपोर्ट में भी यह हकीकत सामने आई है कि कांग्रेस में पायलट की अवहेलना से पूर्वी राजस्थान की गुर्जर बाहुल्य सीटों पर पार्टी को नुकसान हो रहा है, जहां 2018 में पूर्वी राजस्थान में कांग्रेस को कुल 49 सीटें हासिल हुई थीं। इंडियाटीवी - सीएनएक्स व प्राइम टाइम इंडिया सहित एबीपी - सी वोटर के तीनों ओपिनियन पोल में कांग्रेस पिछड़ती दिख रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को कुल हासिल 100 सीटों का लगभग आधा हिस्सा पूर्वी राजस्थान ने पूरा किया था। मगर, अब यहां कांग्रेस की हालत खराब है। तीनों ओपिनियन पोल व कांग्रेस की इंटरनल रिपोर्ट भी यही कह रही है।

संभवतया इसीलिए, पायलट को आखरी हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए पोस्टर बॉय बनाया गया है। पायलट पिछली बार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में चुनाव अभियान के संचालक थे, मगर इस चुनाव में एक हथियार है जिसके बल पर कांग्रेस इस सियासी लड़ाई में जीत दर्ज करने की मंशा पाल रही है। कांग्रेस का यह राजनीतिक पैतरा पार्टी में वास्तव में किसके दिमाग की उपज है, यह बहुत कम लोग जानते हैं, मगर इसमें मुख्यमंत्री गहलोत की रणनीतिक और राजनीतिक सोच साफ दिख रही है। वैसे भी राजस्थान कांग्रेस में गहलोत की इच्छा के विरुद्ध कुछ भी होना लगभग असंभव सा है। इसलिए माना जा रहा है कि पायलट को नाकारा, निकम्मा और गद्दार की पदवी से नवाजने के बावजूद गहलोत को भारी मन से यह फैसला लेना पड़ा।

राजस्थान की राजनीति के जानकार इसे गहलोत की राजनीतिक चतुराई का मजबूत दांव मान रहे हैं, मगर पायलट इसे चुपचाप स्वीकार कर चुके लगते हैं। वैसे भी, राजस्थान की राजनीति में मानेसर के कलंकित पात्र के रूप में कुख्यात पायलट के राजनीतिक जीवन में यश और अपयश दोनों का मिला जुला हिस्सा रहा है, मगर लोग यह मानते हैं कि राजनीति की गहरी समझ न होने की वजह से ही पायलट को अपरिपक्व निर्णयों और बदनामी का शिकार होना पड़ा है।

गुर्जर समाज के नेता के रूप में उनके उभार को पूरे राजस्थान के लोकतांत्रिक नेतृत्व के रूप में प्रतिबिंबित करने की कोशिशें भी बहुत हुईं। हालांकि पायलट जातिवादी राजनीति के तमगे से बचते रहे, मगर आज गुर्जर समाज का समर्थन पायलट के लिए सबसे बड़ी ताकत भी साबित हो रहा है। गुर्जर बहुल पूर्वी राजस्थान में पायलट समर्थकों की नाराजगी कांग्रेस पर भारी पड़ रही है और कांग्रेस इसी समर्थन के खटाई में पड़ने की वजह से पूर्वी राजस्थान में अपनी जमीन खोती नजर आ रही है। गुर्जर मतदाताओं के समर्थन को पुन: पाने की ललक में पायलट को पोस्टर बॉय बनाने के लिए कांग्रेस मजबूर है। दिवंगत नेता राजेश पायलट के पुत्र होने के कारण सचिन को अपने पिता की राजनीतिक विरासत स्वाभाविक रूप से मिल गई। गुर्जर जाति के युवा उन्हें राजस्थान का मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं। कभी अशोक गहलोत की समर्थक रही प्रियंका गांधी के वे प्रिय बन चुके हैं और राहुल गांधी भी उनको पसंद करते हैं। अशोक गहलोत खुद कहते हैं कि पायलट ने देश भर के मीडिया को मोहित कर रखा है और हिंदी व अंग्रेजी दोनों में बहुत लुभावना भाषण भी दे देते हैं। ऐसे पायलट को कांग्रेस में फिर से पोस्टर बॉय के रूप में देखकर समर्थकों के चेहरे पर उम्मीद तो जगी है, लेकिन उनको पूरा भरोसा भी नहीं है।

गुर्जर मतदाता मानते हैं कि 2018 में कांग्रेस ने उनके समाज के नेता सचिन पायलट को मुख्यमंत्री न बनाकर माफ न करने योग्य राजनीतिक अपराध किया था। राजस्थान में यह चर्चा आम है कि इस बार गहलोत को सत्ता में वापसी से रोकने के लिए सचिन पायलट हर संभव प्रयास कर रहे हैं। वे केवल अपने समर्थक उम्मीदवारों के लिए ही प्रचार कर रहे हैं और अन्य सीटों पर उनके करीबी लोग कांग्रेस के उम्मीदवारों को हराने में जुटे हुए हैं।

इसलिए राजस्थान चुनाव में जो भी समय बचा है उसकी रील खत्म होने से पहले कांग्रेस की रणनीति सचिन पायलट की भूमिका दमदार दिखाने और उनके समर्थकों की नाराजगी दूर करने की है। लेकिन सचिन पायलट अपनी पार्टी की सरकार गिराकर मुख्यमंत्री बनने की कोशिशों में बार बार नाकाम होने और हाशिए पर धकेल दिए जाने के बाद अब अपने नाराज समर्थकों को कांग्रेस पार्टी की सरकार फिर से बनाने के लिए प्रेरित कर पाते हैं या नहीं, यह जानने के लिए चुनाव नतीजों का इंतजार करना पड़ेगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

यागकुण्डल्युपनिषद् (भाग-2)

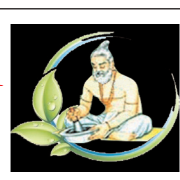

गतांक से आगे...

सरस्वती चालन करते समय सूर्य नाड़ी (दाहिने स्वर) के द्वारा रेचक करते हुए कण्ठ संकोचन करने से (अधोगत) वायु वक्षस्थल से ऊपर की ओर गमन कर जाता है इसलिए नियमित रूप से शब्दगर्भा (शब्दमयी) सरस्वती संचालन करना चाहिए अर्थात् उक्त %सरस्वती चालन क्रिया करनी चाहिए। इसका संचालन करने वाला योगी सभी प्रकार के रोगों से मुक्त हो जाता है इस शक्तिचालन क्रिया से जलोदर, गुल्म, प्लीहा एवं पेट के समस्त रोग निश्चित ही समाप्त हो जाते हैं । प्राणरोधमथेदानीं प्रवक्ष्यामि समासत: । प्राणश्च देहगो वायुरायाम: कुम्भक: स्मृत: यह कुम्भक दो प्रकार का बताया गया है- 1. सहित तथा 2. केवल सहित कुम्भक का अभ्यास तब तक करते रहना चाहिए, जब तक केवल कुम्भक की सिद्धि न हो जाये। जहाँ पर कंकड़-पत्थर आदि न हो, आस-पास घास, अग्नि, जल और शीत आदि न हो, पवित्र एवं एकान्त स्थान हो, वहाँ पर न अति नीचा, न अति ऊँचा, सुख देने वाला आसन बिछाकर बद्ध पद्मासन लगाकर सरस्वती चालन क्रिया करनी चाहिए श्वास द्वारा धीरे-धीरे दाहिनी नासिका से बाहरी वायु को खींचकर पर्याप्त मात्रा में उदर में भरे, तत्पश्चात बायीं नासिका इड़ा से रेचन करना चाहिए कपालशोधन क्रिया में भी धीरे-धीरे वायु का रेचन करना चाहिए। इस प्रकार करने से चारों तरह के वातदोष तथा कृमिदोष नष्ट हो जाते हैं। इस क्रिया का निरन्तर अभ्यास करना चाहिए, सूर्यभेदन इसी क्रिया का नाम है। (उज्जायी प्राणायाम का का वर्णन) मुँह बंद रखते हुए दोनों नासा छिद्रों से वायु को धीरे-धीरे इस प्रकार खींचना चाहिए कि प्रवेश के साथ श्वास से ध्वनि होती रहे। इस प्रकार हृदय एवं कण्ठ तक वायु को भरे। पुन: पहले की तरह कुम्भक करके बायें नासा छिद्र से रेचन करना चाहिए, इसके करने से सिर की गर्मी, गले का कफ दूर हो जाता है, जठराग्नि बढ़ती है, नाड़ी जलोदर तथा धातुरोग भी समाप्त हो जाते हैं। उज्जायी नामक इस कुम्भक को स्थिर रहते अथवा चलते-फिरते कभी भी करते रहना चाहिए शीतली प्राणायाम में जिह्वा के द्वारा वायु को खींचकर पहले की तरह कुम्भक करके नासिका से वायु को धीरे-धीरे निकाले। इसके करने से प्लीहा, गुल्म, पित्त, ज्वर, तृषा आदि रोगों का शमन होता है। भस्त्रिका प्राणायाम के लिए पद्मासन में बैठकर शरीर को गर्दन सहित सीधा करके सर्वप्रथम मुख को बन्द करके नासिका के द्वारा वायु को बाहर निकाले पुन: इस तरह तीव्रता के साथ वायु को खींचे कि वायु का स्पर्श कण्ठ, तालु, सिर एवं हृदय को मालूम पड़े। **क्रमश:**

राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस

दिलीप कुमार शुक्ला

भारत में हर साल 18 नवंबर को राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाया जाता है। औषधि रहित चिकित्सा पद्धति के माध्यम से सकारात्मक मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, जिसे प्राकृतिक चिकित्सा कहा जाता है। आयुष मंत्रालय (आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी), भारत सरकार द्वारा 18 नवंबर, 2018 को यह दिवस घोषित किया गया था।

18 नवंबर, 1945 को महात्मा गांधी ने नेचर क्योर विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्य से ऑल इंडिया नेचर क्योर फाउंडेशन ट्रस्ट की स्थापना संस्थापक और ट्रस्टी के रूप में की। दिनेश मेहता ने ट्रस्ट को अपनी प्रकृति उपचार क्लिनिक की सभी परिसंपत्तियों का निपटान किया, जिसे बाद में आयुष मंत्रालय के तहत वर्तमान राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान की स्थापना करने के लिए भारत सरकार को सौंप दिया गया, परिसर का नाम बदलकर बापू भवन रखा गया। भारत सरकार ने महात्मा गांधी की विरासत और प्रकृति चिकित्सा की वकालत के बारे में उनकी विरासत को स्वीकार करते हुए, 18 नवंबर को राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है।

प्रकृति सर्वशक्तिमान है। मानव शरीर प्रकृति के पंचतत्वों से निर्मित है। मिट्टी, पानी, धूप, हवा और आकाश जैसे तत्वों से शरीर की सफाई व मरम्मत करना

उचित है। प्राकृतिक चिकित्सा स्वस्थ जीवन बिताने की एक कला एवं विज्ञान है। यह ठोस सिद्वान्तों पर आधारित बिना दुष्प्रभाव के रोग निवारण पद्वति है। स्वास्थ्य, रोग तथा चिकित्सा सिद्वान्तों के संबंध में प्राकृतिक चिकित्सा के विचार अत्यंत मौलिक है।

गंगा धाम प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय के वैध देवेन्द्र कुमार गुप्त ने बताया कि वेदों, प्राचीन ग्रंथों में वर्णन है कि विजातीय पदार्थों के जमा होने से ही रोग की उत्पत्ति होती है, जिनकी प्राकृतिक जीवनी शक्ति कमजोर पड़ जाती है, उन्हें प्रकृति व अन्य तरीकों से शरीर के बाहर करती है, जिसे मौसमी रोग कहते हैं। इन्ही मौसमी रोग में गंदगी (विजातीय पदार्थ) को दबा देने पर असाध्य रोग होते हैं।

ये विजातीय पदार्थ अप्राकृतिक खान-पान, रहन-सहन, तनाव, सोने-जागने, कार्य करने व यौन संबंधी आचरण में विषमता करने से जमा होते रहते हैं। प्राकृतिक चिकित्सा व्यक्ति को उसके शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक तलों पर प्रकृति के रचनात्मक सिद्धांतो के अनुकूल निर्मित करने की एक पद्धति है। इसमें स्वास्थ्य संवर्धन, रोगों से बचाव, रोग निवारण और पुन स्थापना कराने की अपूर्व क्षमता है। रोग का मुख्य कारण जीवाणु नहीं है।

जीवाणु शरीर में जीवनी शक्ति के कमजोर होने पर विजातीय पदार्थों के जमाव होने पर ही आक्रमण कर पाते हैं, जब शरीर में उनके रहने और पनपने लायक अनुकूल वातावरण तैयार हो जाता है। अत: मूल कारण विजातीय पदार्थ है, जीवाणु नहीं। जीवाणु द्वितीय कारण है। प्रकृति स्वयं सबसे बड़ा चिकित्सक है। शरीर में स्वंय को रोगों से बचाने व अस्वस्थ हो जाने पर पुन: स्वास्थ्य प्राप्त करने की क्षमता विधमान है। इसमें केवल रोग की नहीं बल्कि रोगी के पूरे शरीर की होती है। मनुष्य के शरीर में स्वंय को रोग मुक्त करने को अपूर्व शक्ति है।

प्राकृतिक चिकित्सा में विभिन्न विधियां आहार चिकित्सा, उपवास चिकित्सा, मिट्टी चिकित्सा, जल चिकित्सा, मालिश चिकित्सा, सूर्य किरण चिकित्सा, वायु चिकित्सा, क्षेत्रीय वनौषधियां का बिना दुष्प्रभाव प्रयोग होता है, जिसमें मुख्य उपचार मिट्टी की पट्टी, मिट्टी का स्नान, सूर्य स्नान, गर्म और ठंडा सेक, कटी स्नान, मेहन स्नान, पैर-हाथ का गर्म सेंक, वाष्प स्नान, पूर्ण टब स्नान, रीढ़ स्नान सर्वांग गीली चादर लपेट, छाती की पट्टी, व घुटने की पट्टी, एनिमा, जलनेती, वमन, माथे की पट्टी, पेट की पट्टी रोगानुसार मालिश की क्रियाएं की जाती है। यह सरल सहज, उपचार की प्रक्रिया है, जिसे हमें जीवन में अपनानी चाहिए।

हमास-इजरायल जंग में धराशायी हो गयी मुस्लिम उम्मा

संजय तिवारी

7 अक्टूबर को हमास के मुजाहिदों ने जिस तरह से संगठित होकर इजरायल पर हमला किया था उसके सामने मानों इजरायल धराशायी हो गया। देखते ही देखते हमास के लड़ाकों ने लगभग 1200 निर्दोष नागरिकों को बेरहमी से कत्ल कर दिया और लगभग 240 लोगों को बंधक बना लिया जिसमें अधिकांश यहूदी थे। इस हमले को समझने और संभलने में इजरायल को दो से तीन दिन लग गये। लेकिन जब इजरायल ने हमास के ठिकानों पर पलटवार किया तो आज लगभग 40 दिन बाद केवल हमास ही नहीं बल्कि पूरी मुस्लिम उम्मा धराशायी होती नजर आ रही है।

सोमवार 13 नवंबर को सऊदी अरब की पोर्ट सिटी जेद्दा में 57 इस्लामिक देशों के प्रतिनिधि इजरायल के हमले के खिलाफ एकजुट हुए। लेकिन वो गाजा में हमास पर %इजरायल के हमले की निंदा% करने और %तत्काल युद्ध बंद% करने से अधिक इजरायल के खिलाफ किसी निर्णय पर नहीं पहुंच सके। अल्जीरिया और लेबनान जैसे देशों ने सुझाव दिया कि मुस्लिम देशों से इजरायल को जानेवाले तेल की सप्लाई रोक दी जानी चाहिए। लेकिन इस प्रस्ताव के खिलाफ यूएई और बहरीन ही खड़े हो गये और इजरायल को तेल की सप्लाई रोकने का प्रस्ताव पास नहीं हो सका। बाकी जो कुछ हुआ वह सब खानापूर्ति भर था।

मुस्लिम उम्मा की इस मीटिंग में सऊदी अरब क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और तुर्की के राष्ट्रपति तैयब एर्दोगान एक साथ मौजूद थे। सीरिया के राष्ट्रपति बसर अल असद भी इस बैठक में आये जिन्होंने लंबे समय तक

मुस्लिम उम्मा का बहिष्कार झेला था और इसी साल इस्लामिक देशों के संगठन में शामिल हुए हैं। इसके बावजूद इजरायल के खिलाफ मुस्लिम उम्मा तेल सप्लाई रोकने जैसे सामान्य प्रतिबंध पर भी एकमत नहीं हो सका।

असल में 7 अक्टूबर को हमास का इजरायल पर हमला न तो अचानक था और न ही अनायास। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जिस स्तर पर इजरायल के खिलाफ हमास के चरमपंथियों ने हमला किया उसके लिए व्यापक तैयारियों की जरूरत थी। जिस तरह से गाजा से इजरायल की ओर पांच हजार से अधिक रॉकेट दागे गये, उन्हें तैयार करना और गाजा तक पहुंचाना अकेले हमास के बूते की बात नहीं थी। निश्चित रूप से इसके पीछे किसी अन्य इस्लामिक देश या फिर अनेक देशों की मदद शामिल थी जो इजरायल को सबक सिखाना चाहते थे।

इजरायल को सबक सिखाने की नीयत रखनेवालों में सबसे पहला नाम ईरान का है। ईरान और कतर पर सीधे तौर पर हमास के मददगार होने का आरोप है जबकि गाजा पर इजरायल के हमले के बाद सऊदी अरब ने भी इजरायल से संभावित संबंध बनने से पहले ही कदम रोक लिए हैं। वह हमास या हिजबुल्ला का मददगार तो नहीं रहा है लेकिन बदली परिस्थितियों में वह इजरायल से राजनयिक संबंध भी स्थापित नहीं कर सकता। यूएई गाजा पर इजरायल के हमले की निंदा तो कर रहा है लेकिन इजरायल से अपने राजनयिक संबंध भी बरकरार रखने की बात कर रहा है। दरअसल यूएई और बहरीन ही हैं जिन्होंने इस बैठक में खुलकर अपने आर्थिक हितों और उसमें इजरायल की भूमिका का बचाव किया। इसलिए इजरायल को सप्लाई किये जाने वाले तेल पर प्रतिबंध पर भी मुस्लिम उम्मा के बीच बात नहीं बन सकी क्योंकि यह कुछ अरब देशों के आर्थिक हितों के खिलाफ जाता है।

एक ओर मुस्लिम उम्मा हमास पर इजरायल के हमले को लेकर अभी यह तय नहीं कर पा रही है कि उसे क्या भूमिका निभानी है तो दूसरी ओर गाजा में सबसे कठिन सैन्य अभियान को संचालित करते हुए इजरायल की सेना उस इमारत तक पहुंच गयी जिसे हमास पार्लियामेन्ट कहता था। इजरायली सैनिकों द्वारा अल सिफा अस्पताल की घेरेबंदी के बीच आईडीएफ के प्रवक्ता रियल एडमिरल डैनियर हागरी ने दावा किया है कि हमास अस्पतालों को अपनी शरणस्थली के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। इसको साबित करने के लिए रनतीसी अस्पताल का एक वीडियो भी जारी किया जिसमें अस्पताल के बेसमेन्ट में हथियार छिपाकर रखे गये थे। इसके अलावा हागरी ने यह भी दावा किया कि हमास ने इजरायल से अगवा किये गये लोगों को इस अस्पताल के बेसमेन्ट में ही छिपाकर रखा था। इससे जुड़े कुछ सबूत भी उन्होंने वीडियो के माध्यम से दिखाये।

जहां तक गाजा के अल सिफा अस्पताल की घेरेबंदी का सवाल है तो अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन भी कह चुके हैं कि अस्पताल की रक्षा होनी चाहिए। वहां बड़ी संख्या में नवजात बच्चे हैं जिन्हें चिकित्सा और देखभाल की जरूरत है। इजरायल ने अपनी ओर से जेनरेटर और अन्य चिकित्सा उपकरण देने की पेशकश भी की है लेकिन अस्पताल प्रशासन ने इसे स्वीकार नहीं किया। आखिरकार आईडीएफ के सैनिक बुधवार को अल सिफा अस्पताल के अंदर दाखिल हो गये। वहां उन्होंने 18 घण्टे सर्च ऑपरेशन भी किया जिसमें उन्होंने हमास द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले सैन्य साजो सामान और खुफिया यंत्र बरामद करने का दावा किया है।

हां, इस बीच हमास की ओर से पांच दिन के युद्ध विराम की मांग जरूर की गयी है जिसके लिए वह इजरायल के कुछ बंधकों को छोड़ने के लिए भी तैयार है। असल में हमास भी शतरंज के मोहरों की तरह चालें चल रहा है। एक ओर तो वह इजरायल पर एकतरफा हमला करके भी विक्टिम कार्ड खेल रहा है दूसरी ओर इजरायली सेना को अपनी सुरंगों में घुसने की चुनौती भी दे रहा है। हमास के पास गाजा में सुरंगों की एक जटिल संरचना है जिसके बारे में कहा जाता है कि ये सुरंगे सिर्फ गाजा में ही नहीं फैली हैं बल्कि मिस्र तक जाती हैं। इन्हीं सुरंगों को हमास के लड़ाके इजरायल के खिलाफ इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में इजरायली सेनाएं किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। वो हमास की इस सुरंग वाली जटिल संरचना तथा अस्पतालों को शेल्टर के रूप में इस्तेमाल करने की रणनीति को पूरी तरह से ध्वस्त करना चाहते हैं। अल शिफा अस्पताल से बाहर निकाले गये फिलिस्तीनी शरणार्णी हों या फिर दक्षिणी गाजा से उत्तर की ओर जाते फिलिस्तीनी नागरिक। वो भी यही मान रहे हैं कि हमास ने उन्हें बर्बाद कर दिया। अल सिफा अस्तपाल में अल जजीरा चैनल से बात करते हुए एक फिलिस्तीनी ने कहा कि अगर उन्हें (हमास के लड़ाकों को) शरण ही लेनी है तो जहन्नुम में क्यों नहीं चले जाते।

आज का इतिहास

1974 अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की स्थापना की गयी।

1985 कैल्विन एंड हॉब्स, बिल वाट्सन द्वारा एक कॉमिक स्ट्रिप जो कि दुनिया में सबसे लोकप्रिय में से एक थी, पहली बार प्रकाशित हुई थी।

1987 लंदन में, किंग्स क्रॉसस्ट पंचों में एक भूमिगत आग ने 31 लोगों की जान ले ली।

1987 लंदन अंडरग्राउंड पर किंग्स क्रॉस में आग लगने से 31 लोगों को मारता है और एक और 100 घायल हुए।

1991 स्वतंत्रता-युगोस्लाव पीपुल्स आर्मी के क्रोएशियाई युद्ध ने 87 दिनों की घेराबंदी को समाप्त करते हुए क्रोएशियाई शहर वुकोवर को समाप्त कर दिया।

1993 दक्षिण अफ्रीका के 21 राजनीतिक दलों ने नए संविधान को स्वीकार किया, इसके तहत मतधिकार का दायरा बढ़ाया गया।

2002 इराक निशस्त्रीकरण संकट- हेंस ब्लिक्स के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र के हथियार निरीक्षकों का दल इराक पहुंचा।

2003 गुडरिज बनाम डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक हेल्थ में अपने शासन के साथ, मैसाचुसेट्स सुप्रीम जुडिशल कोर्ट ने राज्य को पहला यूयूएस बनाया। एक ही-विवाह को वैध बनाने के लिए।

2005 पूर्वी इराक में 2 मस्जिदों में कई आत्मघाती बम विस्फोटों में 74 शिया सैनिक मारे गए, जबकि बगदाद में दो बम विस्फोट कार में विस्फोट करके विदेशी पत्रकारों के साथ एक होटल की दीवार को नष्ट कर दिया।

2006 यह पता चला है कि हर साल होने वाला लियोनिद उल्का बौछार संभवत: संयुक्त राज्य अमेरिका में न्यूयॉर्क और न्यू इंग्लैंड के निवासियों और कनाडा और पश्चिमी यूरोप में मैरिटाइम के लिए इस सप्ताह के अंत में एक मजबूत प्रकोप हो सकता है।

2007 सऊदी अरब में 2007 ओपेक की बैठक वेनेजुएला के राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज़ द्वारा खोली गई है। यह बैठक ईरान पर हमला करने के खिलाफ संयुक्त राज्य को चेतावनी देती है।

2008 युद्ध के अपराधों को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो प्रांत में तबाह कर दिया जाता है, जब एक तोड़ फोड़ और सिफारिशें लड़ने के बाद कम से कम 100 नागरिकों की मौत हो जाती है।

मोदी ऐसे कर रहे हैं 2024 के चुनाव की तैयारी

हरीश गुप्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भले ही भारतीय जनता पार्टी की किस्मत चमकाने के लिए पांच में से चार चुनावी राज्यों में एक के बाद एक रैलियों को संबोधित कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भी एक-एक वोट अपनी झोली में डालने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। वह आदिवासी और अन्य वर्गों को लुभाने के लिए गैर-चुनाव वाले राज्यों की यात्राएं भी कर रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषक इस बात से हैरान हैं कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हाल ही में अचानक झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ शांत बैठ गया है। वैसे, सच यह है कि सोरेन को अदालत से कोई राहत नहीं मिली और उम्मीद थी कि सोरेन को जल्द ही गिरफ्तार किया जा सकता है लेकिन ईडी ने चुप रहने का विकल्प चुना है।

फिलहाल भाजपा नेतृत्व भी उन पर उतनी मुखरता से हमला नहीं कर रहा है, जितना पहले करता रहा है। उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी और भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास को ओडिशा के राज्यपाल पद से हटा दिया गया है। क्या झारखंड में कोई खास रणनीति बन रही है? ऐसा लगता है कि भाजपा उन राज्यों को मजबूत करने की योजना पर काम कर रही है जहां वह सत्ता में नहीं है और लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक सीटें हासिल करने के लिए बेताब है। 'ऑपरेशन महाराष्ट्र' भी उसी रणनीति का हिस्सा था, जहां भाजपा 2024 में अपने लोकसभा प्रदर्शन को दोहराने को लेकर चिंतित थी। कर्नाटक में इसी रणनीति के तहत ऑपरेशन चल रहा है। भाजपा ने अब लोकसभा चुनाव में सभी 28 लोकसभा सीटें जीतने के लिए जनता दल (एस) नेता एचडी देवेगौड़ा के साथ गठबंधन किया है। यह अलग बात है कि इसके चलते पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद डीवी सदानंद गौड़ा को चुनावी राजनीति छोड़ने की घोषणा करनी पड़ी। वह उसी वोक्कालिगा समुदाय से हैं, जिससे एचडी देवेगौड़ा का संबंध है।

हालांकि सदानंद गौड़ा की उम्र 75 वर्ष की तयशुदा आयु से काफी कम हैं, लेकिन उन्होंने संन्यास लेने का विकल्प चुना। जाहिर है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में अपने 2019 के प्रदर्शन को दोहराने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा पर भरोसा करने का फैसला किया है। उस समय उन्होंने 25 सीटें जीती थीं। अगर आप सोच रहे हैं कि मध्य प्रदेश में भाजपा नेतृत्व कांग्रेस से लड़ रहा है, तो आप गलत साबित हो सकते हैं। नरेंद्र सिंह तोमर, फग्गन सिंह कुलस्ते, राकेश सिंह और प्रह्लाद पटेल जैसे चार प्रमुख केंद्रीय नेताओं को मैदान में उतारने से पार्टी की रणनीति से अधिक लाभ नहीं हो पा रहा है। टीवी चैनलों का फोकस

शायद कमल नाथ और दिग्विजय सिंह की तकरार पर है लेकिन बारीकी से देखने पर पता चलेगा कि भाजपा में प्रतिद्वंद्वी गुट इनमें से कुछ प्रमुख नेताओं को हराने के लिए काम कर रहे हैं। इसमें संदेह नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह राज्य को अपने पास बरकरार रखने के लिए मध्य प्रदेश में बड़ी संख्या में रैलियों को संबोधित कर रहे हैं और मतदाताओं को लुभाने के लिए एक के बाद एक 'रेवड़ियां' बांट रहे हैं लेकिन शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर है।

भाजपा में यह दबी जुबान से कहा जा रहा है कि अगर राज्य में पार्टी जीतती है, तो मुख्य मंत्री का ताज प्रह्लाद पटेल पहनेंगे, न कि चौहान। तोमर के बेटे से संबंधित वीडियो का सामने आना भाजपा की आंतरिक कलह का हिस्सा है क्योंकि मौजूदा दौर में जहां सत्तारूढ़ पार्टी के पास ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स जैसे शस्त्रागार हैं, किसी भी कांग्रेस नेता में फर्जी वीडियो फैक्ट्री चलाने की हिम्मत नहीं है। एक नहीं बल्कि तीन वीडियो सामने आने से भाजपा सकते में है। यह भी कोई राज नहीं है कि कांग्रेस का राज्य नेतृत्व ज्योतिरादित्य सिंधिया के सभी उम्मीदवारों को हराने की तैयारी कर रहा है, जिन्होंने कमल नाथ सरकार को गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भाजपा के कुछ नेता अप्रत्यक्ष रूप से इस मिशन में कांग्रेस की मदद कर रहे हैं। स्थितियां जटिल हैं और विधानसभा चुनावों में केंद्रीय नेताओं को मैदान में उतारने की भाजपा की रणनीति विफल होती दिख रही है।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो' यात्रा के पहले चरण ने उन्हें व्यक्तिगत और राजनीतिक रूप से भरपूर लाभ पहुंचाया। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अपनी 'भारत जोड़ो' यात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत करने के लिए बेताब थे लेकिन घोषणा में देरी हुई क्योंकि पिछले साल कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो' यात्रा के दौरान पैदल चलने के दौरान उन्हें घुटनों में समस्या हो गई थी। उन्हें 21 जुलाई को कोट्टक्कल आर्य वैद्य शाला में भर्ती कराया गया था और एक सप्ताह के बाद छुट्टी दी गई। अब यात्रा के दूसरे चरण का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है लेकिन इस मामले में एक पेंच है। वह सड़कों पर बहुत ज्यादा नहीं चलेंगे क्योंकि वह पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं और डॉक्टरों ने उन्हें कंक्रीट सड़कों या दूसरी जगहों पर अधिक चलने से बचने की सलाह दी है।

वह अन्य चिकित्सा विशेषज्ञों से भी इलाज करा रहे हैं, लेकिन अभी कोई फायदा नहीं हुआ है। अब यह निर्णय लिया गया है कि वह एक दिन में एक घंटे से अधिक समय तक पैदल चलने के बजाय खुली जीप, बस या यात्रा के अन्य साधनों का उपयोग करेंगे। यात्रा के पहले चरण में वह अधिकतर पैदल चलते थे जिसके कारण उनके घुटने चोटिल हो गए हैं। भले ही तृणमूल कांग्रेस पार्टी नेतृत्व ने लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा को उनके जिले में पार्टी का एक महत्वपूर्ण पद दिया हो, लेकिन उसका बुरा दौर अभी खत्म नहीं हुआ है। आचार समिति की सिफारिशों के अनुसार मोइत्रा को लोकसभा सदस्यता गंवानी पड़ेगी। विशेषज्ञों की राय है कि किसी बाहरी व्यक्ति के साथ अपना आधिकारिक लॉगिन साझा करना इस कार्रवाई के लिए पर्याप्त है। उपहार, नवीकरण और वस्तुओं और नकदी के संदर्भ में जांच चल रही है, इस क्रम में महुआ को बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन भाग्य ने महुआ का साथ नहीं दिया और इस बातचीत से उन्हें कोई फायदा नहीं हुआ।

मध्य प्रदेश में भाजपा के सामने हैं कई चुनौतियां

रवीन्द्र जैन

मध्य प्रदेश में इस बार की चुनावी लड़ाई थोड़ा अलग रूप लेती दिख रही है। तीन दशक में यह पहला मौका है, जब बीजेपी अपने सभी अनुभवी बुजुर्ग नेताओं को घर बिठाकर चुनाव मैदान में उतरी है। इस चुनाव में वह पूरी तरह 'लाडली बहनों' के भरोसे हो गई है। दिलचस्प है कि चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ा जा रहा है, लेकिन मोदी ने स्वयं लाडली बहना योजना से दूरी बना रखी है। दूसरी ओर कांग्रेस इस चुनाव में भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी को मुद्दा बनाने में कुछ हद तक सफल रही है। पटवारी भर्ती में हुई कथित धांधली से प्रदेश के युवाओं में नाराजगी है। मंत्रियों और विधायकों के प्रति भी लोगों में गुस्सा है। बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व ने सात सांसदों और एक राष्ट्रीय महासचिव को विधानसभा चुनाव में उतारकर चुनाव को अलग रंग देने की कोशिश की, लेकिन इन सांसदों और महासचिव ने पहले दिन से खुद को 'वीआईपी' की तरह पेश कर अपने पांवों पर कुल्हाड़ी मार ली। अब स्थिति यह है कि सात में से 3 सांसद चुनाव हारने के कगार पर हैं। दो सांसद और राष्ट्रीय महासचिव कांटे के संघर्ष में फंस गए हैं। सिर्फ 2 सांसदों के जीतने के आसार बन रहे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बीजेपी ने अपने अनुभवी और सक्रिय नेताओं को अचानक घर बिठा दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती की नाराजगी प्रदेश के 6 प्रतिशत लोधी मतदाताओं को सीधा संदेश दे रही है। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा, पूर्व संगठन महामंत्री कृष्ण मुरारी मोघे और कप्तान सिंह सोलंकी, रघुनंदन शर्मा, कैलाश चावला, जयभान सिंह पवैया, अनूप मिश्रा, डॉ. गौरीशंकर शैजवार, कुसुम मेहदेले, उमाशंकर गुप्ता, शरद जैन, विक्रम वर्मा जैसे राजनीति के चाणक्यों को बीजेपी ने पूरी तरह अलग-थलग कर रखा है। खास बात यह कि इनमें से कई नेताओं ने मीडिया के जरिए संगठन को संदेश भेजा कि वे संगठन के लिए काम करना चाहते हैं। इसके बाद भी बीजेपी ने इनमें से किसी भी नेता को बुलाना तो दूर उनसे बात करना भी उचित नहीं समझा। मध्य प्रदेश में क्षेत्रवार बात करें तो भी तस्वीर कमोबेश ऐसी ही उभरती है। ज्योतिरादित्य सिंधिया के आने के बाद भी ग्वालियर-चंबल संभाग बीजेपी के लिए खतरे की घंटी बना हुआ है। बुंदेलखंड और महाकौशल में भी कांग्रेस को बढ़त की बात कही जा रही है। विंध्य इस चुनाव में पूरी तरह बदला हुआ दिख रहा है। 5 साल पहले विंध्य में 30 में से मात्र 6 सीटें कांग्रेस को मिली थीं। इस बार कांग्रेस 18 सीटें जीतने का गणित लगाकर बैठी है। बीजेपी को मध्य क्षेत्र के अलावा मालवा और निमाड़ से उम्मीद है, लेकिन यहां भी मुकाबला एकतरफा नहीं है। मालवा में बीजेपी के दो दिग्गज भंवर सिंह शेखावत और दीपक जोशी (पुत्र पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी) कांग्रेस में शामिल होकर चुनाव लड़ रहे हैं। निमाड़ में बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार सिंह चौहान के बेटे हर्ष सिंह चौहान की बगावत ने बीजेपी को परेशान कर रखा है। बेशक बीजेपी ने मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान को चेहरा नहीं बनाया, लेकिन चुनाव में सबसे ज्यादा सक्रिय वही हैं। बीजेपी प्रत्याशियों की ओर से डिमांड भी चौहान की ही रही है। यानी राज्य में आज भी लोकप्रियता के मामले में शिवराज सिंह चौहान सबसे आगे हैं। पार्टी हाईकमान कुछ भी कहे, लेकिन शिवराज ने स्वयं को अगले मुख्यमंत्री के रूप में पेश कर दिया है। शिवराज सिंह चौहान प्रदेश के सबसे चतुर नेता माने जाते हैं। उन्हें मालूम था कि इस चुनाव में भ्रष्टाचार महंगाई और बेरोजगारी बड़ा मुद्दा बनेगी। यही कारण है कि उन्होंने चुनाव से 10 महीने पहले ही आधी आबादी यानी महिलाओं पर फोकस कर दिया था। प्रदेश की 1 करोड़ 30 लाख महिलाओं को लाडली बहना बनाकर उन्हें 1250 रुपए महीने नकद देने से सत्ता विरोधी लहर कुछ हद तक कम हुई है। भोपाल से दिल्ली तक शिवराज की इस योजना की आलोचना करने वाले भी मान रहे हैं कि मध्य प्रदेश में सिर्फ यही योजना बीजेपी के लिए उम्मीद की एक किरण है। कांग्रेस की बात की जाए तो यहां 75 पार दो नेता कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ही दिखाई देते हैं। लंबे समय बाद यह स्थिति आई है कि कांग्रेस में गुटबाजी लगभग पूरी तरह समाप्त हो गई है। पूरा चुनाव कमलनाथ के कंधे पर टिक गया है। रणदीप सुरजेवाला, सुप्रिया श्रीनेत और रागिनी नायक ने दिल्ली से आकर कांग्रेस की रणनीति बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

कांग्रेस के अभेद किले कुक्षी सीट पर लाड़ली योजना लगा सकती है सेंध

राहुल संपाल

मध्यप्रदेश की आदिवासी बेल्ट की सीटों में इन दिनों आदिवासी वोटर जिसके साथ, सत्ता की चाबी उसके हाथ का नारा जोर-शोर के साथ सुनाई दे रहा है। इसी वोट बैंक को साधने के लिए पीएम मोदी से लेकर प्रियंका गांधी इस अंचल में रैली करते हुए नजर आए। कांग्रेस का गढ़ कहे जाने वाली धार जिले की कुक्षी सीट पर लाड़ली बहन योजना के आने के बाद समीकरण बदल गए हैं। दो लाख 46 हजार मतदाताओं वाली इस सीट पर करीब 1.24 लाख महिला वोटर हैं। इनमें से करीब 52 हजार आदिवासी महिलाएं लाड़ली बहन योजना का लाभ ले रही हैं। ऐसे में पहली बार इस सीट पर आदिवासी महिला वोटर निर्णायक भूमिका अदा करेंगी। जिले में इन्हीं आदिवासी महिला को साधने के लिए प्रियंका गांधी और सीएम शिवराज सिंह चौहान एक रैली कर चुके हैं। आदिवासी बहुल कुक्षी विधानसभा में मतदाताओं का मूड हमेशा एकतरफा रहता है। वे जिसे भी चुनते हैं, उसे भरपूर वोट देते हैं। यही कारण है कि विधानसभा के अब तक 14 चुनाव और एक उपचुनाव में महज दो में ही जीत का अंतर पांच फीसदी से कम रहा है। बाकी में जीत का अंतर 10 से 40 फीसदी मतों का रहा है। करीब 15 चुनावों में से अब तक 12 बार इस सीट पर कांग्रेस जीती है। सबसे ज्यादा इस सीट से पांच बार जमुनादेवी विधायक चुनी गई हैं। जबकि साल 1962 में जनसंघ, 1990 में भाजपा और 2011 में हुए उपचुनाव में भी भाजपा जीती थी। इस सीट से तीन बार कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। कुक्षी से कांग्रेस के सुरेंद्र सिंह बघेल हनी विधायक हैं। 15 महीने की कमलनाथ सरकार में हनी को नर्मदा घाटी विकास का मंत्री बनाया गया था। कांग्रेस ने इस चुनाव में फिर हनी बघेल पर ही विश्वास जताया है। जबकि भाजपा से जयदीप पटेल मैदान में है। कुक्षी सीट हमेशा से भाजपा के लिए कमजोर रही है। यहां लगातार दो बार से कांग्रेस पार्टी के हनी सिंह बघेल विधायक हैं और उन्होंने राजनीतिक तौर पर उन्होने अपने पैर भी मजबूती से जमा रखे हैं। उनकी परिवारिक पृष्ठभूमि भी राजनीतिक रही है। जबकि जयदीप पटेल पूर्व विधायक मुकाम सिंह किराडे के भांजे है और भाजपा में प्रदेश मंत्री है। धन-बल की राजनीति में वे हनी बघेल को टक्कर दे रहे हैं। पटेल की उम्र भी कम है। पटेल कुक्षी के स्थानीय रहवासी भी हैं, हालांकि कुक्षी विधानसभा में सरदार सरोवर बांध के कारण आई डूब का बड़ा हिस्सा भी आता है और इस बार के चुनाव में वह फैक्टर भी मायने रखे हुए हैं। कुक्षी की राजनीति पिछले कुछ समय से दो परिवारों के ईद-गिर्द रही। कांग्रेस से यहां एक-एक बार बुआ जमुनादेवी और भतीजी निशा सिंघार को हार का सामना करना पड़ा।

इंडिया के लिए बसपा की क्यों शुरू हुई पैरोकारी ?

नदीम

पांच महीने पहले जब कांग्रेस कर्नाटक में सत्तारूढ़ होने जा रही थी तब शपथ ग्रहण समारोह के लिए उसने बीएसपी चीफ मायावती को न्यौता देने की जरूरत नहीं समझी थी। अखिलेश यादव को इस समारोह में शामिल होने के लिए खास तौर पर बुलाया गया था। दरअसल यह वह वक्त था जब मोदी के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर एक गठबंधन आकार ले रहा था, जिसे बाद में इंडिया नाम मिला। उस वक्त कांग्रेस को लग रहा था कि यूपी में बीएसपी के मुकाबले समाजवादी पार्टी को साथ रखने में ज्यादा फायदा है। यूपी की पॉलिटिक्स में एसपी और बीएसपी दो ऐसी तलवारें हैं, जो एक म्यान में नहीं रखी जा सकती हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव को जो अनुभव रहा है और फिर 2022 यूपी विधानसभा चुनाव के जो नतीजे रहे हैं, उसमें अखिलेश यादव बीएसपी के साथ किसी भी तरह के गठबंधन को राजी नहीं हैं। बीएसपी को साथ लेने का मतलब एसपी के छिटकने का खतरा था, सो कांग्रेस की प्राथमिकता एसपी थी। लेकिन मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के रिश्तों में ऐसी खटास आई है, जिसके बाद से इस बात की संभावना न्यूनतम हो गई है कि लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी इंडिया का हिस्सा भी रहेगी। अखिलेश यादव के जो हालिया बयान हैं, उन पर अगर ध्यान दें तो साफ है कि इंडिया उनकी कोई मजबूरी नहीं है। एक-उन्होंने यह कि गठबंधन में वह सीट लेने वाले नहीं बल्कि देने वाले हैं। दो-उन्होंने कहा कि अगर गठबंधन होता भी है तो समाजवादी पार्टी यूपी की कम से कम 65 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। समाजवादी के दूसरे नेताओं ने भी कांग्रेस के खिलाफ सार्वजनिक रूप से अपना मोर्चा खोलकर रखा है।

यहीं से कांग्रेस के लिए यूपी में बीएसपी की जरूरत महसूस हुई है। पार्टी के कई नेता सार्वजनिक रूप से बीएसपी को इंडिया

में शामिल किए जाने की पैरोकारी करने लगे हैं। बीएसपी के खिलाफ एकतरफा 'सीजफायर' का एलान हो गया है। कांग्रेस का जो दलित संवाद कार्यक्रम चल रहा है, उसमें भी बीएसपी और मायावती के खिलाफ कुछ भी बोलने से बचा रहा है, जबकि पार्टी नेतृत्व को यह पता है कि कांग्रेस के पाले में उसका परम्परागत कांग्रेस वोट उसी सूरत में वापस आ सकता जब वह खुद बीएसपी के विकल्प के रूप में पेश कर सके। कांग्रेस को आज की तारीख में अगर बीएसपी की जरूरत महसूस हो रही है तो उसकी दो वजह हैं। पहली वजह तो यह है कि यूपी में उसे वजूद बचाए रखने को किसी बड़ी पार्टी के साथ गठबंधन में जाना ही होगा। अकेले उसका कोई वजूद नहीं है। अगर एसपी नहीं तो बीएसपी ही सही। दूसरे उसे लगता है कि अगर बीएसपी को अपने पाले में कर लिया या करने की कोशिश दिखाकर समाजवादी पार्टी को दबाव में रखा जा सकता है। कांग्रेस के कुछ नेताओं की यह सोच है कि बीएसपी को इंडिया में आने से रोकने के लिए अखिलेश यादव नरम पड़ सकते हैं। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता 'ऑफ द रेकार्ड' बातचीत में स्वीकारते हैं कि 'मध्यप्रदेश को लेकर बात ज्यादा बिगड़ गई वर्ना यूपी को लेकर समाजवादी पार्टी के साथ कोई बहुत बड़ा मसला नहीं था। समाजवादी पार्टी स्वाभाविक रूप से सीट शेयरिंग में 'बिग ब्रो' के रोल में रहती। अगर अखिलेश नरम पड़ते हैं और वह इंडिया में रहना चाहेंगे तो फिर से स्थितियां ठीक हो सकती हैं। कांग्रेस स्वाभाविक रूप से उन्हीं सीटों पर अपना दावा करेगी जहां के समीकरण अपने अनुकूल पाती है।' उधर लालू यादव को लेकर भी कहा जा रहा है कि वह कांग्रेस पार्टी के कई राष्ट्रीय नेताओं के संपर्क में हैं और कांग्रेस-एसपी के रिश्तों को बहाल करवाना चाहते हैं। समाजवादी पार्टी के साथ रिश्तों में आई खटास के बाद कांग्रेस नेताओं की तरफ से बीएसपी को इंडिया शामिल करने को लेकर तो पैरोकारी शुरू हुई है लेकिन वह एकतरफा है। अभी तक बीएसपी चीफ की तरफ से ऐसा कोई इशारा नहीं हुआ है जिससे यह लगे कि इंडिया में शामिल होने की इच्छुक हैं। वह अपने इस बयान पर कायम हैं कि बीएसपी न तो एनडीए का हिस्सा होगी और न ही इंडिया का। कांग्रेस के खिलाफ उनके तीखे बयानों में भी कोई कमी नहीं आई है। 1996 विधानसभा चुनाव का उनका अनुभव भी बहुत अच्छा नहीं रहा है। 1996 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और बीएसपी गठबंधन कर चुनाव लड़ी थी। बीएसपी को एक भी सीट का फायदा नहीं हुआ लेकिन कांग्रेस की सीट और वोट प्रतिशत दोनों बढ़ गया था। बीएसपी ने उस समय आरोप लगाया था कि उसका वोट तो कांग्रेस को ट्रांसफर हो गया था लेकिन कांग्रेस का वोट उसे ट्रांसफर नहीं हुआ। मायावती की कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर इसलिए भी रूचि नहीं दिखाई पड़ती है कि कांग्रेस यह साबित नहीं कर पा रही है कि आज की तारीख में उसका बेस वोट कौन सा है? कांग्रेस यूपी में सिर्फ संभावनाओं पर अपना दावा पेश कर रही है। 2019 के लोकसभा चुनाव में जब एसपी के साथ मायावती ने चुनावी गठबंधन किया था तो उस सूरत में भी उन्होंने एसपी से एक सीट ज्यादा ली थी और वह भी वह सीट लीं थी, जहां उनकी जीत की संभावना सबसे ज्यादा थी। समाजवादी पार्टी को बीएसपी के लिए अपनी कई मजबूत सीट छोड़नी पड़ गईं थी। बीएसपी कांग्रेस के लिए अधिकतम इकाई अंक के अंदर ही सीट छोड़ने को राजी होंगी। ऐसे में बहुत यकीन के साथ नहीं कहा जा सकता कि बीएसपी इंडिया बनेगी ही।

अखिलेश यादव की चुनावी तैयारी देखकर उड़ सकती है भाजपा की नींद

उमेश चतुर्वेदी

खेती-किसानी में सबसे ज्यादा विकास दर वाले मध्य प्रदेश में कांग्रेस की उपेक्षा से क्या समाजवादी पार्टी ने मान लिया है कि अगले आम चुनाव में उसे अकेले अपने दम पर ही उतरना होगा? अखिलेश यादव ने आगे बढ़कर अपने असर वाले उत्तर प्रदेश में जिस तरह आम चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं, उसके संकेत तो यही हैं। चुनाव में जीत-हार बाद का मसला है, लेकिन अखिलेश की तैयारियों से साफ है कि अगर गठबंधन की थोड़ी गुंजाइश बनी भी तो उत्तर प्रदेश में गठबंधन उनकी ही शर्तों पर होगा। अखिलेश जिस तरह जुटे हुए हैं, उससे लगता है कि अगर गठबंधन नहीं भी होता तो भी समाजवादी पार्टी अपने दम पर उतरने में भी नहीं हिचकेगी।

अखिलेश को लेकर यह सोच इसलिए बन रही है, क्योंकि उन्होंने ऐलान कर दिया है कि समाजवादी पार्टी राज्य की 80 में से 65 सीटों पर खुद उतरेगी। पंद्रह सीटों को छोड़कर अखिलेश यादव ने गठबंधन की गुंजाइश तो छोड़ी है। अखिलेश के साथ विधानसभा चुनाव लड़ चुके सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के ओमप्रकाश राजभर अखिलेश का साथ छोड़ चुके हैं। जिस तरह बहन जी यानी मायावती ने जिस तरह 'एकला चलो रे' का राग अपना रखा है, उससे अखिलेश मान चुके हैं कि बहुजन समाज पार्टी से इस बार गठबंधन संभव नहीं है। पिछले लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन था। तब इसे 'बुआ-बबुआ' का गठबंधन माना जा रहा था। साल 2017 के विधानसभा चुनावों में अखिलेश यादव की पार्टी का कांग्रेस के साथ गठबंधन था, तब उस गठबंधन को राहुल गांधी के साथ के चलते 'यूपी के लड़के' कहा गया था। वैसे तो हर चुनाव में हर राजनीतिक दल के लिए गुंजाइश होती ही है।

लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देश में अतीत में ये दोनों गठबंधन भारतीय जनता पार्टी के सामने काम नहीं आए। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी का साफ गठबंधन नहीं था। लेकिन यह भी सच है कि समाजवादी पार्टी ने अमेठी और रायबरेली में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। लगता है कि पिछले दो विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों के अनुभव से अखिलेश सीखने की कोशिश कर रहे हैं। बेशक नीतीश कुमार और ममता बनर्जी की पहल पर अखिलेश ने विपक्षी इंडी गठबंधन में शामिल होने के लिए कदम बढ़ाया। लेकिन जिस तरह मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने उन्हें किनारे किया, उससे वे नाराज हैं। अखिलेश अपनी नाराजगी जाहिर करने से नहीं हिचकते। कमलनाथ के बयान के बाद जिस तरह अखिलेश ने तीखी प्रतिक्रिया जताई, उससे साफ है कि कांग्रेस को लेकर इस बार वे सहज नहीं हैं। लेकिन

भारतीय जनता पार्टी को चुनौती देने के लिए वे कांग्रेस का साथ ले सकते हैं। लेकिन कांग्रेस का जैसा रवैया है, जिस तरह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने गठबंधन में शामिल दलों को अनदेखा किया है, इसलिए वे कांग्रेस के साथ भी भरे मन से जा सकते हैं। क्योंकि अखिलेश नहीं चाहते कि चुनावों में विगत के दो लोकसभा चुनावों की तरह उनकी हालत हो।

विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी के बाद शायद अखिलेश ही ऐसे नेता हैं, जो पूरी शिद्दत के साथ अपनी

चुनावी तैयारी में व्यस्त हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में पीडीए के फॉर्मूले पर काम शुरू किया है। पी यानी पिछड़ा, डी यानी दलित और ए यानी अल्पसंख्यक। अखिलेश अपने कार्यकर्ताओं से इस ए के साथ आधी दुनिया यानी महिलाओं को भी जोड़ने की बात कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी का वोट बैंक एमवाई यानी मुस्लिम-यादव के गठजोड़ पर केंद्रित रहा है। अतीत में राज्य की गैर यादव पिछड़ी जातियों का भी उसे साथ मिलता रहा है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के उभार के बाद गैर यादव पिछड़ी जातियों का बड़ा हिस्सा उसके

साथ आ गया है। कोइरी, निषाद, कान्दू, गोड़ं, नाई, खरवार, नोनिया, कुर्मी आदि जातियों का एक बड़ा हिस्सा अब भाजपा के साथ है। बहुजन समाज पार्टी की स्थिति खराब होने की एक बड़ी वजह उसके दलित वोट बैंक में पड़ी दरार है। अब दलितों में ज्यादातर जाटव वर्ग ही बहुजन समाज पार्टी के साथ हैं। डोम, बसफोर, धोबी, दुसाध या पासवान जैसी जातियों का रुझान पिछले कुछ चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के साथ दिखा है। अखिलेश की निगाह गैर जाटव दलित और गैर यादव पिछड़ी जातियों पर भी है। चूंकि राजभर और नोनिया जातियां साथ आती रही हैं और ओमप्रकाश राजभर अब भाजपा के साथ हैं, इसलिए इनमें सेंध लगाना अखिलेश के लिए आसान नहीं होगा। पिछले कुछ चुनावों में महिलाओं ने खुलकर भाजपा का साथ दिया है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा इसके अपवाद हैं। अब महिलाओं की चुनावी सोच अपने पतियों, बेटों, पिताओं या घर के अन्य पुरुष सदस्यों की सोच पर निर्भर नहीं रही। देर से ही सही, अखिलेश इसे समझते नजर आ रहे हैं। इसीलिए वे पीडीए के फॉर्मूले में महिलाओं को भी शामिल कर रहे हैं। अपने कार्यकर्ताओं को वे महिलाओं के बीच जाने को कह रहे हैं। वैसे भी उनके वोट बैंक के प्रमुख जातीय समूह के बारे में आम धारणा है कि वह आक्रामक होती है, इसलिए महिलाओं के बीच अखिलेश कितना लोकप्रिय हो पाएंगे, यह कहना मुश्किल है।

अखिलेश को अब आभास हो गया है कि उनकी चुनौती बड़ी है। 2012 का विधानसभा चुनाव जीतने और कम उम्र में मुख्यमंत्री का पद पा लेने के बाद राजनीति की पथरीली चुनौतियों को वे उतनी गहराई से शायद नहीं समझ पाते थे, जितनी समझ उनके पिता मुलायम सिंह की थी। लेकिन लगातार चार चुनावों में पिछड़ने के बाद लगता है कि वे राजनीति को ठीक से समझने लगे हैं। इसीलिए वे अपनी तरह से राजनीति को धार दे रहे हैं। शायद यही वजह है कि वे अपने तरीके से अपनी राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। चूंकि लगातार चार चुनावों और दो नगर निकाय चुनावों में समाजवादी पार्टी भाजपा के सामने लगातार पिछड़ती रही है। इस आधार पर माना जा सकता है कि अखिलेश के सामने चुनौती कम नहीं हुई है। लेकिन कम से कम वे राहुल गांधी की तुलना में कहीं ज्यादा गहरी कोशिश करते नजर आ रहे हैं। इस तथ्य को कांग्रेस भी समझ ही रही होगी। लेकिन उसके उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शायद इसे नहीं समझते या फिर पार्टी को अपने दम पर आगे लाने का उन पर बढ़ा दबाव, वे अखिलेश को नाराज करने से खुद को रोक नहीं पाए। अजय राय का चिढ़ाऊ बयान और मध्य प्रदेश में राहुल की अनदेखी ने शायद अखिलेश के लिए एकला चलो रे की धुन पर उत्तर प्रदेश का चुनावी राग गाना मजबूरी भी है। अगर मजबूरी में ही वे शिद्दत से तैयारी करते नजर आ रहे हैं तो भारतीय जनता पार्टी को उनसे चौकस रहना होगा। उनकी रणनीतियों पर निगाह रखनी होगी।

भारत के स्कॉटलैंड की खूबसूरती देख भूल जाएंगे विदेशी नजारे

प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत है ये जगह

विदेश घूमने की चाहत के बीच कई बार पैसा, पासपोर्ट या वीजा आदि की दिक्कतें आ जाती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप भारत के स्कॉटलैंड में घूम कर विदेश यात्रा का आनंद उठा सकते हैं। यहां के नजारे आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। अक्सर हमारे दिल में यह चाहत होती है कि विदेश यात्रा की जाए। लेकिन पैसे, पासपोर्ट या वीजा के कारण कई बार हमारी यह इच्छा अधूरी रह जाती है। अगर आपका भी विदेश घूमने का सपना सिर्फ ख्वाब बनकर रह गया है। तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपको बता दें कि भारत में कई ऐसी जगहें हैं जो विदेशी जगहों को टक्कर देती हैं। भारत में खूबसूरत पहाड़ों के अलावा आपको शानदार समुद्र के किनारे भी देखने को मिलेंगे।

पेरिस, स्कॉटलैंड और स्विट्जरलैंड घूमने का सपना देखने वाले लोग अपने देश में विदेशी नजारों की तरह कुछ जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी स्कॉटलैंड जाने का ख्वाब देख रहे हैं। तो भारत के स्कॉटलैंड की सैर कर सकते हैं। भारत के स्कॉटलैंड को घूमने के लिए आपको अधिक खर्चा भी करने की जरूरत नहीं है। साथ ही यहां पर घूमने के लिए पासपोर्ट और वीजा की भी जरूरत नहीं हैं। आइए जानते हैं भारत के स्कॉटलैंड के बारे में, जो आपको विदेश यात्रा का अनुभव करवाएंगी।

जानिए किसे कहते हैं भारत का स्कॉटलैंड

कर्नाटक राज्य में एक खूबसूरत हिल स्टेशन मौजूद है। जिसे भारत का स्कॉटलैंड कहा जाता है। बता दें कि समुद्र तल से 900 मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित इस खूबसूरत हिल स्टेशन के नजारे देख आपका दिल खुश हो जाएगा। इस खूबसूरत जगह का नाम कुर्ग हिल स्टेशन है। यहां पर घूमने के लिहाज से बहुत सुंदर जगह है। यहां पर मौजूद कई पर्यटन स्थल हैं, जो आपके सफर को और भी खूबसूरत बना देंगे।

कुर्ग के पर्यटन स्थल

कुर्ग के आसपास घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहें हैं। कुर्ग में आप ईरपु फॉल्स, नालबंद पैलेस, राजा की गुंबद, अब्बे फॉल्स और मदिकेरी किले घूम सकते हैं। इसके अलावा यहां पर आप ओंकारेश्वर मंदिर,नामद्रोलिंग मठ और मंडलपट्टी व्यू पॉइंट में भी घूमने का आनंद ले सकते हैं।

ऐसे पहुंचें कुर्ग

कुर्ग के लिए आप एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन दोनों ही सुविधाएं मिलेंगी। अगर आप फ्लाइट से कुर्ग जाने का प्लान कर रहे हैं तो मैंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट नजदीक है। इस एयरपोर्ट से कुर्ग 137 किमी दूर है। वहीं ट्रेन से जाने के लिए आपको सबसे नजदीकी रेलने स्टेशन मैसूर जंक्शन मिलेहा।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थलों पर घूमने के लिए जायें

सिक्किम

बौद्ध धर्म में विशेष स्थान प्राप्त सिलिंडरनुमा प्रार्थना चक्र को स्थानीय भाषा में मणि-ल्हाकोर कहा जाता है। इस 108 चक्र में हर चक्र पर धार्मिक सूक्तियां और मंत्रादि लिखे रहते हैं। सैलानी बड़ी श्रद्धा के साथ इन्हें घुमाते हैं क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि इन प्रार्थना चक्रों को घुमाने से बौद्धिसत्व की प्राप्ति होती है।

त्यौहारों के दिनों में खासकर, अक्टूबर से दिसम्बर तक के महीनों में इन मठों में सैलानियों और श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जा सकती है। इन दिनों में ताशिदिंग, रूमटेक और ऐन्वे मठों में लामा लोग बाघ, शेर और अन्य जंगली जानवरों के मुखौटे लगा कर और खास प्रकार की पोशाकें पहन कर नृत्य करते हैं।

सवा चार लाख की आबादी वाले राज्य में 70 से ज्यादा बौद्ध मठ? चौंकिए नहीं यह तथ्य बिल्कुल सही हैं। हम बात कर रहे हैं भारत के पूर्वोत्तर में स्थित सिक्किम राज्य की। इस राज्य के बारे में एक और तथ्य भी है कि शायद यही एकमात्र राज्य ऐसा बचा है जहां कि संपूर्ण बौद्ध धर्म, कला, संस्कृति तथा सभ्यता को संभालकर रखा गया है। सिक्किम में स्थित सभी मठ ऐतिहासिक और प्राचीन महत्व के हैं।

यहां पर आने वाले हर आगंतुक के लिए प्राकृतिक सौंदर्य से भी ज्यादा बौद्धमठ महत्वपूर्ण होते हैं। पेमयांग्तसे, ताशिदिंग, रूमटेक, फोडांग, दॉ-दरूल, ऐन्वे, रालांग तथा फेन्सांग जैसे मठ ज्यादा लोकप्रिय हैं जिनमें कि विभिन्न देवताओं तथा मूर्तियों व चित्रकारी के दर्शन होते हैं। नमिंग्म्पा संप्रदाय से संबद्ध पेमयांग्से मठ प्रमुख होने के साथ ही सर्वाधिक लोकप्रिय मठ भी है। साढ़े तीन सौ वर्ष पुराना यह मठ लगभग छह हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित है। सिक्किम के प्रथम नरेश चोग्याल फुंतसोग नामग्याल के काल में स्थापित इस मठ में अतीत में सिर्फ अग्रणी जाति के लोगों को ही दर्शन करने की इजाजत थी। लेकिन आज किसी भी प्रकार की कोई बंदिश नहीं है, कोई भी सैलानी इस मठ के दर्शन कर सकता है।

राजधानी से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित रूमटेक मठ अराधना का स्थल होने के साथ ही बौद्ध धर्म शिक्षा का प्रमुख केन्द्र भी है। यहां की परंपरागत शैली में बना यह विशाल मठ कारग्यद संप्रदाय से संबद्ध है। आवासीय घरों के बीच बना यह रूमटेक मठ दूर से नेकलेस में चमचमाते मोतियों-सा आभास देता है। जैसे ही आप मठ के पास पहुंचेंगे तो आपको हवा में फहराते रंग-बिरंगे झंडे आपका स्वागत करते हुए लगेंगे।

यहां आने पर आपको लामाओं की तीन पीढ़ियां बाल, युवा और बुजुर्ग को एक साथ देखने और मिलने का अवसर प्राप्त होगा। इन लामाओं के बारे में सर्वविदित है कि इनका जीवन कठोर परन्तु संयत और अनुशासनबद्ध होता है। यहां दो मठ 'दा-दारूल', और 'ऐन्चे मठ' तो विशेष रूप से दर्शनीय हैं। 45 साल पुराना यह मठ अपनी दिलकश वास्तुकला के कारण आपके दिल को तो मोहता ही है साथ ही सफेद रंग का यह मठ आकाश से बातें करता हुआ भी दिखाई देता है।

त्यौहारों के दिनों में खासकर, अक्टूबर से दिसम्बर तक के महीनों में इन मठों में सैलानियों और श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जा सकती है। इन दिनों में ताशिदिंग, रूमटेक और ऐन्वे मठों में लामा लोग बाघ, शेर और अन्य जंगली जानवरों के मुखौटे लगा कर और खास प्रकार की पोशाकें पहन कर नृत्य करते हैं। बौद्ध धर्म में विशेष स्थान प्राप्त सिलिंडरनुमा प्रार्थना चक्र को स्थानीय भाषा में मणि-ल्हाकोर कहा जाता है। इस 108 चक्र में हर चक्र पर धार्मिक सूक्तियां और मंत्रादि लिखे रहते हैं। सैलानी बड़ी श्रद्धा के साथ इन्हें घुमाते हैं क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि इन प्रार्थना चक्रों को घुमाने से बौद्धिसत्व की प्राप्ति होती है। वैसे तो भारत में विलय के बाद सिक्किम ने तेजी के साथ आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाये, लेकिन यहां यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि आधुनिकता की इस अंधी दौड़ में भी सिक्किम ने अपनी पुरातन पहचान को कायम रखा है। आज जिस प्रकार हर राज्य अपने कायाकल्प करने के चक्कर में पुरातन महत्व की चीजों की ओर ध्यान नहीं दे रहा है वहीं इस संदर्भ में सिक्किम को इसका अपवाद भी कहा जा सकता है। गर्मियों का यह मौसम चूंकि छुट्टियों का भी मौसम है और लोग इन दिनों ही घूमने-घुमाने का कार्यक्रम बनाते हैं इसलिए विभिन्न ट्रैवल कंपनियों के साथ ही सिक्किम पर्यटन भी पैकेज टूर आयोजित करता है, तो अब विलंब किस बात का? जल्दी पता कीजिए और पहुंचिए सिक्किम के ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थलों में घूमने के लिए।

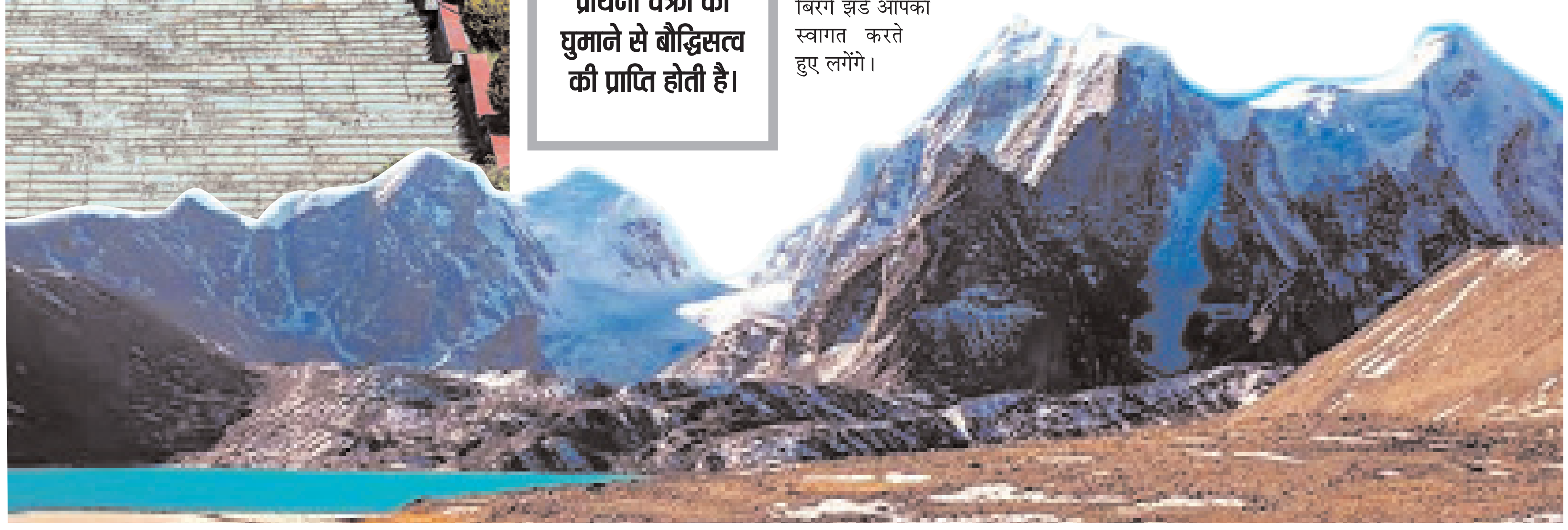

बच्चों के साथ ट्रेवलिंग का बना रहे प्लान तो ध्यान रखें ये बातें

अगर आप भी बच्चों के साथ कहीं घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ जरूरी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको ध्यान में रखकर आप जब भी बच्चे के साथ घूमने जाएंगे, तो आपको कोई परेशानी नहीं होगी।

घूमने के शौकीन लोग अक्सर ही छुट्टी मिलते घूमने का प्लान बना लेते हैं। हांलाकि घूमना किसे अच्छा नहीं लगता है। लेकिन जब बात बच्चों के साथ घूमने जाने की हो, तो आपको थोड़ा ज्यादा सजग होना पड़ता है। क्योंकि बच्चों के साथ जाने में आपको थोड़ी ज्यादा प्लानिंग, थोड़ी ज्यादा पैकिंग और थोड़ी ज्यादा तैयारी करनी होती है। ऐसे में अगर आप भी बच्चों के साथ कहीं घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ जरूरी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको ध्यान में रखकर आप जब भी बच्चों के साथ सफर पर निकलेंगे तो आपको कोई परेशानी नहीं होगी।

एक्स्ट्रा समय-हांलाकि जब भी बच्चों के साथ ट्रेवल करना होता है, तो चीजें हमेशा प्लान के अनुसार नहीं चलती हैं। इसलिए आपको कहीं भी जाना हो, फ्लाइट से जाना हो या ट्रेन से जाना हो। तो हमेशा एक्स्ट्रा समय लेकर जाना चाहिए। क्योंकि बच्चे कई बार फूड कोर्ट, वॉशरूम, टॉय शॉप या फिर कहीं और अनएक्सपेक्टेड समय लगा सकते हैं।

अधिक प्री बुकिंग कराएं-बच्चों के साथ सफर करने के दौरान आप जितना ज्यादा से ज्यादा हो सके प्री-बुकिंग करा लें। जिससे कि आपको वेटिंग रूम, रूम या फिर स्लॉट मिलने में समस्या ना हो। क्योंकि अधिकतर बच्चे सफर के बाद कहीं इंतजार करना पसंद नहीं करते हैं। वहीं आप अगर आप बार-बार होटल बदलेंगे तो इससे पैकिंग और अनपैकिंग में आपका काम ज्यादा बढ़ सकता है।

एंटरटेनमेंट- जब भी बच्चों के साथ जाएं तो उनको व्यस्त रखने के लिए पूरा इंतजाम भी अपने साथ रखें। इस दौरान आप उनके इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस, हेड फोन, पसंदीदा खिलौने, कोई खास टॉय, ड्रॉइंग बुक, स्टोरी बुक आदि लेकर जा सकते हैं।

बच्चों को दें इंफॉर्मेशन- ट्रेवलिंग के दौरान बच्चे को जरूरी इंफॉर्मेशन देते रहें। इसके अलावा आप बच्चे से उनका बैग खुद उठवाएं। इससे बच्चे को कॉन्फिडेंट फील होता है। उनको सारी कॉन्टैक्ट इंफॉर्मेशन जरूर दे दें। ट्रेवलिंग के दौरान बच्चे को फोन नंबर, ईमेल एड्रेस, नाम, लोकल एड्रेस इन सब के बारे में जानकारी होना चाहिए। इस दौरान सिक्योरिटी का भी खास ख्याल रखें।

मई में बना सकते हैं खजुराहो का प्लान

अगर आप मध्य प्रदेश के आसपास घूमने वाली जगहों की तलाश कर रहे हैं, तो खजुराहो एक अच्छा ऑप्शन है। जहां घूमने के लिए काफी कुछ है। चंदेल राजाओं द्वारा 800-1300 स्थापित खजुराहो शहर कला प्रेमियों के लिए तो और ज्यादा अच्छी जगह है। यूनेस्को ने खजुराहो को इसकी सांस्कृतिक समृद्धि की वजह से विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया है। खूबसूरत कला के निर्माण की वजह से खजुराहो दुनिया भर के पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र हैं। तो अगर आप यहां का प्लान बना रहे हैं, तो कौन सी जगहें घूमने लायक है, आइए जान लेते हैं इसके बारे में।

खजुराहो में घूमने वाली जगहें

पन्ना राष्ट्रीय उद्यान

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित है पन्ना राष्ट्रीय उद्यान। अगर आप नेचर के साथ वन्य जीवन प्रेमी हैं तो खजुराहो का पन्ना नेशनल पार्क देखना बिल्कुल मिस न करें। जो खासतौर से बाघों के लिए मशहूर है। सफारी के दौरान इन्हें आसानी से देखा जा सकता है। यहां के घने जंगलों में घूमने के दौरान और भी कई तरह के अनोखे जीव और पेड़-पौधे दिखने का मौका मिलता है। यहां सुबह और शाम सफारी होती है जिसे आप अपनी सुविधा के हिसाब से चुन सकते हैं। जलीय प्राणियों को देखने के लिए केन नदी पर नाव चलाने का ऑप्शन चुनें।

पांडव जलप्रपात और पांडव गुफाएं

इन गुफाओं का निर्माण पांडवों ने अपने अज्ञातवास के दौरान किया था, जिसे बाद में पन्ना के राजाओं द्वारा फिर से बनवाया गया। पन्ना से लगभग 14 किमी और खजुराहो से 34 किमी की दूरी पर, पांडव जलप्रपात मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के अंदर स्थित एक खूबसूरत झरना है और खजुराहो के पॉप्युलर ट्रैवल डेस्टिनेशंस में से एक। यहां आप कभी भी प्लान कर सकते हैं। मानसून के दौरान यहां की खूबसूरती और ज्यादा बढ़ जाती है। अगर आप पूरी तरह से फिट एंड फाइन हैं तभी यहां जाने का प्लान बनाएं।

रानेह जलप्रपात पन्ना

रानेह जलप्रपात एक और खूबसूरत डेस्टिनेशन है जहां जाना पैसा वसूल साबित होगा। यहां कैंपिंग की भी सुविधा है, छोटी-मोटी ट्रैकिंग की भी व्यवस्था है। ये जगह पिकनिक मनाने के लिहाज से भी काफी अच्छी है।

विश्वनाथ मंदिर

विश्वनाथ मंदिर, जो खजुराहो में मंदिरों के पश्चिमी समूह का हिस्सा है, भगवान शिव का एक मंदिर है। जिसके सेंटर में संगमरमर से बना एक शिवलिंग है। यह मंदिर 101 छोटे शिवलिंगों से बना है। विश्वनाथ मंदिर हरेभरे और भव्य वातावरण के बीचों-बीच बना हुआ है।

ये हैं चंडीगढ़ के 5 फेमस पर्यटन स्थल, आपने देखे क्या?

चंडीगढ़ में घूमने के लिहाज से कई खूबसूरत जगहें हैं। यह शहर आपको पंजाब और उत्तर भारत के लोगों की कला, संस्कृति और जीवन शैली से परिचित कराता है। हर साल यहां पर्यटकों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिलती है। चंडीगढ़ में सबसे फेमस पर्यटन स्थलों में से एक रॉक गार्डेन और संग्राहलय है। अगर आप भी चंडीगढ़ घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आइए यहां की खूबसूरत जगहों के बारे में बताते हैं।

जाकिर हुसैन रोज गार्डेन

गुलाबों से भरा यह खूबसूरत गार्डेन 30 एकड़ में फैला हुआ है । इस बगीचे का नाम भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ जाकीर हुसैन के नाम पर रखा गया है। इस गार्डन में अद्भुत वास्तुकला है जो फूलों की सुंदरता को दर्शाता है। इस गार्डेन की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहां 1500 से अधिक प्रकार की गुलाब की किस्में हैं, जो यहां लगाई जाती हैं। अगर आप हनीमून या रोमांटिक डेट पर जाना चाहते हैं, तो चंडीगढ़ के जाकिर हुसैन रोज गार्डेन घूमने जरूर जाएं।

इस्कोन टेम्पल

वैसे तो देशभर में कई इस्कोन टेम्पल हैं, लेकिन चंड़ीगढ़ में मौजूद इस्कोन टेम्पल की बात ही अलग है। यह मंदिर पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। इस्कोन टेम्पल चंडीगढ़ के फेमस पर्यटन स्थलों में से एक माना जाता है। हर दिन यहां भक्तों की भीड़ लगी रहती है। इस्कॉन मंदिर चंडीगढ़ में देखने के लिए एक शानदार जगह है।

सुखना लेक

सुखना लेक लगभग 3 किलोमीटर के क्षेत्र में फैली हुई है और यह एक ऐसी जगह है, जहां कई प्रवासी पक्षी आते हैं। आप यहां सारस और साइबेरियन बतख को भी देख सकते हैं । अगर आप बर्ड्स लवर या फोटोग्राफी के शौकीन हैं, तो यह आपके लिए बेहतरीन जगह है। आप यहां वाटर स्कीइंग, फिशिंग और बोटिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। सुखना झील चंडीगढ़ के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है ।

रॉक गार्डेन

रॉक गार्डन चंडीगढ़ के सबसे आकर्षक पर्यटन स्थलों में से एक है। अगर आप कला प्रेमी हैं, तो यहां आपको कुछ ऐसा देखने को मिलेगा, जिससे आप काफी आकर्षित होंगे। अगर आप अपने परिवार के साथ वेकेशन मनाने चंडीगढ़ जा रहे हैं, तो आपके लिए रॉक गार्डन एक बेहतरीन जगह है।

टैरेसर्ड गार्डन

अगर आप प्रकृति प्रेमी हैं और किसी शांत जगह की तलाश में हैं, तो आपके लिए यह गार्डेन बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। यहां की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

प्रियंका गांधी चुनाव के दौरान मनोरंजन के लिए मप्र आती हैं

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान फिल्मी चरित्रों से उनकी तुलना करने को आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह मध्य प्रदेश में मनोरंजन और लोकतंत्र एवं लोगों का अपमान करने आती हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए जाने से पहले चौहान ने सीहोर जिले के जैत में अपने पैतृक आवास पर कहा, ''कांग्रेस तो गंभीर है ही नहीं। मैं प्रियंका गांधी से सवाल करना चाहता हूं कि क्या फिल्मों में एक्टिंग करना यहां मुद्दा है?, क्या जय और वीरू चुनाव का मुद्दा है?, क्या मोदी जी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) के नाम पर फिल्म बन जाए ये मुद्दा है? अरे मजाक बना दिया चुनाव का। ये लोकतंत्र का अपमान है, जनता का अपमान है।'' राज्य की सभी 230 विधानसभा सीटों के लिए शुक्रवार सुबह सात बजे मतदान हुआ।

प्रदेश की जनता पर विश्वास है भाजपा साफ हैः कमलनाथ

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि उन्हें प्रदेश की जनता पर भरोसा है कि वह सही पार्टी का चुनाव करेंगे। कमलनाथ का यह बयान उस वक्त आया है जब प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए लोग अपने घरों से निकलकर मतदान केंद्रो पर पहुंचकर अपना कीमती वोट दे रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर तंज कसते हुए कहा कि मैं कोई दावा नहीं करूंगा कि हम कितनी सीट जीत रहे हैं। मैंने यहां की जनता पर सब छोड़ दिया है कि वह हमें यहां कितनी सीट जीताकर विधानसभा भेज रहे हैं। मध्यप्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष और छिंदवाड़ा से पार्टी के उम्मीदवार कमल नाथ ने प्रेस वार्ता कर कहा कि भाजपा पुलिस, पैसे और प्रशासन का गलत दुरुपयोग कर रही है। उनके पास बस यही बचा है। कल उन्होंने पूरे दिन शराब और पैसे बांटे। लोगों ने मुझे वीडियो भेजे और वीडियो कॉल पर मुझे दिखाया कि क्या हो रहा है।

कुर्सी की दौड़ कांग्रेस में है हमारा ध्यान विकास पर

भोपाल। मध्य प्रदेश चुनाव कांग्रेस और भाजपा का दबदबा रहा है। दोनों दलों द्वारा किए गए जोरदार अभियान चुनाव के दौरान केंद्र बिंदु थे। जहां भाजपा का लक्ष्य एक और कार्यकाल के लिए मैदान बरकरार रखना है, वहीं कांग्रेस भगवा पार्टी से सत्ता छीनने की होड़ में है। हालांकि, भाजपा ने इस बार मध्य प्रदेश में सीएम फेस की घोषणा नहीं की है। वहीं, इसको लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा कहा है कि मैं मुख्यमंत्री की दौड़ में नहीं हूं। मैं कभी भी दौड़ में नहीं था, न ही 2013 में, न ही 2018 में और न ही 2023 में। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह दौड़ पीएम के विकास और विकास की है। कुर्सी का रेस कांग्रेस की है। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे विश्वास है कि मध्य प्रदेश में जनता के आशीर्वाद के साथ बीजेपी की सरकार पूर्ण बहुमत से इस बार भी बनने वाली है।

तेलंगाना के लिए कांग्रेस ने जारी किया घोषणापत्र

हैदराबाद। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव से पहले शुक्रवार को तेलंगाना के लोगों के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया। पार्टी ने कुल छह गारंटी, अभय हस्तम, सूचीबद्ध की, जो बंगारू तेलंगाना के सपने को साकार करना सुनिश्चित करेगी। घोषणापत्र जारी करने से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमने तेलंगाना बनाया और हम कमीशन राज और बीआरएस की लूट के कारण आंदोलन के संघर्ष और बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। खड़गे ने कहा कि उनकी पार्टी तेलंगाना के लोगों को सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तिकरण और बेलगाम प्रगति प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। खड़गे ने कहा कि तेलंगाना की जनता अब हर हाल में कांग्रेस को सत्ता में लाना चाहती है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की भ्रष्ट सरकार ने कालेश्वरम प्रोजेक्ट में बहुत बड़ा घोटाला किया है। लेकिन केसीआर सरकार के इन घोटालों पर मोदी खामोश रहते हैं।

कांग्रेस ने राजस्थान को बना दिया एटीएम : अमित शाह

जयपुर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल ने पूरे राजस्थान को पार्टी का एटीएम बना कर रखा है। उन्होंने जनता से कहा कि आने वाले चुनाव में जब वोट डालें, तो ये मत सोचिएगा कि आप सिर्फ किसी को विधायक बनाने जा रहे हैं। बल्कि आपका एक-वोट वोट नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनाने के लिए है। आपने पांच साल तक कांग्रेस की सरकार देखी है, इन पांच साल में कांग्रेस ने सबसे बड़ा काम भ्रष्टाचार करने का किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गहलोत सरकार ने काली-सिंध बांध के नाम पर ढाई सौ करोड़ रुपये का घोटाला किया। राशन में भी एक हजार करोड़ रुपये का घपला किया। शाह ने साफ तौर पर कहा कि जो गरीबों के राशन तक खा जाता है, वो कभी राजस्थान का भला नहीं कर सकता।

पश्चिम एशिया में हुई घटनाओं से उभर रहीं नई चुनौतियां, हमारा एकजुट रहना जरूरी : मोदी

ग्लोबल साउथ समिट में पीएम ने इजरायल-हमास संकट से निपटने के लिए बातचीत, कूटनीति और संयम का किया आह्वान

नई दिल्ली। जी-20 की मेजबानी के बाद भारत की कूटनीति में ग्लोबल साउथ समिट काफी अहम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दूसरी वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने ग्लोबल साउथ के देशों के लिए एक ग्लोबल केंद्र का उद्घाटन किया, जिसका नाम दक्षिण रखा। पीएम ने बताया कि इस केंद्र का प्रस्ताव उन्होंने वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट के पहले चरण यानी जनवरी में रखा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दूसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट के उद्घाटन सत्र में कहा, मैंने पहले सम्मेलन के दौरान ग्लोबल साउथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना का प्रस्ताव दिया था। मुझे खुशी है कि दक्षिण विकास और ज्ञान साझा करने की पहल ग्लोबल साउथ सेंटर फॉर एक्सीलेंस का आज उद्घाटन किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ 21वीं सदी की बदलती हुई दुनिया का सबसे अनूठा मंच है। भौगोलिक रूप से ग्लोबल साउथ हमेशा से रहा है, लेकिन उसे इस प्रकार से आवाज पहली बार मिल रही है। ये हमारे साझा प्रयासों से हो पाया है। हम 100 से ज्यादा अलग-अलग देश हैं, लेकिन हमारे हित समान हैं, हमारी प्राथमिकताएं समान हैं।

उन्होंने आगे कहा, पिछले साल दिसंबर में जब भारत ने जी-20 की अध्यक्षता संभाली तब हमने इसमें ग्लोबल साउथ के देशों की आवाज को आगे बढ़ाना अपनी प्राथमिकता मानीं। इसके साथ ही भारत मानता है कि नई टेक्नोलॉजी नॉर्थ और साउथ के बीच दूरियां बढ़ाने का नया स्त्रोत नहीं बनना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हम सभी देख रहे हैं कि पश्चिम एशिया क्षेत्र की घटनाओं से नई चुनौतियां उभर रही हैं। भारत ने सात अक्तूबर को इस्राइल में हुए आतंकी हमले की निंदा की है। हमने संयम भी बरता है। हमने बातचीत और कूटनीति पर जोर दिया है। हम इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष में नागरिकों की मौत की भी कड़ी निंदा करते हैं। फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से बात करने के बाद हमने फलस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता भी भेजी है। यह वह समय है जब ग्लोबल साउथ के देशों को व्यापक वैश्विक भलाई के लिए एकजुट होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने डीप फेक को बताया सबसे बड़ा खतरा

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि डीप फेक सबसे बड़े खतरों में से एक है जिसका भारत की प्रणाली इस समय सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे समाज में अराजकता पैदा हो सकती है। प्रधानमंत्री ने मीडिया से भी लोगों को बढ़ती समस्या के बारे में शिक्षित करने का आग्रह किया। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में भाजपा के दिवाली मिलन कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा कि जब डीपफेक के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग की बात आती है तो नागरिकों और मीडिया दोनों को बहुत सतर्क रहने की जरूरत है।

पीएम मोदी की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब डीपफेक को लेकर चर्चा लगातार जारी है। इसमें शामिल है कि कैसे डीपफेक मौजूदा विधानसभा चुनावों में चुनावी लोकतंत्र की अखंडता के लिए बड़ी चुनौतियां पैदा कर रहे हैं, जिससे नकली और असली क्लिप के बीच अंतर करना मुश्किल हो गया है। डीप डाइव ने राजनेताओं को निशाना बनाने वाली छेड़छाड़ की गई छवियों, नकली वीडियो क्लिप और कृत्रिम वॉयसओवर जैसे डीपफेक के खतरों पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने साथ ही कहा कि ये महज बयानबाजी नहीं है बल्कि जमीनी हकीकत है। उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' को लोगों का समर्थन मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के वक्त भारत की उपलब्धियों ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया कि अब देश रुकने वाला नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि छठ पूजा 'राष्ट्रीय पर्व' बन गया है जो बेहद प्रसन्नता की बात है।

क्या होता है डीप फेक

ये 2 शब्दों डीप लर्निंग और फेक के मेल से बनता है। डीप लर्निंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एक हिस्सा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सरल शब्दों में समझें तो ऐसी टेक्नोलॉजी जो खुद काम कर सकती है। यानी अपनी खुद की अक्ल लगाकर। जैसे आप गूगल असिस्टेंट से कह दें कि म्यूजिक बजाओ। उसमें आपको खुद उठकर म्यूजिक नहीं प्ले करना पड़ता है। इंसानी दिमाग के जितना करीब हो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उतनी ही बेहतर मानी जाएगी। डीप फेक ह्यूमन इमेज सिंथेसिस नाम की टेक्नोलॉजी पर काम करता है। जैसे हम किसी भी चीज की फोटोकॉपी कर लेते हैं वैसे ही ये टेक्नोलॉजी चलती फिरती चीजों की कॉपी कर सकती है। यानी स्क्रीन पर आप एक इंसान चलते, फिरते, बोलते देख सकते हैं पर वो नकली होगा। इस टेक्नोलॉजी की नींव पर बनी एप्स बेहद नुकसान पहुंचा सकती है। इससे किसी व्यक्ति के चेहरे पर दूसरे का चेहरा लगाया जा सकता है। वो भी इतनी सफाई और बारिकी से कि नीचे वाले चेहरे के सभी हाव भाव ऊपर वाले चेहरे पर दिख सकते हैं। ये उसी तरह है जैसे एकता कपूर के सिरीयल में प्लास्टिक सर्जरी से पुराने चेहरे को नया बना दिया जाता था। फिर लोगों को लगता था कि सारे काम वो व्यक्ति कर रहा है जो ऊपर दिख रहा है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का केसीआर पर हमला, बोले-

तेलंगाना में आएगा कांग्रेस का तूफान बुरी तरह हारेगी बीआरएसः राहुल

हैदराबाद। तेलंगाना के विधानसभा चुनावों के लिए राजनीतिक दलों का प्रचार तेज हो गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के समर्थन का तूफान आने वाला है और सत्तारूढ़ बीआरएस बुरी तरह हारेगी। खम्मम जिले के पिनापाका में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस का भ्रष्टाचार पूरे राज्य में देखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पहला लक्ष्य तेलंगाना में जनता की सरकार बनाना है और उसके बाद केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को बाहर किया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि केसीआर को पता चल गया है कि तेलंगाना में कांग्रेस का तूफान आने वाला है... ऐसा तूफान आने वाला है कि केसीआर और उनकी पार्टी तेलंगाना में नजर नहीं आएगी।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री (के. चंद्रशेखर राव) पूछते हैं कि कांग्रेस पार्टी ने क्या किया है? मुख्यमंत्री साहब, आपने जिस स्कूल और कॉलेज में पढ़ाई की.. उसे कांग्रेस ने ही बनाया। जिन सड़कों पर आप यात्रा करते हैं, कांग्रेस ने उन सड़कों को बनाया। उन्होंने कहा, यह कांग्रेस ही थी जिसने तेलंगाना राज्य के वादे को पूरा किया और हैदराबाद को दुनिया की आईटी राजधानी बनाया।

उन्होंने कहा, लड़ाई दोराला (सामंती) तेलंगाना और प्रजाला (जनता) तेलंगाना के बीच है। उन्होंने आरोप लगाया कि शराब और रेत सहित सभी विभाग जहां पैसा बनाया जाता है, वे मुख्यमंत्री के परिवार के हाथों में हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अलग राज्य की मांग करते हुए लोगों ने तेलंगाना का सपना देखा था लेकिन केसीआर केवल एक परिवार के सपने को पूरा कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने कहा, उनके (केसीआर) भ्रष्टाचार के प्रतीक तेलंगाना के हर कोने में दिखाई देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर ने कालेश्वरम परियोजना के निर्माण के नाम पर लोगों से एक लाख करोड़ रुपये लूटे हैं। राहुल गांधी ने हाल ही में कालेश्वरम परियोजना के मेडिगड्डा बैराज का दौरा किया था, क्योंकि इस बात की खबर थी कि बैराज के खंभे डूब गए हैं।

राहुल गांधी ने आगे आरोप लगाया कि बीआरएस, भाजपा और असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम एक साथ काम कर रहे हैं, और याद दिलाया कि बीआरएस ने लोकसभा में नरेंद्र मोदी सरकार का समर्थन किया था। उन्होंने एआईएमआईएम पर आरोप लगाया कि वह भाजपा की मदद करने के लिए जहां भी कांग्रेस चुनाव लड़ती है, वहां अपने उम्मीदवार उतारती है।

उन्होंने कहा कि चुनावी लड़ाई कांग्रेस और बीआरएस के बीच है और एआईएमआईएम और भाजपा चुनाव में बीआरएस की मदद कर रहे हैं। तेलंगाना के लोगों के लिए कांग्रेस की छह गारंटी के वादे पर उन्होंने कहा कि ये आश्वासन केसीआर और नरेंद्र मोदी की तरह खोखले शब्द नहीं हैं।

खेल प्रमुख समाचार

हम टीम इंडिया की कुछ कमियों को जानते हैंः हेजलवुड

नईदिल्ली। 19 नवंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। वहीं वर्ल्ड कप के महामुकाबले के लिए तैयार ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि उन्हें टीम इंडिया में कोई कमजोरी नहीं दिखती लेकिन टूर्नामेंट के शुरुआती मैच से सीख लेकर वह उसके टॉप क्रम को परेशान कर सकते हैं।

वर्ल्ड कप 2023 में भारत ने अपने पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से मात दी थी। बल्लेबाजी में भारत की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही थी। वहीं गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को तीन विकेट से रौंदकर फाइनल में जगह बनाई है। अब अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत होगी। हेजलवुड ने साउथ अफ्रीका की टीम के खिलाफ जीत के बाद भारत के साथ होने वाले मुकाबले के बारे में कहा कि, हमने वर्ल्ड कप से पहले उनके खिलाफ सीरीज खेली थी जिसे हम 2-1 से हार गए थे। हमने एक दूसरे के खिलाफ काफी अच्छी क्रिकेट खेली है। हम उनकी टीम के बारे में अच्छी तरह से जानते हैं कि वह भी हमारी टीम से वाकिफ हैं। उन्होंने कहा, उनकी टीम बेहतरीन है। पूरे टूर्नामेंट में उनका कोई सानी नहीं रहा। उनकी टीम में कोई वास्तविक कमजोरी नहीं है लेकिन हम रविवार को उनका मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। कंगारू टीम के तेज गेंदबाज ने कहा कि जब चेन्नई में टीम इंडिया छोटे से लक्ष्य का पीछा कर रही थी तो हमें तब उनकी कुछ मामूली कमियों के बारे में पता चला था। हम भाग्यशाली थे जिसने शुरू में ही उनके दो विकेट झटके थे। भारत 20 साल पहले साल 2003 वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया में मिली हार का बदला चुकता करने उतरेगी। साल 2003 वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने टीम इंडिया को 125 रनों से शिकस्त दी थी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/ प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 188 अंक लुढ़का निफ्टी 19,732 पर बंद

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में बीते दो कारोबारी सत्रों में तेजी के बाद शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई जिससे बीएसई सेंसेक्स 188 अंक की गिरावट लेकर बंद हुआ। दरअसल भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से उपभोक्ता ऋण नियमों को कड़ा करने के बाद बैंकिंग और फाइनेंस कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई और इसका असर बाजार की धारणा पर भी पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स की शुरुआत खराब रही और यह गिरकर 65,788.79 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में खूब उतार-चढ़ाव देखा गया और अंत में यह 187.75 अंक या 0.28 प्रतिशत गिरकर 65,794.73 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 33.40 अंक या 0.17 प्रतिशत की गिरावट लेकर 19,731.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर में सबसे ज्यादा 3.64 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

ई-कॉमर्स इंडस्ट्री के एक्सपोर्ट के लिए इन्वेंट्री बेस्ड मॉडल में एफडीआई की मांग

नईदिल्ली। विदेश व्यापार महानिदेशक संतोष कुमार सारंगी ने शुक्रवार को कहा कि ई-कॉमर्स उद्योग ने सरकार को केवल निर्यात मकसद से ऑनलाइन कारोबार के 'इन्वेंट्री' यानी माल भंडार आधारित मॉडल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने का सुझाव दिया है। 'इन्वेंट्री'आधारित मॉडल' में ऑनलाइन कामकाज करने वाली कंपनियां स्वयं अपना सामान रखती हैं और उसे सीधे ग्राहकों को बेचती हैं। देश की मौजूदा एफडीआई नीति के तहत ई-कॉमर्स के 'इन्वेंट्री-आधारित मॉडल' में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति नहीं है। इसकी अनुमति केवल उन कंपनियों में है जो 'मार्केट प्लेस' मॉडल के माध्यम से काम कर रही हैं। सारंगी ने कहा कि सरकार ई-कॉमर्स माध्यम से निर्यात को बढ़ावा देने के लिये कई स्तरों पर काम कर रही है।

फ्लेयर राइटिंग ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड तय किया

नईदिल्ली। पेन बनाने वाली कंपनी फ्लेयर राइटिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने 593 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड 288-304 रुपये प्रति शेयर तय किया है। बाजार सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि कंपनी का आईपीओ 22 नवंबर को खुलकर 24 नवंबर को बंद होगा। एंकर निवेशक 21 नवंबर को शेयरों के लिए बोलियां लगा सकेंगे। आईपीओ दस्तावेजों (आरएचपी) के अनुसार, फ्लेयर राइटिंग के निर्गम में 292 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा प्रवर्तक तथा प्रवर्तक समूह 301 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। फिलहाल कंपनी में प्रवर्तकों और प्रवर्तक समूह की इकाइयों की शतप्रतिशत हिस्सेदारी है। आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 49 इक्विटी शेयरों और उसके गुणकों में बोली लगा सकते हैं। यह कंपनी 45 साल से अधिक पुराने प्रमुख ब्रांड 'फ्लेयर' की मालिक है।

भारत ने 2023-24 में अभी तक रिकॉर्ड 41,010 पेटेंट दिए

नईदिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारतीय पेटेंट कार्यालय ने इस वित्त वर्ष में 15 नवंबर तक सर्वाधिक 41,010 पेटेंट प्रदान किए हैं। गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' यह एक रिकॉर्ड है। 2023-24 में सर्वाधिक पेटेंट दिए गए। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह नवाचार-संचालित ज्ञान अर्थव्यवस्था की दिशा में भारत की यात्रा में एक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, भारत के युवाओं को इस तरह की प्रगति से काफी फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने हाल ही में कहा था कि भारत में पेटेंट आवेदनों में वृद्धि यहां के युवाओं के बढ़ते नवोन्मेषी उत्साह को दर्शाती है। यह भविष्य के लिए एक बहुत ही सकारात्मक संकेत है। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में भारतीयों द्वारा पेटेंट आवेदनों में 31.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

केंद्र सरकार की नीतियों के चलते तेज गति से बढ़ रहा है भारतीय अर्थव्यवस्था

प्रह्लाद सबनानी

भारतीय अर्थव्यवस्था आज लगभग 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से विकास की राह पर आगे बढ़ रही है। अर्थव्यवस्था के आकार में विस्तार से उस देश के नागरिकों की आय में वृद्धि दर्ज होती है इससे गरीब वर्ग के हाथों में भी पैसा पहुंचता है इससे, विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़ती है एवं रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं और अंततः गरीब वर्ग की संख्या में कमी होकर देश में मध्यम वर्ग की संख्या बढ़ती है। नीति आयोग के एक प्रतिवेदन के अनुसार वर्ष 2015-16 में भारत के शहरी क्षेत्रों में गरीब वर्ग की संख्या 24.85 प्रतिशत थी जो वर्ष 2020-21 में घटकर 14.90 प्रतिशत रह गई है। इसमें 9.95 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसी प्रकार वर्ष 2015-16 में भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब वर्ग की संख्या 32.59 प्रतिशत थी जो वर्ष 2020-21 में घटकर 19.28 प्रतिशत रह गई है। अतः भारत में गरीब वर्ग की संख्या कम हुई है। इसी कारण से वैश्विक रेटिंग संस्थान भारत की रेटिंग को बढ़ाते जा रहे हैं।

स्टैंडर्ड एंड पुअर रेटिंग संस्थान ने भारत की विकास दर को वर्ष 2023-24 के लिए 6 प्रतिशत रखा है तो वर्ष 2024-25 के लिए 6.9 प्रतिशत की बात की है। साथ ही इसी संस्थान का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्ष 2030 तक 7 लाख 30 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने वाला है। वर्ष 2023 में अमेरिकी अर्थव्यवस्था 26 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के साथ प्रथम स्थान पर है। दूसरे नम्बर पर चीन आता है जिसकी अर्थव्यवस्था का आकार 18 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। तीसरे स्थान पर जापान है जिसकी अर्थव्यवस्था का आकार 4 लाख 20 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर है। चौथे स्थान

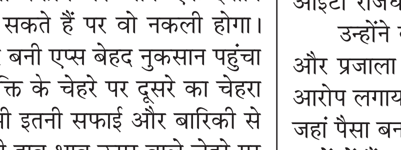

पर जर्मनी है जिसकी अर्थव्यवस्था का आकार भी लगभग 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार भारत अपनी बढ़ी हुई लगभग 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की विकास दर के साथ शीघ्र ही जापान एवं जर्मनी को पछाड़ कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। फिच नामक रेटिंग संस्थान ने भी भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर के अपने पूर्व के अनुमान में सुधार करते हुए इसे वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 6.2 प्रतिशत कर दिया है, पहिले इस वृद्धि दर के 5.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। मूडीज नामक रेटिंग संस्थान ने भी भारत की विकास दर को वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 6.7 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की है। भारत तेजी से विकास कर रहा है, यह त्यौहारों के दौरान बाजारों में उत्पादों की खरीद के लिए उमड़ रही भीड़ से भी साफ दिखाई दे रहा है।

जानकारी के अनुसार, भारत का सकल घरेलू उत्पाद (अर्थात कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में कुल उत्पादन) वर्ष 2022-23 में 282.83 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर आ गया है। अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद पूरे विश्व में पहिले नम्बर पर है जो 2121.19 लाख करोड़ रुपए का है। इसीलिए अमेरिका पूरी दुनिया का सबसे अमीर एवं ताकतवर देश कहा जाता है। दूसरे नम्बर पर चीन का सकल घरेलू उत्पाद 1497.31 लाख करोड़ रुपए का है। जापान का सकल घरेलू उत्पाद 407.60 लाख करोड़ रुपए का है। जर्मनी का सकल घरेलू उत्पाद 341.05 लाख करोड़ रुपए का है। इस दृष्टि से भारत दुनिया का 5वां सबसे बड़ा अमीर देश है। वर्ष 2013-14 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 113.55 लाख करोड़ रुपए का था और वर्ष 2013-14 में भारतीय अर्थव्यवस्था का पूरे विश्व में 10वां नम्बर था। वर्ष 2013-14 में अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद 1459.88 लाख करोड़ रुपए का था। चीन का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2013-14 में 871.77 करोड़ का था। जापान का सकल घरेलू उत्पाद 2013-14 में 349.37 लाख करोड़ रुपए का था। जर्मनी का सकल घरेलू उत्पाद 323.59 लाख करोड़ रुपए का था। अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद इस दौरान 50 प्रतिशत, चीन का 80 प्रतिशत, जापान का 30 प्रतिशत, जर्मनी का 5 प्रतिशत बढ़ा है जबकि भारत का सकल घरेलू उत्पाद 150 प्रतिशत बढ़ा है। इसी गति से भारत आर्थिक प्रगति करता रहा तो निश्चित ही वर्ष 2030 के पूर्व ही भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

तेर वजूद में गुरुर है तो मेरे वजूद में खुद्दारी है....

छत्तीसगढ़ के 90 विधान सभा क्षेत्रों में मतदान सम्पन्न हो चुका है। 3नवम्बर को मतगणना के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी कि कॉंग्रेस की पुनर्वापसी होती है या भाजपा की सरकार बनती है?वैसे छ्ग में पीएम मोदी विरुद्ध सीएम भूपेश बघेल के चेहरे को सामने रखकर चुनाव प्रचार किया गया। भाजपा ने तो अपने सभी बड़े नेताओं को झोंक दिया था।वैसे तो लगभग सभी सर्वे कॉंग्रेस की वापसी की बात कर चुके हैं तो हाल ही में भाजपा के सबसे बड़े नेता और पीएम नरेंद्र मोदी ने भाजपा की सरकार बनने की बात की यहीं नहीं सीएम भूपेश बघेल की विस चुनाव में पराजय की भी घोषणा कर दी हैअब इसका आधार क्या है वह तो वही जानें...? पर कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के विस चुनाव में भाजपा की सरकार बनने की उनकी घोषणा का क्या हाल हुआ सभी ने देखा है...? दोनों राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनी,इधर भूपेश बघेल ने कॉंग्रेस की सरकार पुनर्बनने का दावा किया है।देखना है कि छ्ग की जनता किस पार्टी को सरकार बनाने का मौका देती है। वैसे चुनावों में छोटे नेता जरूर अपनी पार्टी की सरकार बनने की बात करते हैं पर पीएम घोषणा कर दें यह तो पहली बार हो रहा है...! खैर 3 नवम्बर को मतगणना के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी कि सीएम भूपेश सही थे या पीएम मोदी....?

कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा ईव्हीम में बंद....

छ्ग में सीएम भूपेश बघेल पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह,विस अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत पूर्व विस अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे,धरमलाल कौशिक विस उपाध्यक्ष संतराम नेताम पूर्व विस उपाध्यक्ष नारायण चंदेल,धर्मजीत सिंह,कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज,भाजपा अध्यक्ष अरुण साव केंद्रीय राज्यमंत्री तथा सांसद रेणुका सिंह,पूर्व राज्यमंत्री विष्णुदेव साय सांसद विजय बघेल,गोमती साय,अरुण साव,वयोवृद्ध नेता ननकी राम कंवर,राम पुकार सिंह,पुन्नूलालमोहिले सतनामी समाज के गुरु रूद्र कुमार,लगातार 7 बार विधायक बनने वाले बृज मोहन अग्रवाल,एक मात्र मुस्लिम मंत्री मो अकबर पूर्व आईएएस ओपी चौधरी नीलकंठ टेकाम,पूर्व राज्य सभा सदस्य छाया वर्मा,राम विचार नेताम सहित 2 दर्जन से अधिक मंत्री,पूर्व मंत्री,सबसे वरिष्ठ महिला विधायक डॉ रेणु जोगी आदि की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है,3 नवम्बर को ही पता चलेगा कि किसको मतदाताओं का साथ मिला....?

नक्सली वारदातों में अभी तक 3021 की मौत....

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में दूसरे चरण

में गरियाबंद जिले के विन्द्रा नवागढ़ में मतदान कराकर लौट रहे दल पर नक्सली हमले से आईटीबीपी के जवान जोगिंदर सिंह शहीद हो गये हैं।7 नवबंर को पहले चरण में बस्तर संभाग सहित राजनांदगांव,कवर्धा की सभी 20 विधानसभा सीटों पर मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गया था।छ्ग में ये सभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र थे।हर बार नक्सली बैनर पोस्टर लगाकर चुनाव बहिष्कार करते रहे हैँ,हिंसा भी फैलाते हैं लिहाजा इन क्षेत्रों में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कराना बड़ी चुनौती हमेशा रही है।पिछले 23 सालों में 120 नेताओं की हत्या नक्सली कर चुके हैँ।बस्तर आईजी सुंदरराज पी के मुताबिक पिछले 23 सालों में 17 सौ आम नागरिकों की हत्या,12सौ जवानोंकी हत्या नक्सलियों ने की है।वहीं करीब120 नेताओं की हत्या इस तरह कुल 3020आज गरियाबंद की घटना के बाद एक और मौत जुड़ने से 3021 लोगों की नक्सलियों ने हत्या की है।इन वारदातों में झीरम कांड भी शामिल है।मरने वाले नेताओं में भाजपा कांग्रेस सहित अन्य दलों के नेता भी शामिल हैं। बीते कुछ सालों में घटनाओं में कमी देखने को मिली है।खासकर चुनाव के दौरान इनके निशाने पर जन प्रतिनिधियों के साथ-साथ सुरक्षाबल के जवान और निर्दोष ग्रामीण होते हैं। टारगेट किलिंग के तहत नक्सली इस दौरान हत्या को अंजाम देते हैं।यहां यह बताना जरुरी है कि झीरम घाटी वारदात में कांग्रेस के बड़े नेता वीसी शुक्ला,महेंद्र कर्मा,नंद कुमार पटेल,उदय मुदलियार सहित कईयों की नक्सलियों ने हत्या कर दी थी।

योजना आयोग की जगह नीति आयोग, 500करोड़ का भुगतान?

सत्ता में अपने पहले दिन नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए सुधारों में से एक योजना आयोग को भंग करना था,जो भारत की विकास योजना को नियंत्रित कर रहा था।

इसके बजाय, जनवरी 2015 में, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया-नीति आयोग नामक एक प्रणाली शुरू की गई थी।स्वाभाविक रूप से हम नवगठित नीति आयोग से देश की विकास योजनाएं बनाने की अपेक्षा कर रहे थे।मोदी ने कई मंत्रालयों ने परियोजनाओं की योजना बनाने का काम निजी परामर्श कंपनियों को सौंपा है।रेलवे,ऊर्जा,मेक इन इंडिया आदि के लिये योजना बनाने मोदी सरकार ने 5 विदेशी निजी परामर्श कम्पनियाँ पीडब्लूसी,ईवाय

केपी मजी,डीलाइट,मसीकिंसे पर निर्भर है।नीति आयोग द्वारा दिए गये आरटीआई के जवाब के अनुसार पिछले 5 वर्षों में उपरोक्त परामर्श फर्मों को फीस के रूप में 500 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया.....?

और अब बस....

- गृह मंत्री अमित शाह ने ओपी चौधरी, विष्णुदेव साय को जिताने पर बड़ा आदमी बनाने का वादा जनता से किया है?
- जोगी कांग्रेस इस चुनाव में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है?
- एक ही पार्टी से सास और बहु चुनाव समर में उतरे हैं।

दमनकारी कांग्रेस सरकार की रवानगी जनता ने कर दी तयः बृजमोहन

रायपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व मंत्री एवं रायपुर दक्षिण के भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने आज मतदान पश्चात पत्रकारों को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अपने मताधिकार का प्रयोग कर प्रदेश की जनता ने एक दमनकारी कांग्रेस सरकार की रवानगी छत्तीसगढ़ से तय कर दी है। उन्होंने कहा कि अपने भ्रष्टाचार के पैसों के दम पर कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के सभी विधानसभा सीटों को प्रभावित करने का भरपूर प्रयास किया। गुंडागर्दी की। परंतु छत्तीसगढ़ की भोली भाली परंतु ईमानदार जनता उनके जाल व भय में न फंसते हुए भाजपा को अपना आशीर्वाद दे दिया है। हम निश्चित तौर पर कह सकते हैं कि आने वाली 3 दिसंबर के बाद से छत्तीसगढ़ में भाजपा के सुशासन की वापसी होगी और छत्तीसगढ़ को लूटने वालों को जेल भेजा जाएगा, उनके अवैध कामों पर बुलडोजर चलाया जाएगा।

उन्होंने यह बातें मतदान पश्चात बूथों का निरीक्षण करके अपने चुनावी केंद्रीय चुनाव कार्यालय तत्पर में पहुंचने के बाद कही।

इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने बाहुबल और गुंडों की फौज के बदौलत व्यक्तिगत संबंधों से बनी उनकी खड़ी फसल चुराने की कोशिश करती रही परंतु भाजपा के जांबाज निष्ठावान सिपाहियों के आगे उनकी एक न चली। साथ ही उन्होंने कहा कि रायपुर की जनता से मेरा संबंध अटूट है। दुनिया की कोई भी राजनीतिक ताकत इसे नहीं तोड़ सकती।

साथ ही उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताते हुए कहा कि आप कार्यकर्ताओं का अथक परिश्रम और समर्पण मेरी ताकत है। इस चुनाव में दिन रात मेहनत करके प्रचंड जीत की राह आसान बनाई है।

बृजमोहन अग्रवाल ने सपरिवार मतदान किया

रायपुर। बृजमोहन अग्रवाल ने घर में पूजा कर भगवान का आशीर्वाद लिया उसके बाद पिता श्री रामजी लाल अग्रवाल, माता श्रीमती पिस्ता देवी, पत्नी श्रीमती सरिता अग्रवाल समेत परिवार के लगभग 50 सदस्यों के साथ दुर्गा महाविद्यालय पहुंच कर मतदान किया।

मतदान के बाद पत्रकारों से वार्ता करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, भाजपा के पंडालों पर लगी भीड़ बता रही है कि, छत्तीसगढ़ की जनता ने बदलाव का फैसला कर लिया है।

बृजमोहन अग्रवाल ने ये भी कहा कि, मतदान में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी यह संकेत है कि, छत्तीसगढ़ में भाजपा बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। प्रधानमंत्री का महिलाओं को आरक्षण का तोहफा, महतारी वंदन योजना, लाडली लक्ष्मी, 500 रुपए में गैस सिलेंडर आदि योजनाएं महिलाओं को पसंद आ रही है उसका ही नतीजा है कि महिलाओं ने मतदान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

भाजपा की सरकार लौट रही है : अरुण साव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने प्रदेश विधानसभा चुनाव के द्वितीय चरण के मतदान में स्वस्फूर्त हिस्सा लेने के लिए सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी के साथ साथ अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार, छलावा से बेहद रुष्ट है और जनता ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपने आक्रोश को अपने मताधिकार के जरिए व्यक्त किया है. अब यह आईने की तरह साफ हो गया है कि परिवर्तन की आंधी में कांग्रेस सरकार का छत्तीसगढ़ में सूपड़ा साफ होने जा रहा है. प्रदेश के हर वर्ग के साथ धोखाधड़ी करके पूरे छत्तीसगढ़ को निराशा के गर्त में धकेलने वाली कांग्रेस सरकार की गिनती पूरी हो चुकी है.

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मतदान के प्रति जनता, खासकर महिलाओं और युवाओं के उत्साह को प्रदेश की भूपेश सरकार की बिदाई का फरमान बताया है. डॉ. सिंह ने कहा कि प्रदेरशभर में मतदान के द्वितीय चरण में जनता की बढ़-चढ़कर की गई भागीदारी भूपेश सरकार के प्रति जनाक्रोश की अभिव्यक्ति का प्रमाण पत्र है. अपने किए वादों को पूरा नहीं करके, पूर्ण शराबबंदी के वादे से मुकर कर, बेरोजगारी भत्ते के मुद्दे पर छलावा और नई भर्तियों को रोककर और अनियमित, संविदा व दैनिक वेतनभोगी कर्मियों का नियमितीकरण नहीं करके कांग्रेस सरकार ने विश्वासघात किया है.

राजेश मूणत ने अपने परिवार के साथ किया मतदान

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 70 सीटों में मतदान जारी है. लोकतंत्र के महापर्व में मतदाता उत्साह के साथ अपने मतों का प्रयोग कर रहे हैं. वहीं चुनावी मैदान में उतरे प्रत्याशी अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं. इस बीच रायपुर पश्चिम के भाजपा प्रत्याशी राजेश मूणत ने अपने परिवार के साथ और रायपुर उत्तर के कांग्रेस प्रत्याशी कुलदीप जुनेजा ने भी वोट डाला.

भाजपा प्रत्याशी राजेश मूणत सहपरिवार मतदान करने पहुंचे. मूणत ने मायाराम सर्जन उत्कृष्ट पूर्व माध्यमिक विद्यालय मतदान केंद्र में माता-पिता, धर्मपत्नी, पुत्र, पुत्री और बहू के साथ मताधिकार का प्रयोग किया. पूर्ण बहुमत के साथ प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने का दावा किया.

इस दौरान राजेश मूणत ने कहा कि आम जनता से मेरी अपील है. लोकतंत्र के महापर्व पर बढ़ चढ़कर हिस्सा ले. आपका मत प्रदेश के भविष्य को तय करेगा. कांग्रेस सरकार के कुशासन से जनता थक चुकी है. पूरे प्रदेश में भाजपा पूर्ण बहुतमत के साथ सत्ता पर लौट रही है.

रायपुर उत्तर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी कुलदीप जुनेजा आदर्श स्कूल में मतदान किया. रायपुर उत्तर विधानसभा सीट में प्रत्याशी कुलदीप जुनेजा और भाजपा से पुरंदर मिश्रा हैं. वहीं निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पार्षद एवं एमआईसी अजीत कुकरेजा हैं.

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

बड़ी बहुमत के साथ बनेगी कांग्रेस की सरकारः बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने एवं शांति पूर्ण मतदान के लिये प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि भाजपा इस चुनाव को प्रभावित करने के लिये छत्तीसगढ़ की शांत फिजा को खराब करने का षडयंत्र रचा था लेकिन असफल रहे। प्रदेश की जागरूक मतदाता भाजपा के बहकावे में नहीं आयी। छत्तीसगढ़ की जनता ने कांग्रेस सरकार के काम एवं कांग्रेस के घोषणा पत्र पर भरोसा किया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस 75 से अधिक सीट जीतकर पुनः सरकार बनाने जा रही है। प्रथम एवं दूसरे चरण के मतदान में किसान, माता, बहने, युवा, श्रमिक व्यापारियों का रूझान कांग्रेस के प्रति मिला। विधानसभा का यह चुनाव मोदी के झूठ, जुमले और कांग्रेस पर भरोसे का चुनाव रहा। कांग्रेस की सरकार बनते ही जनता से किये सभी वादों पर काम शुरू होगा। मोदी की गारंटी एवं भाजपा के झूठे एवं मनगढ़त आरोप को जनता ने खारिज कर दिया है। कांग्रेस ने 2018 में अपने घोषणा पत्र के अधिकांश वायदो को विगत 5 वर्षो के कार्यकाल में निभाया है, जनता का भरोसा 5 सालों में कांग्रेस के प्रति और बढ़ा है। यही कारण है कि जनता ने एक बार फिर कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। कांग्रेस ने उत्साहपूर्वक मतदान करने के लिये मतदाताओं का आभार जताया है।

भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनने जा रहीः सरोज

रायपुर। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और

राज्यसभा सासंद डॉ. सरोज पाण्डेय ने कहा कि मतदान के प्रति प्रदेश के मतदाताओं के उत्साह से भाजपा का यह विश्वास दृढ़तर हो गया है कि पहले चरण की तरह दूसरे चरण का मतदान भी भाजपा के लिए अनुकूल परिणाम लेकर आएगा और छत्तीसगढ़ में भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनने जा रही है. सरोज पांडेय ने उत्साहपूर्वक मतदान के लिए सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि मतदान में महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी भाजपा की जीत की गारंटी है और भाजपा महिलाओं के सम्मान और सुरक्षित विकास के अवसर के लिए प्रतिबद्ध रहेगी. वही भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री लता उसेंडी ने भी द्वितीय चरण के मतदान में उत्साहपूर्वक भागीदारी के लिए सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है. उसेंडी ने कहा कि पांच वर्षों के कांग्रेसी कुशासन का संचित जन-आक्रोश इस मतदान में व्यक्त हुआ है और यह भाजपा के प्रति बढ़े जन विश्वास का स्पष्ट प्रमाण है. अब छत्तीसगढ़ में भाजपा की बनने जा रही प्रचंड बहुमत की सरकार पूर्व पीएम अटल बिहारी बाजपेयी के सपनों को धरातल पर साकार कर छत्तीसगढ़ को संवारने के लिए संकल्पित है। प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने मतदान के प्रति अभूतपूर्व उत्साह का प्रदर्शन करने पर प्रदेश की जनता का आभार माना और कहा कि विशेषकर प्रदेश की मातृ शक्ति का मतदान के प्रति यह उत्साह और उमंग भाजपा के संकल्पों और मोदी की गारंटी पर मुहर है।

बुजुर्ग-युवा, महिला-पुरूष के साथ हर वर्ग में उत्साह

रायपुर। विधानसभा चुनाव-2023 के लिए आज सुबह से मतदान जारी है। बुजुर्ग-युवा, महिला-पुरूष, दिव्यांग-ट्रांसजेण्डर हर वर्ग के मतदाताओं ने मतदान को लेकर गजब का उत्साह दिखाई दे रहा है। रायपुर जिले के अधिकांश मतदान केन्द्रों में सुबह 7 बजे से ही मतदाताओं की लम्बी कतारें देखी गई। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों के मतदान केंद्रों में मतदाता

सुबह से कतारबद्ध होकर मतदान हेतु अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिये। चुनाव आयोग एवं जिला प्रशासन द्वारा इस बार स्वीप कार्यक्रम सहित अन्य माध्यम से किये गये प्रचार प्रसार एवं मतदाताओं को वोट डालने दी गई सुविधाओं की वजह से मतदान करने लोगों का उत्साह बना रहा। निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक मतदान की प्रक्रिया का जायजा लेते रहे वहीं कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे, पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत अग्रवाल सहित सभी जोनल अधिकारी भी मतदान केंद्रों का लगातार भ्रमण कर रहे है।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सर्वेश्वर भुरे एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत अग्रवाल ने शहर के मतदान केंद्रों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने पीठासीन अधिकारी से मतदान की जानकारी ली। इस दौरान मतदाताओं से भी चर्चा की।

रायपुर के उत्तर विस में सबसे ज्यादा तृतीय लिंग के मतदाता

रायपुर। राज्य में दो चरणों में हो रहे विधानसभा निर्वाचन 2023 में प्रदेश के 2 करोड़ 3 लाख 93 हजार 160 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। दोनों ही चरणों में पुरूष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या अधिक हैं। पुरुष तथा महिला मतदाताओं के साथ ही तृतीय लिंग (ट्रांसजेंडर) के 753 मतदाता विधानसभा निर्वाचन

2023 में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश के 90 विधानसभा क्षेत्रों में रायपुर शहर उत्तर में सबसे अधिक 96 तृतीय लिंग के मतदाता हैं। इसी प्रकार रायपुर शहर के चारों विधानसभा क्षेत्रों रायपुर शहर उत्तर, रायपुर शहर पश्चिम, रायपुर शहर दक्षिण और रायपुर ग्रामीण को मिलाकर कुल 275 ट्रांसजेंडर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। विधानसभा निर्वाचन 2023 में 18-19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 7 लाख 29 हजार 267 है, जो पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उल्लेखनीय है कि कुल 2 करोड़ 3 लाख 93 हजार 160 मतदाताओं में 1 करोड़ 1 लाख 35 हजार 561 पुरूष तथा 1करोड़ 2 लाख 56 हजार 846 महिला मतदाता हैं। प्रदेश के 2,457 ऐसे मतदाता हैं जिन्होंने अपने जीवन के सौ वर्ष पूर्ण कर लिए हैं और लोकतंत्र के पर्व की शुरूआत से अब तक के साक्षी हैं।आयोग ने 80 वर्ष के अधिक उम्र तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को घर बैठे ही डाक मतपत्र द्वारा मतदान की सुविधा प्रदान की है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कंगाले ने किया मतदान

रायपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने आज सवेरे रायपुर के धरमपुरा पूर्व माध्यमिक शाला स्थित मतदान केंद्र में मतदान किया। उन्होंने आम मतदाताओं की तरह लाइन में लगकर अपने परिवार सहित मतदान किया। उन्होंने यहां बनाए गए दोनों मतदान केंद्रों में चल रहे मतदान का अवलोकन भी किया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने मतदान केंद्र में मतदाताओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा भी लिया। उन्होंने इस दौरान लोगों से अपने परिवार के सभी मतदाताओं सहित मतदान अवश्य करने की अपील की। उन्होंने लोकतंत्र के इस त्योहार में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी के लिए छोड़कर सारे काम सबसे पहले करें मतदान का संदेश दिया।

सभी 70 सीटों पर मतदान शांति पूर्ण रहाः रीना बाबा साहेब कंगाले

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज दूसरे चरण की 70 सीटों के लिए वोट डाला गया। बिंद्रानवागढ़ के 9 बूथों पर सुबह 7 से दोपहर बाद 3 बजे तक मतदान हुआ। बाकी सभी स्?थानों पर सुबह 8 से शाम 5 बजे तक वोट डाले गए। कुछ बूथों पर शाम 5 बजे कतार लगी हुई थी। नियमानुसार शाम 5 बजे कतार में खड़े सभी लोगों को वोट डालने का मौका दिया गया। इसकी वजह से कहीं- कहीं देर शाम तक मतदान चलता रहा।

प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार राज्य की 70 सीटों पर 68.15 प्रतिशत मतदान हुआ है। चुनाव आयोग के अफसरों के अनुसार अभी ये आंकड़े बदलेंगे। यानी मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा।

राज्य की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने बताया कि सभी 70 सीटों पर मतदान शांति पूर्ण रहा। मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह का माहौल था युवा वर्ग, महिलाओं, पुरुषों एवं तृतीय लिंग समुदाय सभी ने बढ़-चढ़ कर मतदान में अपनी भागीदारी निभायी है।

दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों ने भी मतदान केन्द्र में आकर अपना मतदान किया है।

आयोग के कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कंगाले ने बताया कि द्वितीय चरण के 70 विधानसभा क्षेत्रों में 5 बजे तक मतदान 68.15 प्रतिशत रहा। (यह अनुमानित रूझान हैं क्योंकि मतदान केन्द्रों से आकडे प्राप्त होने में समय लगता है और इस रूझान में डाक मतपत्र से मतदान के आंकडे शामिल नहीं है। प्रत्येक मतदान केन्द्र का अंतिम आकडा सभी मतदान अभिकर्ताओं के साथ प्रारूप 17 में साझा किया जाता है।

कोरिया जिले के विधानसभा क्षेत्र कमांक 1 भरतपुर ङ्क सोनहत के मतदान केन्द्र कमांक 143 शेराडाड़ में 5 मतदाताओं के लिए अस्थायी मतदान केन्द्र, मतदान केन्द्र कमांक 139 कान्टो में 12 मतदाताओं के लिये एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 162 रेवला में 23 मतदाताओं हेतु मतदान केन्द्र बनाया गया था।

यह तीनो मतदान केन्द्र गुरु घासीदास नेशनल रिजर्व फारेस्ट क्षेत्र में स्थित है जहां मतदान दलों को नदी-नालों को पार कर लंबी पैदल यात्रा करके जाना पड़ा था। इन तीनों मतदान केन्द्रों में 100 प्रतिशत मतदान पूर्ण हो चुका है। अब मतदान दल सकुशल वापसी कर रहे है।

कहीं कोई दोतरफा नहीं, सिर्फ एकतरफा लड़ाई हैः सीएम भूपेश बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने का अनुरोध किया। राज्य में हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को दूसरे और अंतिम चरण में शेष सभी 70 सीटों पर मतदान हो रहा है। वोट देने के लिए लाइन में लगे सीएम ने कहा, हम आराम से जीत रहे हैं। कहीं कोई दोतरफा नहीं, सिर्फ एकतरफा लड़ाई है। बघेल ने विश्वास जताया कि कांग्रेस 75 से अधिक सीटें जीतकर राज्य में एक बार फिर सरकार बनाएगी। वो कहता है न कि मैं भतीजा हूं, तो...

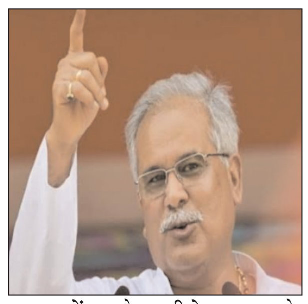

पाटन में उनके भतीजे भाजपा के विजय बघेल को लेकर सीएम ने कहा कि वो कहता है न कि मैं भतीजा हूं, तो रिश्ते में तो हम तुम्हारे बाप लगते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि यह विधानसभा चुनाव उनके चेहरे पर लड़ा जा रहा है, लेकिन अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा इसका फैसला पार्टी आलाकमान करेगा। बघेल ने कहा, 70 सीटों पर विधानसभा चुनाव का दूसरा चरण आज चल रहा है, लोगों को लोकतंत्र के इस उत्सव में भाग लेना चाहिए। किसानों, युवाओं, महिलाओं और मजदूरों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए लोगों को अपने घरों से बाहर निकलना चाहिए तथा बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंचना चाहिए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.